आपकी बात, निर्भीकता के साथ

प्रातःनागपुरी

आरएनआई पंजीयन सं. JHABIL/2023/86791

वर्ष : 02, अंक : 50 | रांची, गुरुवार, 30 जनवरी 2025 (माघ शुक्ल प्रतिपदा, संवत 2081), पृष्ठ : 12, मूल्य : 3 रुपये | email: jharkhandwanitaudyog@gmail.com

महाकुंभ भगदड़ : हादसे की होगी न्यायिक जांच, 25-25 लाख मुआवजे का एलान

- मौनी अमावस्या पर साढ़े सात करोड़ से ज्यादा लोगों ने किया स्नान

एजेंसियां

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे की न्यायिक जांच के आदेश देते हुए तीन सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग का गठन किया। इस आयोग के अध्यक्ष पूर्व न्यायाधीश हर्ष कुमार होंगे, जबकि पूर्व डीजी वी.के. गुप्ता और रिटायर्ड आईएएस डी.के. सिंह को आयोग में शामिल किया गया है। यह आयोग एक समय सीमा के अंदर अपनी रिपोर्ट देगा। पुलिस भी मामले की जांच करेगी और हादसे के कारणों की गहराई से पड़ताल की जाएगी। यही नहीं, गुरुवार को मुख्य सचिव और डीजीपी भी प्रयागराज जाकर घटना की समीक्षा करेंगे।

मृतकों के परिजनों को 25-25 लाख का मुआवजा : मुख्यमंत्री ने घटना पर गहरी चिंता जताते हुए कहा, ₹प्रशासन ने कई दौर की समीक्षा बैठकें की थीं, फिर भी यह हादसा कैसे हुआ? इसकी गहन जांच होगी।₹ सरकार ने मृतकों के परिवारों को 25-25 लाख की सहायता राशि देने की भी घोषणा की है। इसके अतिरिक्त मुख्य सचिव और डीजीपी को गुरुवार को घटनास्थल का दौरा कर जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। वे हालात का जायजा लेंगे और रिपोर्ट सौंपेंगे।

शेष पेज 08 पर

सीएम योगी ने तीन सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग का किया गठन

29 जनवरी को नहीं था कोई वीआईपी मूवमेंट : डीआईजी

डीआईजी वैभव कृष्ण ने बताया कि भगदड़ के समय संगम पर जो लोग लेटे हुए थे, उनके ऊपर भीड़ चढ़ गई। आज 29 जनवरी को शासन से सख्त निर्देश थे कि कोई वीआईपी मूवमेंट नहीं रहेगा।

मीडिया से डीआईजी ने की यह अपील : भगदड़ से जुड़ी जानकारी साझा कर रहे डीआईजी वैभव कृष्ण ने मीडिया के सवालों के उत्तर नहीं दिए और उन्होंने कहा कि हमें लोगों को उनके घरों तक पहुंचाना, हाथ जोड़कर निवेदन है कि हमारा सहयोग कीजिए।

प्रशासन ने जारी किया हेल्पलाइन नंबर

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मेला प्रशासन द्वारा एक हेल्पलाइन नंबर 1920 जारी किया गया है, जिससे कोई व्यक्ति अगर गायब है, तो उसके संबंध में जानकारी की जा सकती है। प्रशासनिक अधिकारियों ने कहा कि इस समय स्थिति सामान्य है। मुख्यमंत्री द्वारा सभी पूज्यनीय महामंडलेश्वर, संतों और अखाड़ों से वार्ता कर आग्रह किया गया कि अमृत स्नान थोड़ी देर से किया जाए। सभी संतों ने इस बात को माना और आज अमृत स्नान थोड़ी देर से हुआ। जोकि सकुशल संपन्न हुआ है।

महाकुंभ मेला क्षेत्र में हुए हादसे का अपडेट

- बुधवार देर शाम मेलाधिकारी विजय किरण आनंद और डीआईजी वैभव कृष्ण ने मौनी अमावस्या के पर्व पर संगम नोज में हुए हादसे की विस्तृत जानकारी दी।
- उन्होंने बताया कि ब्रह्म मुहूर्त से पूर्व प्रातः एक बजे से 2 बजे के बीच मेला क्षेत्र में अखाड़ा मार्ग पर भारी भीड़ का दबाव बना। भीड़ के दबाव के कारण दूसरी ओर के बैरीकेड्स टूट गए और लोग बैरीकेड्स लांघकर दूसरी तरफ आ गए और ब्रह्म मुहूर्त पर स्नान का इंतजार कर रहे श्रद्धालुओं को कुचलना शुरू कर दिया।
- शासन ने तत्काल राहत और बचाव कार्य करते हुए भीड़ को हटाया और एंबुलेंस के माध्यम से लगभग 90 घायलों को हॉस्पिटल पहुंचाया, लेकिन इसमें से दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से 30 श्रद्धालुओं की मृत्यु हो गई है। इनमें से 25 की पहचान हो चुकी है और शेष की शिनाख्त की जानी बाकी है।
- मृतकों में कुछ लोग बाहर के प्रदेशों से हैं, जिसमें कर्नाटक से 4, असम से एक, गुजरात से एक है। कुछ घायलों को परिवार के लोग लेकर चले गए हैं तथा 36 घायलों का इलाज स्थानीय मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मेला प्रशासन के द्वारा हेल्पलाइन नंबर 1920 जारी किया गया है। इस समय स्थिति सामान्य है।
- 29 जनवरी को शासन ने सख्त निर्देश दिए थे कि कोई भी वीआईपी प्रोटोकॉल नहीं होगा। आज मेला प्रशासन ने वीआईपी प्रोटोकॉल इंटरटेन नहीं किया। जो भी मुख्य स्नान पर्व हैं, उस पर कोई वीआईपी प्रोटोकॉल लागू नहीं होगा।

महाकुंभ भगदड़ को लेकर राष्ट्रपति ने जताया दुख

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को महाकुंभ भगदड़ मचने की घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मुर्मू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, "प्रयागराज महाकुंभ में भगदड़ की घटना अत्यंत दुखद है। मैं हताहत हुए श्रद्धालुओं के परिवारजनों के प्रति शोक-संवेदना व्यक्त करती हूं और ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि घायल हुए सभी श्रद्धालु शीघ्र ही स्वस्थ हों।" मौनी अमावस्या के अवसर पर प्रयागराज महाकुंभ के संगम क्षेत्र में बुधवार तड़के पवित्र स्नान करने बड़ी संख्या में पहुंचे तीर्थयात्रियों के बीच भगदड़ मचने से कई लोग हताहत हुए।

पीएम मोदी ने कहा- परिवार जनों के प्रति संवेदना

दिल्ली चुनाव के लिए प्रचार में जुटे पीएम नरेंद्र मोदी ने जनसभा को संबोधन करने से पहले बुधवार को महाकुंभ में हुए हादसे पर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा कि आज महाकुंभ में कुछ पुण्य आत्माओं को खोया। कई घायल भी हुई। प्रभावित परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। मैं घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। मैं यूपी सरकार के साथ निरंतर संपर्क में हूं। मौनी अमावस्या की वजह से करोड़ों श्रद्धालु आज वहां (प्रयागराज) पहुंचे हैं। कुछ समय के लिए स्नान की प्रक्रिया में रुकावट, लेकिन अब कई घंटों से सुचारू रूप से यात्री स्नान कर रहे हैं। मैं परिवार जनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं।

सीएम हेमंत सोरेन ने जताया शोक

रांची। सीएम हेमंत सोरेन ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट कर लिखा कि महाकुंभ में हुई दुखद भगदड़ की खबर सुनकर मन व्यथित है, जिसमें कम से कम 15 निर्दोष लोगों की जान चली गई है। सीएम हेमंत सोरेन ने आगे पोस्ट कर लिखा कि मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं शोकसंतप्त तीर्थयात्री परिवारों के साथ हैं। इस दुखद घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

घटना हृदयविदारक : बाबूलाल

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ में हुई दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना अत्यंत हृदयविदारक है। उन्होंने मृत श्रद्धालुओं के प्रियजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त की है। बाबूलाल ने मृत आत्माओं की शांति और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है।

झारखंड राज्य उच्चतर शिक्षा पुरस्कार योजना को मंजूरी

- झारखंड कैबिनेट में छह प्रस्तावों पर लगी मुहर

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में बुधवार को प्रोजेक्ट भवन सभागार में झारखंड कैबिनेट की बैठक हुई। इस बैठक में कुल छह प्रस्तावों पर मुहर लगी। इनमें झारखंड राज्य उच्चतर शिक्षा पुरस्कार योजना को मंजूरी दी गई, जिसके तहत उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाले शिक्षकों, छात्रों, प्रशासकों और संस्थानों को सम्मानित किया जाएगा।

शिक्षा और प्रशासन में सुधार : इस बैठक के माध्यम से झारखंड सरकार ने शिक्षा और प्रशासन में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। यह निर्णय न केवल शिक्षकों और छात्रों को प्रेरित करेगा, बल्कि राज्य की शिक्षा प्रणाली को भी सुदृढ़ बनाएगा।

शेष पेज 08 पर

सीएम हेमंत ने सलीमा टेटे व निक्की प्रधान को दी जमीन

- मुख्यमंत्री ने की घर बनाने के लिए 35-35 लाख देने की घोषणा

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड में खेल प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए हेमंत सरकार ने हॉकी के क्षेत्र में देश-दुनिया में राज्य का नाम रोशन करने वाली खिलाड़ी सलीमा टेटे और निक्की प्रधान को आवासीय भूखंड प्रदान करते हुए घर बनाने के लिए 35-35 लाख रुपये देने का निर्णय लिया है। झारखंड मंत्रालय में आयोजित कार्यक्रम में इसकी घोषणा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने की है।

दोनों खिलाड़ियों को पूर्व में मिली थी जमीन : झारखंड राज्य आवास बोर्ड के द्वारा लिए गए निर्णय के तहत बुधवार 29 जनवरी को भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे और झारखंड की पहली महिला ओलंपियन निक्की प्रधान को हरमू स्थित आवासीय कॉलोनी में 3750-3750 वर्ग फीट का आवासीय भूखंड का कागज सौंपा गया।

शेष पेज 08 पर

संक्षिप्त खबरें

वक्फ संशोधन विधेयक को जेपीसी की मंजूरी, 16 वोट पक्ष में, 11 का विरोध

नई दिल्ली। जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी वक्फ (संशोधन) विधेयक पर अपनी रिपोर्ट बजट सत्र के दौरान पेश करेगी। संसद का बजट सत्र 31 जनवरी से शुरू होकर 4 अप्रैल तक चलेगा। वक्फ (संशोधन) विधेयक की जांच कर रही संसद की जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी (JPC) ने बुधवार को ड्राफ्ट रिपोर्ट को मंजूरी दे दी। 16 सदस्यों ने इसके पक्ष में वोट डाला। वहीं 11 मेंबर्स ने विरोध किया।

शेष पेज 08 पर

नक्सलवाद से मोहभंग: 29 नक्सलियों ने छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ में किया सरेंडर

- सरेंडर करने वाले उग्रवादियों में 22 पुरुष और 7 महिलाएं हैं शामिल

छत्तीसगढ़। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में एक साथ 29 नक्सलियों के सरेंडर से पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। माओवादियों की कुतुल एरिया कमेटी के नक्सलियों ने नारायणपुर एसपी ऑफिस में सरेंडर किया है। इस दौरान बीएसएफ और आईटीबीपी के अधिकारी भी मौजूद रहे। सरेंडर करने वाले नक्सलियों ने बताया कि उन्होंने माओवादियों की खोखली विचारधारा और नक्सल संगठन के बढ़ते आंतरिक मतभेदों की वजह से सरेंडर किया है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों का कहना है कि वह नक्सल संगठन में बढ़ते आंतरिक मतभेदों से निराश थे। इसलिए उन्होंने आत्मसमर्पण करने का फैसला लिया। इस बात की जानकारी नारायणपुर एसपी प्रभात कुमार ने मीडिया को दी है।

सरेंडर करने वाले नक्सलियों के बारे में जानिए : नारायणपुर एसपी प्रभात कुमार ने बताया कि सरेंडर करने वाले नक्सलियों में 22 पुरुष नक्सली और 7 महिला नक्सली है। आज अबूझमाड़ के कुतुल क्षेत्र के बाटनार, गट्टाकाल, दुमनार, फरसगांव क्षेत्र के 50 ग्रामीण पुलिस से भेंट करने आये थे। जिनमें 29 ग्रामीण नक्सल संगठन में सक्रिय रहकर काम किये। नक्सल संगठन में AKMS, DKMS, मिलिशिया, स्पेशल मिलिशिया, प्लाटून और आरपीसी के सदस्य पिछले 5 -10 सालों में रहे हैं। इन लोगों ने आगे माओवादियों का साथ नहीं देने का वादा किया है। इसके साथ ही इन्होंने सरेंडर किया।

शेष पेज 08 पर

चाईबासा में महिला नक्सली समेत दो ढेर, हथियार भी मिले

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

चाईबासा। प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) नक्सली संगठन के जोनल कमेटी सदस्य विनय गंझू उर्फ भुखन और एरिया कमेटी सदस्य हेमन्ती मंझियाईन को सुरक्षा बलों ने बुधवार की अहले सुबह मुठभेड़ में ढेर कर दिया। इस संबंध में महानिदेशक और पुलिस महानिरीक्षक अनुराग गुप्ता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) नक्सली संगठन के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, अनल, असीम मंडल, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन अपने दस्ता सदस्यों के साथ कोल्हान, सारंडा एवं पोड़ाहाट क्षेत्र में विध्वंसक गतिविधि के लिए भ्रमणशील हैं। इसके आलोक में चाईबासा पुलिस, कोबरा, झारखण्ड जगुआर और सीआरपीएफ बटालियन की टीमों का एक संयुक्त अभियान दल गठित कर लगातार अभियान संचालित किया जा रहा है।

नक्सलियों के बारे में पुलिस को मिली थी सूचना : इसी क्रम में सूचना प्राप्त हुई कि माओवादी रिजनल कमेटी का सदस्य और 15 लाख का इनामी नक्सली अमित मुंडा अपने दस्ता के साथ चाईबासा जिला में पहाड़ी क्षेत्र से जुड़े कुछ गांवों में घूम रहा है। उक्त दस्ता एक बड़ी घटना को अंजाम देने के फिराक में है। डीजीपी ने कहा कि सूचना मिलने के बाद चाईबासा के पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर के नेतृत्व में एक संयुक्त अभियान दल का गठन किया गया।इसमें चाईबासा पुलिस और कोबरा 209 बटालियन को शामिल किया गया।

शेष पेज 08 पर

ये नक्सली नहीं गुण्डा हैं: डीजीपी

डीजीपी अनुराग गुप्ता ने संवाददाताओं को कहा कि मैं पुलिस के अधिकारियों और जवानों की हौसला अफजाई करने के लिए चाईबासा आया हूं। जिला पुलिस, सीआरपीएफ और कोबरा बटालियन के जवानों ने दो नक्सलियों को मार गिराया है। मारे गए दो नक्सली को हम नक्सली नहीं कहेंगे ये गुण्डा हैं। आज से 30 से 35 साल पहले गरीबी की आड़ में, सामंतवादी की आड़ में और जातिवाद चक्कर में गंदे काम कर लूटखसोट का काम करते थे। अब न तो वह जमाना है, ना ही समय है, राज्य में खुशहाली है। डीजीपी ने कहा कि चारों तरफ सड़कें बन चुकी हैं। गांव-गांव में स्कूल और अस्पताल बन चुके हैं।

शेष पेज 08 पर

सऊदी अरब : सड़क हादसे में नौ भारतीयों समेत 15 की मौत

सऊदी अरब। सऊदी अरब के पश्चिमी क्षेत्र में स्थित जेद्दा के पास एक भीषण सड़क हादसे में 15 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जिनमें 9 भारतीय नागरिक शामिल हैं। इस हादसे में नेपाल और घाना के तीन-तीन नागरिकों की भी जान चली गई। भारतीय दूतावास ने बुधवार को इस दुर्घटना की पुष्टि की और मृतकों के परिवारों को हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया। इस दुर्घटना के बाद मृतकों के परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई है।

भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी इस हादसे पर गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने एक्स पर लिखा कि जेद्दा में इस दुखद सड़क हादसे की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। मैंने जेद्दा में हमारे कौंसल जनरल से बात की है, जो पीड़ित परिवारों के संपर्क में हैं और उन्हें हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं।

तेलंगाना के श्रमिक की भी गई जान : भारतीय समुदाय के मुताबिक, ये सभी मजदूर जिजान के दक्षिणी बंदरगाह शहर में अपने कार्यस्थल की ओर जा रहे थे।

शेष पेज 08 पर

केंद्र सरकार ने इथेनॉल की बढ़ाई कीमत

एजेंसियां

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को दो बड़े फैसले लिए। इसमें एक किसानों (खासतौर से गन्ना किसानों) से जुड़ा है। केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को इथेनॉल की कीमत बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इसे 2022-23 इथेनॉल आपूर्ति वर्ष (नवंबर-अक्टूबर) के बाद से नहीं बढ़ाया गया था। वहीं दूसरा फैसला मिनरल मिशन से जुड़ा है। सरकार ने 16,300 करोड़ रुपये के मिनरल मिशन को मंजूरी दी। कैबिनेट की यह मीटिंग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सरकार के इन फैसलों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार ने इथेनॉल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई) 2024-25 के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) के लिए इथेनॉल खरीद मूल्य में संशोधन को मंजूरी दे दी है। वहीं उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन (एनसीएमएम) 2030-31 तक चलेगा।

कितनी हुई इथेनॉल की कीमत : सरकार ने इथेनॉल की नई दरें इस प्रकार निर्धारित की हैं- गन्ने के रस से उत्पादित इथेनॉल की कीमत 65.61 रुपये प्रति लीटर, बी-हैवी मोलासेस की कीमत 60.73 रुपये प्रति लीटर और सी-हैवी मोलासेस की कीमत 57.97 रुपये प्रति लीटर होगी। इससे पहले इसकी कीमत 56.28 रुपये प्रति लीटर थी। इथेनॉल की कीमत बढ़ने से इसका फायदा किसानों को भी मिलेगा। किसान अब ज्यादा कीमत पर अपना गन्ना कंपनियों को बेच पाएंगे।

सरकार ने पेट्रोल में 20 फीसदी इथेनॉल मिश्रण (E20) प्राप्त करने के लक्ष्य को इथेनॉल वर्ष 2025-26 तक आगे बढ़ा दिया है। वर्तमान में भारत अपनी पेट्रोल आपूर्ति के 13 फीसदी में इथेनॉल मिलाता है, जो अगस्त 2024 तक ईंधन के लिए उपयोग किए जाने वाले लगभग 550 करोड़ लीटर के बराबर है।

गन्ना किसानों की होगी चांदी

- बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट की हुई मीटिंग
- इसमें इथेनॉल की कीमत बढ़ाने का निर्णय
- मिनरल मिशन के तहत 16,300 करोड़ की मिली मंजूरी

क्या है मिनरल मिशन का उद्देश्य

केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा कि एनसीएमएम का उद्देश्य महत्वपूर्ण खनिजों के आयात पर देश की निर्भरता को कम करना और इस मामले में आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करना है। राष्ट्रीय महत्वपूर्ण मिनरल मिशन के तहत महत्वपूर्ण खनिजों की जांच, माइनिंग, प्रोसेसिंग और प्रोडक्शन आदि शामिल होंगे। सरकार को उम्मीद है कि यह मिशन देश के भीतर और इसके अपतटीय क्षेत्रों में महत्वपूर्ण खनिजों की खोज को तेज करेगा।

इसरो ने सफल प्रक्षेपण के साथ पूरा किया अपना 100वां मिशन

एजेंसियां

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने एक बार फिर इतिहास रचा है। बुधवार को इसरो ने अपने 100वें मिशन के तहत एक नया नेविगेशन सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेजा। यह प्रक्षेपण दक्षिण भारत के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से किया गया। इस मिशन के तहत जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (GSLV-F15) को सुबह 6:23 बजे प्रक्षेपित किया गया। यह सैटेलाइट भारत के नेविगेशन सिस्टम को और मजबूत करेगा।

खास बात यह रही कि यह इसरो के नए अध्यक्ष वी. नारायणन के नेतृत्व में पहला प्रक्षेपण था, जिन्होंने हाल ही में पदभार संभाला है। इस सफलता के बाद इसरो को देशभर से बधाइयां मिल रही हैं। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने इसरो को बधाई देते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। टीम इसरो ने एक बार फिर भारत को गौरवान्वित किया है।

शेष पेज 08 पर

संक्षिप्त

डॉ राधिका प्रसाद साहू की मनाई गई जयंती

सिल्ली। सिल्ली राधिका मैदान में बुधवार को राधिका स्मारक समिति के तत्वावधान में डॉ राधिका प्रसाद साहू का 125 वां जयंती मनाया गया। मुख्य अतिथि राजा पुष्पेंद्र नाथ सिंह देव, समिति के अध्यक्ष भागवत सोनार, अनुप कुमार साहु, अन्य अतिथियों एवं स्थानीय लोगों ने स्व डॉ राधिका साहू के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। मौके पर पुष्पेंद्र नाथ सिंह देव ने कहा कि स्व डॉ राधिका प्रसाद साहु द्वारा समाज के उत्थान के लिए किए गए कार्य सराहनीय है। उनके बताए रास्ते पर चल कर क्षेत्र एवं समाज को बेहतर बनाने के लिए हमसबों को आगे आना होगा। इस अवसर पर खेलकूद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें डबल विकेट क्रिकेट प्रतियोगिता, म्युजिकल चेयर, 100 मीटर दौड़, 50 मीटर दौड़, फेंसी ड्रेस आदि प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सफल प्रतिभागियों को मुखिया भरत मुंडा,नवल किशोर गुप्ता, भादुड़ी गोरांई, कृष्ण कांत पाठक,नगेन्द्र नाग, कार्तिक गोरांई, ऋषि केश सोनार एवं अन्य अतिथियों ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन जगदीश चन्द्र गोरांई ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सोनु कुमार साहू, जय विश्वकर्मा, शुभम चंद्र, कुंदन गोरांई, प्रिंस विश्वकर्मा समेत स्थानीय लोगों का सराहनीय योगदान रहा।

इटकी के कुन्दी गांव में शिशु घर का उद्घाटन

इटकी। प्रखण्ड के कुन्दी गांव में बुधवार को शिशु घर का उदघाटन प्रमुख किरण उरांव और मुखिया फ्रांसिस्का केरकेट्टा ने संयुक्त रूप से फिता काट की। इसके बाद शिशु घर में 15 बच्चों का नामांकन भी किया गया। अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन द्वारा संचालित आसा संस्थान का प्रखण्ड में दूसरा शिशु घर होगा। प्रखण्ड में 20 शिशु घर स्थापना की योजना है। शिशु घर में बच्चों को खेल खेल में पढ़ाई, बाल स्वास्थ्य टीकाकरण, खेल कूद का सामग्री और एक बार नास्ता के अलावा दो टाईम पौष्टीक आहार उपलब्ध कराये जायेंगे। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान सुरा तिर्की,अनिल, पूजा, निशु, पूनम सहित दर्जणों ग्रामीण उपस्थित थे।

हिंडाल्को सीएसआर विभाग ने किया कंबल वितरण

मुरी। सिल्ली प्रखंड क्षेत्र के सिंगपुर गांव के लोहरा टोला में बुधवार को हिंडाल्को सी एस आर विभाग द्वारा ग्रामीणों के बीच कंबल कि वितरण किया गया। ग्रामीणों के बीच लगभग 40 कंबलों का वितरण किया गया। हिंडाल्को द्वारा इस तरह कार्य का ग्रामीणों ने सरहानिय बताया।

रामगढ़ डीसी चंदन कुमार ने की समीक्षा बैठक, कहा

मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना का लाभ उचित लाभुकों को मिले

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना का लाभ उचित लाभुकों को ही मिलना चाहिए। जितने भी लोगों ने आवेदन दिया है उनके दस्तावेज की बारीकी से जांच की जानी चाहिए। यह निर्देश बुधवार को डीसी चंदन कुमार ने समीक्षा बैठक के दौरान दिया।

जिला स्तरीय समिति की बैठक के दौरान जिला कल्याण पदाधिकारी सिद्धार्थ शंकर चौधरी ने वित्तीय वर्ष 2024 -25 में योजना के तहत लाभ प्राप्त करने के लिए जिला स्तर पर प्राप्त आवेदनों की जानकारी दी। अब तक दिए गए लाभुकों के लाभ के संबंध में भी जानकारी दी। उपायुक्त ने प्राप्त आवेदनों का दस्तावेज को अच्छे से जांच के बाद ही योग्य लाभुकों को लाभ देने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान उपायुक्त ने जिला कल्याण पदाधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि जिन लाभुकों का राशि स्वीकृत हो चुकी है, उन्हें अभिलंब लाभ दें। जो लाभुक स्वीकृति के बाद भी लाभ नहीं ले रहे हैं उन सभी को नोटिस करें। लाभुक स्वीकृत राशि योजना का लाभ नहीं लेते हैं तो संबंधित राशि को अन्य लाभुकों में स्वीकृति प्रदान करने का निर्देश दिया। वहीं उपायुक्त ने अब तक जितने भी लाभुक लाभ ले चुके हैं, उन सभी की जानकारी ली। उन्होंने दिए गए रोजगार के लिए लाभ का सही उपयोग करने को कहा। इसकी लगातार मॉनिटरिंग करने का भी निर्देश डीसी ने दिया है। बैठक में डीडीसी रोबिन टोप्पो, डीटीओ मनीषा वत्स, एलडीएम दिलीप महली सहित अन्य उपस्थित थे।

शिक्षा विभाग के जरिये किए जा रहे कार्यों की भी की समीक्षा

रामगढ़। रामगढ़ डीसी चंदन कुमार ने बुधवार को शिक्षा विभाग के जरिये किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान सर्वप्रथम जिला शिक्षा पदाधिकारी के जरिये सरकारी विद्यालयों में प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के तहत संचालित मध्यान भोजन और यूनिफॉर्म डिस्ट्रीब्यूशन के लिए मिले निर्देश की जानकारी दी गई। जिले के सभी सरकारी विद्यालयों में मध्यान भोजन के लिए सरकार के जरिये जारी दिशा निदेर्शों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से उपायुक्त ने रियल टाइम मॉनिटरिंग के मद्देनजर बीआरपी, सीआरपी सहित शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारियों और कर्मियों को निर्देश दिया। डीसी ने सभी बीईईओ को विद्यालयों के साथ समन्वय स्थापित कर विद्यार्थियों का आईडी बनाने को कहा। साथ ही यू डैस ईडी में समय पर डाटा भरने का निर्देश दिया। सभी विद्यालयों में पेयजल की व्यवस्था कराने, विद्यालयों में किचन गार्डन विकसित करने का भी निर्देश दिया गया। वहीं नियमित रूप से बच्चों का स्वास्थ्य जांच कराने एवं उन्हें आयरन की गोली खिलाने का भी निर्देश दिया। डीसी ने रसोइयों को आयुष्मान कार्ड और पेंशन योजना से जोड़ने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी रसोइयों का आयुष्मान कार्ड अति शीघ्र बनाया जाना है। 50 वर्ष से अधिक उम्र के रसोइयों को पेंशन योजना का लाभ मिलना चाहिए।

नव निर्मित शनिदेव मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह संपन्न, उमड़ी भीड़

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

इटकी। प्रखण्ड के डोला सुगदा गांव में बुधवार को नव निर्मित शनि देव मंदिर सह प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा वैदिक मंत्रोंच्चारण के बीच की गई। विद्वान आचार्य सोनू पण्डा के नेतृत्व में मुख्य पुजारी विजय नाथ सिंह और उनकी धर्म पत्नी सविता देवी और अजय नाथ सिंह पत्नी मुन्नी देवी के द्वारा वेदी प्रतिष्ठा, जलाधिवास, पुष्प और फलाधिवास सहित कई अन्य पूजा अनुष्ठान संम्पन्न कराया गया।

इसके बाद वैदिक मंत्रोंच्चारण के साथ नव निर्मित भव्य शनि देव मंदिर के साथ भगवान शनिदेव की प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा विधि विधान के साथ किया गया। इसके बाद महायज्ञ और संध्या आरती के बाद प्रसाद वितरण और भंडरा का आयोजन किया गया। इसके पूर्व मंगलवार को गाजे बाजे के साथ कलश शोभा यात्रा निकाली गई। जिसमें आसपास के दर्जणों गांव के सैकड़ों महिलाओं ने मंदिर स्थल से कतार वद्ध होकर करीब तीन किलो मीटर दुरी तैय कर खंम्भा महादानी स्थल स्थित नदी पहुंचे। जहां मां गंगा की पूजा अर्चना कर कलश में जल उठाकर पुनः शनि देव मंदिर पहुंचे।

विजय नाथ सिंह के निजी भूमि करीब 30 डीसमील पर शनिदेव मंदिर स्थापना कराया गया है। यह शनिदेव मंदिर इटकी, बेड़ो, और लापुंग प्रखण्ड क्षेत्र का एकलौता मंदिर होगा। आचार्य सोनू पंण्डा के अलावे उपाचार्य अरविंद पांडे और गोलक शर्मा द्वारा पूजा अनुष्ठान को संम्पन्न कराया गया। जबकि कार्यक्रम को सफल बनाने में नागेश्वर सिंह, शिवध्यान सिंह, तेजप्रताप सिंह, शिवशंकर सिंह , धर्मनाथ सिंह महिपाल सिंह , दीपक सिंह श्याम सुन्दर ठाकुर आदि का योगदान रहा।

मैट्रिक और इंटर की परीक्षा की तैयारी शुरू डीसी करेंगे सभी प्रिंसिपल के साथ बैठक

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। रामगढ़ जिले में मैट्रिक और इंटर की परीक्षा की तैयारी शुरू हो गई है। 2025 में आयोजित होने वाले परीक्षाओं को सफल बनाने के लिए रामगढ़ डीसी चंदन कुमार ने अभी से ही सभी विद्यालयों के प्राचार्य को दिशा निर्देश देना प्रारंभ कर दिया है।

बुधवार को जिला शिक्षा पदाधिकारी कुमारी नीलम ने सभी विद्यालयों के प्राचार्यों को पत्र लिखकर 30 जनवरी को आयोजित होने वाली बैठक में शामिल होने का निर्देश दिया है।

जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि मैट्रिक की परीक्षा के संचालन के लिए रामगढ़ जिले में 53 केंद्र बनाए गए हैं। उन सभी केंद्राधीक्षकों को मैट्रिक की परीक्षा संचालित करने के लिए निर्देश दिए जाएंगे। इंटरमीडिएट की परीक्षा संचालन के लिए 40 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। सभी परीक्षा केंद्रों पर समुचित व्यवस्था हो और वहां सीसीटीवी कैमरे लगे इस पर विशेष जोर दिया जाएगा।

रामदास सोरेन से मिला शिक्षक संघ का शिष्टमंडल

बुढ़मू। प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ झारखंड का प्रतिनिधिमंडल संघ के महासचिव राजेंद्र प्रसाद महतो के नेतृत्व में बुधवार को स्कूली शिक्षा व साक्षरता विभाग के मंत्री रामदास सोरेन से मिला. प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने मंत्री जी को बताया कि स्कूली शिक्षा व साक्षरता विभाग के प्रधान सचिव ने 11 अक्टूबर 2021 को कार्मिक सुधार व राजभाषा विभाग झारखंड सरकार को पत्र लिखा था और पत्र में कहा गया था कि वित्तरहित शिक्षा नीति को समाप्त कर नियमावली बनाकर सभी वित्तरहित कर्मचारियों को सेवा सरकारी संवर्ग करते हुए वेतनमान देने संबंधी मामले पर प्रशासनिक सुधार आयोग द्वारा कारवाई करने के लिए कहा गया था।

दुर्घटना रोकने के लिए डीटीओ ने किया घाटी और टोल प्लाजा का निरीक्षण

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। चुट्टूपालू घाटी घाटी में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए रामगढ़ डीसी चंदन कुमार ने दिशा निर्देश जारी किया है। इस निर्देश के आलोक में बुधवार को जिला परिवहन पदाधिकारी मनीषा वत्स ने घाटी और पुंदाग टोल प्लाजा का निरीक्षण किया।

चुट्टूपालू घाटी के निरीक्षण के क्रम में डीटीओ ने ब्लैक स्पॉट के रूप में चिन्हित गंडके मोड पर ब्रेक फेल होने की स्थिति में सुरक्षा दृष्टिकोण से बालू के बैग्स रखने का निर्देश दिया। टोल और एनएचएआई के पदाधिकारियों को पर्याप्त संख्या में घाटी में सड़क सुरक्षा एवं दुर्घटना संभावित क्षेत्रों से संबंधित साइनेज बोर्ड लगाने का निर्देश दिया गया। उन्होंने चुट्टूपालू घाटी में सीसीटीवी कैमरा, साइन बोर्ड, स्पीड गति बोर्ड, लाइट आदि का निरीक्षण किया। इस दौरान डीटीओ ने एनएचआई के संबंधित पदाधिकारी को जल्द से जल्द बचे हुए कार्य को पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने पुनदाग टोल प्लाजा पर भारी वाहन चालकों को घाटी में प्रवेश करने के पूर्व एवं घाटी में वाहन संचालन करने के दौरान ध्यान देने योग्य महत्वपूर्ण जानकारियां दी। उन्होंने सभी चालकों को अनिवार्य रूप से सीट बेल्ट लगाने, ट्रैफिक नियमों का पालन करने, वाहन के फिटनेस पर विशेष ध्यान देने सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों को लेकर जागरूक किया।

सड़क सुरक्षा विषय पर छात्रों ने बनाई पेंटिंग, किए गए पुरस्कृत

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। रामगढ़ जिले में सड़क सुरक्षा माह के तहत लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। बुधवार को श्री कृष्ण विद्या मंदिर में छात्रों ने सड़क सुरक्षा विषय पर पेंटिंग बनाई और लोगों को जागरूक किया।

बेहतर पेंटिंग प्रस्तुत करने वाले छात्रों को जिला परिवहन पदाधिकारी मनीषा वत्स ने पुरस्कृत किया। विद्यालय में ट्रैफिक नियमों को लेकर जागरूकता अभियान चलाने के लिए डीटीओ पहुंची थी। यहां उनका स्वागत विद्यालय प्रशासक एसपी सिन्हा ने बुके देकर किया। छात्राओं के जरिये स्वागत गान के बाद सड़क सुरक्षा पर आधारित सामूहिक नृत्य प्रस्तुत कर सभी को यातायात नियमों की जानकारी दी। जिला परिवहन विभाग के जरिये बच्चों के बीच चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित हुई। डीटीओ मनीषा वत्स ने सभी उपस्थित बच्चों, शिक्षकों एवं विद्यालय कर्मचारियों को यातायात नियमों से संबंधित शपथ दिलाई। साथ ही साथ अपने संबोधन में उन्होंने बच्चों के माध्यम से सभी अभिभावकों को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एक छोटा सा प्रयास बड़े हादसों को रोक सकता है। छात्रों को हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने और यातायात संकेतों का पालन करने जैसे बुनियादी नियमों की जानकारी दी।

डीटीओ मनीषा वत्स ने तीन विजेताओं को विभाग की तरफ से पुरस्कार प्रदान किया। चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान रौनक अग्रवाल (कक्षा 12वीं विज्ञान), द्वितीय पुरस्कार राधिका चंदेल (कक्षा नवम) एवं तृतीय पुरस्कार निशु कुमारी (कक्षा नवम) को मिला। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य विजय तिवारी ने मुख्य अतिथि को मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष आनंद अग्रवाल (अधिवक्ता) ने जिला परिवहन विभाग के जरिये आयोजित जीवन की सुरक्षा से संबंधित ऐसे आयोजन के लिए मुख्य अतिथि मनीषा वत्स का आभार प्रकट किया तथा बच्चों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।

देवेंद्रनाथ महतो के प्रयास से मृतक के परिजन को दिया गया साढ़े पांच लाख रुपए

सोनाहातू/राहे। राहे थाना क्षेत्र के बुंडू - राहे सड़क के मांझीडीह गांव के समीप में 26 जनवरी को सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हुई थी। तथा अन्य तीन युवक घायल हुए थे। सोनाहातू थाना क्षेत्र के कुड़ियामु गांव के 25 वर्षीय युवक राजेश महतो का मौत सड़क निर्माण के दौरान पुलिया बनाने के गड्ढे में गिरने से हुई थी। घटना को लेकर ग्रामीणों के साथ जेएलकेएम के वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो ने मुआवजा दिलाने को लेकर आंदोलन किए है। आंदोलन के फलस्वारूप सड़क निर्माण कंपनी ने मृतक के परिजन को मुआवजा राशि ओर अन्य मांग को पूरा करने का वादा किया। मंगलवार देर रात को साढ़े पांच लाख की नगद राशि एवं अन्य शर्तों के साथ आंदोलन को स्थगित किया गया। उक्त मुआवजे की सहयोग राशि स्थानीय जिंतु पंचायत के मुखिया, ग्राम प्रधान एवं निर्वाचित वार्ड सदस्य के मौजूदगी में मृत के पत्नी ममता देवी एवं अन्य घायल जगजीवन महतो, मंटू महतो एवं विकास महतो के परिजनों को दिया गया। साथ ही देवेंद्र नाथ महतो ने उक्त कंपनी को सेफ्टी प्रिकॉशंस के सभी तय मानकों का अनुपालन के साथ ही कार्य करने का बात कही।

खूंटी में 30 हजार लोगों ने ली सड़क सुरक्षा की शपथ

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। सड़क सुरक्षा माह के तहत उपायुक्त लोकेश मिश्रा के निर्देश पर जिले के सभी सरकारी-निजी कार्यालय, विद्यालय, थाना, बैंक एवं अन्य प्रतिष्ठानों में बुधवार को सड़क सुरक्षा शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस दौरान जिले के सभी पदाधिकारी, कर्मचारी, छात्र सहित लगभग 30000 लोगो ने सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने की शपथ ली। इसके साथ ही जिले के हाट-बाजार में नुक्कड़ नाटक का मंचन कर लोगों को यातायात नियम, साइनेज, गुड समारीटन एवं सड़क सुरक्षा से संबंधित अन्य विषयों की जानकारी दी गई। जिले के सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस और एनडी ग्रोवर पब्लिक स्कूल में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस दौरान जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक के जरिये जानकारी दी गई कि सभी लोग सड़क सुरक्षा से संबंधित नियमों का पालन करें एवं सड़क दुर्घटना में यथासंभव कमी लाने का प्रयास करें। दुर्घटना पीड़ित व्यक्ति को समय से सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास करें। सड़क दुर्घटना की सूचना मिलने पर पुलिस अथवा एंबुलेंस हेल्पलाइन को सूचित करें।

सरना समाज के नेता सनिका पाहन को दी गई अंतिम विदाई, सैकड़ों लोगों ने दी श्रद्धांजलि

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। अखिल भारतीय सरना समाज के नेता और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पूर्व जिला कार्यवाह का अंतिम संस्कार बुधवार को उनके पैतृक गांव चम्पाबाहा में किया गया।

तोरपा के विधायक सुदीप गुड़िया, खूंटी के विधायक राम सूर्या मुंडा पूर्व विधायक कोचे मुंडा, बीस सूत्री के उपाध्यक्ष जुबैर अहमद, अरएसएस के डॉ निर्मल सिंह सहित सैकड़ों लोगों ने नम आंखो से उन्हें अंतिम विदाई दी। सानिक पाहन(80) का निधन मंगलवार को रेफरल अस्पताल में इलाज के क्रम में हो गया। वे विगत कई दिनों से बीमार थ। गांव के पास ही कब्र में उनको मिट्टी दी गयी। श्रद्धांजलि देने वालों में जिप सदस्य सुशांति कोनगाडी, मुखिया शिशिर तोपनो, पुष्पा गुड़िया, रौशनी गुड़िया तथा विमला डोडराय, मोजीर अंसारी, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष रूबेन तोपनो, पूरेंद्र मांझी, सुहैल खान, निखिल कंडुलना, ब्रजेन्द्र हेमरोम, जय मंगल गुड़िया, मुरारी गुप्ता, चंद्रशेखर गुप्ता, उदय चौधरी, संतोषी तोपनो आदि शामिल हैं।

मिलन समारोह सह वनभोज कार्यक्रम का आयोजन

सिल्ली। भाजपा सिल्ली मंडल कार्यालय परिसर में बुधवार को भाजपा कार्यकर्ता मिलन समारोह सह वनभोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंडल अध्यक्ष अंबुज रजक ने सभी अतिथियों एवं कार्यकताओं का स्वागत किया। कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष सह प्रदेश कार्य समिति के सदस्य जैलेंद्र कुमार मुख्य के रूप से शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने संगठन को मजबूत करने के लिए सदस्यता अभियान के लक्ष्य को तीन दिनों में पूरा करने की रणनीति बनायी। इसके लिए कार्यकताओं जिम्मेदारी देते हुए आवश्यक दिशा निर्देश भी दिया गया। इस मौके पर प्रो ललित प्रसाद महतो,राजेंद्र प्रसाद साय, कर्ण महतो, हरिहर महतो, विश्वनाथ महतो, चितरंजन मंडल, शिबू हजाम, रविन्द्र साहू, सुधीर साहू, परशुराम राम महतो, श्रीपद महली, सुखराम बेदिया, अमित बेदिया, चंदन गोस्वामी आदि उपस्थित थे।

विशेष प्रशिक्षण का समापन, लाभार्थियों को दी गई वित्तीय सहायता

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। बैंक ऑफ इंडिया आरसेटी खूंटी मे फूलो झानो आशीर्वाद योजना के लाभार्थियो के विशेष प्रशिक्षण का समापन बुधवार को हो गया।

सरकार की महत्वाकांक्षी फूलो झानो आशीर्वाद योजना के लाभार्थियो को मुख्य धारा से जोड़ने के लिए 50 हजार रुपये की वित्तीय सहायता के साथ प्रशिक्षण भी दिया जा रहा था, ताकि लाभार्थी प्रशिक्षण लेकर अपना व्यवसाय शुरू करें और उद्यमी बन सकें। बैंक ऑफ इंडिया के जरिये संचालित आरसेटी में खूंटी जिले के विभिन्न प्रखंडों से आये 60 प्रशिक्षुओं को दो बैच मे बकरी पालन और व्यवसायिक बागवानी का प्रशिक्षण का समापन बुधवार को हो गया। समापन समारोह मे आरसेटी के निदेशक मिथिलेश कुमार ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान बकरी पालन तथा बागवानी के विषय मे विस्तार से जानकारी दी गयी है। साथ ही बैंक तथा सभी सरकारी स्कीम का लाभ कैसे लें, इसके बारे में लाभार्थियो को बताया गया। फूलो झानो आशीर्वाद योजना के लाभार्थी इस प्रशिक्षण से खुश नजर आये। सभी को सरकारी बीमा योजना से जोड़ा गया है। निदेशक ने खूंटी के सभी लोगो से अपील की कि आप सभी आरसेटी का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाए। आरसेटी में सभी तरह का प्रशिक्षण बिलकुल मुफ्त दिया जाता है।

उन्होंने कहा कि 18-25 साल के खूंटी जिले का कोई भी व्यक्ति आरसेटी से प्रशिक्षण लेकर अपना व्यवसाय कर सकता है। संस्था व्यवसाय के लिए प्रशिक्षण के पश्चात विभिन्न सरकारी बैंकों से लोन भी दिलाता है। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में एलडीएम खूंटी ऋषिकेश कुमार उपस्थित थे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि जिले में बकरी पालन तथा बागवानी में बहुत गुंजाइश है और यहां के किसान बहुत तरह का व्यवसाय कर अपने आपको सुदृढ़ कर रहे हैं। यहां ड्रैगन फ्रूट, स्ट्रॉबेरी, आम, अमरुद की खेती कर किसान न सिर्फ अच्छी आमदनी कर रहे है, बल्कि खूंटी जिले का नाम भी रौशन कर रहे हैं। उन्होंने हौसला अफजाई करते हुए उनको व्यवसाय में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया और सभी को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने में संकाय सुशील कुमार, संकाय संजय कुमार, सहायक सतनाम कंडुलना, सहायक निर्मल कुमार हेमरोम तथा परिचर जितेन्द्र महतो ने योगदान दिया।

महाकुंभ की धर्म संसद में धर्मांतरण पर व्याख्यान देंगी खूंटी की प्रिया मुंडा

खूंटी। खूंटी की प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता और बिरसा वाहिनी फाउंडेशन की संस्थापक सह राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रिया मुंडा को प्रयागराज में चल रहे महाकुम्भ में आयोजित धर्म संसद में विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। प्रिया मुंडा इस संसद में देशभर में चल रहे धर्मांतरण के ज्वलंत मुद्दे पर अपना व्याख्यान देंगी। इस अवसर पर प्रिया मुंडा ने कहा कि इतने बड़े मंच पर आदिवासी समाज की सबसे बड़ी समस्या को रखने का अवसर मिलना सचमुच खूंटी एवं झारखंड के लिए गौरव की बात है। उन्होंने यह सम्मान खूंटी की जनता को समर्पित करते हुए इस आमंत्रण के लिए जगद्गुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का आभार प्रगट किया है।

संक्षिप्त

विधायक सीपी सिंह के खिलाफ चार्जशीट दाखिल

रांची। विधानसभा के दौरान आदर्श आचार संहिता उल्लंघन मामले में पूर्व मंत्री सह विधायक सीपी सिंह के खिलाफ बुधवार को चार्जशीट दाखिल की गयी। चार्जशीट सीजेएम चंदन की अदालत में दाखिल की गयी है। हिंदपीढ़ी पुलिस ने चार्जशीट में कहा कि प्रथम दृष्टया विधायक सीपी सिंह पर लगाया आरोप सही पाया गया है। उनके खिलाफ सहायक निवार्ची पदाधिकारी के बयान पर हिंदपीढ़ी थाना में मामला दर्ज किया गया था। चार्जशीट में कहा गया है कि प्राथमिकी दर्ज कराने के दौरान फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी भी करायी गयी थी। चार्जशीट में कहा गया है कि हिंदपीढ़ी थाना क्षेत्र में भाजपा का बैनर और पोस्टर कई जगह सरकारी बिजली के खंभे में लगे थे। इस संबंध में सीपी सिंह से पूछताछ की गयी, तो उन्होंने पुलिस को बताया था कि अति उत्साह में कार्यकताओं ने बैनर और पोस्टर लगा दिया था। जमानतीय धारा होने से उन्हें थाना से ही जमानत दे दी गयी थी। इधर, चार्जशीट दाखिल होने बाद अदालत मामले में संज्ञान लेकर केस को एमपी-एमएलए कोर्ट को ट्रांसफर कर सकती है।

ई-मेडिक्स स्मार्ट फार्मेसी का नया स्टोर खुला

रांची। रांची के बरियातू क्षेत्र में ई-मेडिक्स स्मार्ट फामेर्सी का नया स्टोर 29 जनवरी को खुला। इसका उद्घाटन वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अशोक कुमार वैद्य ने किया। नए स्टोर के फ्रेंचाइजी मालिक डॉ. प्रदीप हैं। उद्घाटन समारोह में डॉ. प्रमोद, रामाशीष सिंह, डॉ. प्रभात रंजन, डॉ. प्रवीण प्रसाद और डॉ. रिया भी मौजूद थे।

महुआ के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन मामले में चार्जशीट दाखिल

रांची : राज्यसभा सांसद महुआ माजी के खिलाफ चुनाव आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन से जुड़े मामले में जांच अधिकारी ने अपनी जांच पूरी कर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी चंदन की अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी है। अदालत ने इस पर संज्ञान लेते हुए 15 फरवरी की तारीख उपस्थिति के लिए निर्धारित की है। चार्जशीट में आरोप प्रथम दृष्ट्या सही पाए गए हैं। मामला विधानसभा चुनाव के दौरान सरकारी बिजली खंभों पर महुआ माजी के बैनर और पोस्टर लगाने से जुड़ा है। इस संबंध में हिंदपीढ़ी थाने में कांड संख्या 122/2024 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामले में पुलिस ने महुआ माजी से पूछताछ की थी, जिसके बाद थाने से ही उन्हें जमानत दे दी गई थी।

पत्रिका उप समिति की हुई बैठक

रांची : झारखण्ड चैंबर ऑफ कॉमर्स के पत्रिका उप समिति की बैठक आज चैंबर भवन में हुई। बैठक में पत्रिका के प्रकाशन की तैयारी की समीक्षा के साथ ही आगामी संस्करण के प्रकाशन पर भी चर्चा हुई। उप समिति चेयरमैन मुकेश अग्रवाल ने कहा कि सदस्यों के सुझाव के अनुरूप पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। पत्रिका में चैंबर की गतिविधियों, प्रमंडलीय समस्याएं, फेडरेशन की भावी योजनाओं का सारांश और स्टेकहोल्डर्स से जुडे सरकार की नीति, पॉलिसी और नोटिसों का उल्लेख बुलेटिन में प्रमुखता से किया जायेगा। इससे हमारे सदस्य व्यापार जगत की गतिविधियों से अपडेट रहेंगे। बैठक के दौरान बुलेटिन में प्रकाशन हेतु कंटेंट की समीक्षा के साथ ही विज्ञापनों की बुकिंग भी ली गई। चर्चाओं के क्रम में फरवरी के प्रथम सप्ताह में चैम्बर के इस सत्र की पहली पत्रिका का विमोचन करने का निर्णय लिया गया। स्टेकहोल्डर्स से जुड़े मुद्दों पर पत्रिका में आर्टिकल के प्रकाशन हेतु इच्छुक विशेषज्ञों से उप समिति द्वारा आर्टिकल प्रेषित करने की भी अपील की गई। बैठक में चैंबर उपाध्यक्ष ज्योति कुमारी, पत्रिका उप समिति के चेयरमेन एवं संपादक मुकेश कुमार अग्रवाल, सह संपादक प्रमोद सारस्वत, सदस्य मनोज मिश्रा, अल्तमस आलम और अन्य सदस्य उपस्थित थे। उक्त जानकारी प्रवक्ता सुनील सरावगी ने दी।

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने किया अरगोड़ा अंचल कार्यालय का औचक निरीक्षण

सरकारी जमीन की खरीद-बिक्री पर नजर रखने का निर्देश

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। रांची उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने अरगोड़ा अंचल कार्यालय से हाजिरी बनाकर गायब रहनेवाले बड़ा बाबू और लिपिक के एक दिन का वेतन काटने और शो-कॉज का निर्देश दिया है। उपायुक्तक के 29 जनवरी, 2024 को संध्या समय औचक निरीक्षण के दौरान दोनों अनुपस्थित पाये गये। कार्यालय में उपस्थित कर्मियों की उपस्थिति पंजी और बायोमेट्रिक उपस्थिति की जांच के दौरान बड़ा बाबू अश्विनी कुमार श्रीवास्तव और लिपिक अनीता कुमारी की हाजिरी बनी हुई थी, लेकिन दोनों गायब थे।

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने इसे गंभीरता से लेते हुए दोनों के एक दिन का वेतन काटने और शो-कॉज करने को कहा। उन्होंने कहा कि सभी कर्मचारी कार्यालय समय से आएं। बायोमेट्रिक हाजिरी बनाना सुनिश्चित करें। आवेदन स्वीकृति के पश्चात ही अवकाश पर जाएं।

उपायुक्त ने अंचल अधिकारी सुमन कुमार सौरभ से दाखिल-खारिज के लंबित मामलों की जानकारी ली। सीओ द्वारा बताया गया कि सूची अनुसार 10 डिसिमल तक के

हाजिरी बनाकर गायब रहने वाले बड़ा बाबू और लिपिक का वेतन काटने का निर्देश

म्यूटेशन के मामलों का शत-प्रतिशत वेरिफिकेशन सीआई और कर्मचारी स्तर से हो चुका है। उपायुक्त द्वारा आगामी रविवार को कैम्प लगाकर वेरिफाइड मामलों के निष्पादन का निर्देश गया। उन्होंने परिशोधन पोर्टल के कार्य में तेजी लाने के भी निर्देश दिये।

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा अंचल कार्यालय के पदाधिकारियों/कर्मियों से सरकारी जमीन की खरीद-बिक्री पर पैनी नजर रखने को कहा। उपायुक्त ने राज्य या केन्द्र सरकार की जमीन की खरीद-बिक्री पर फौरन एक्शन लेने के निर्देश दिये।

उपायुक्त ने कहा कि अंचल कार्यालय में बिचौलियें दिखते हैं तो फौरन नजदीकी थाना को बतायें। उपायुक्त ने आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि बिचौलियों की जानकारी अबुआ साथी (9430328080) पर दें। जन शिकायत के लिए जिला प्रशासन के व्हाट्सएप नंबर पर चौबीस घंटे सतत निगरानी होती है। प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई होती है। उपायुक्त द्वारा अंचल कार्यालय परिसर का भी भ्रमण किया गया। उन्होंने अंचल अधिकारी को कार्यालय के आधारभूत संरचना को और सुदृढ़ बनाने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने सभी अंचल कर्मियों को दक्षता-पूर्वक और पूरी पारदर्शिता के साथ जन कर्तव्यों का निर्वहन करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि कार्यालय को अपने घर जैसा समझें और उचित साफ-सफाई रखें।

सदर अस्पताल में दवाइयों के स्टॉक डिस्प्ले बोर्ड में लगाने के निर्देश

रांची। उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजंत्री ने देर शाम सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण 29 जनवरी को किया। उन्होंने इमरजेंसी, ओपीडी, सीसीयू, कार्डियो, कैंटीन, फामेर्सी, साफ-सफाई सहित अस्पताल में मरीजों को दी जाने वाली विभिन्न चिकित्सकीय सुविधाओं का जायजा लि?या। अस्पताल उपाधीक्षक, चिकित्सकों एवं कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

एक्टिव होगा लैब इन्फॉर्मेशन सिस्टम : सदर अस्पताल में डायग्नोस्टिक और रेडियोलॉजिस्ट की कमी पर उपायुक्त ने कहा कि अस्पताल की आधारभूत संरचना और बेहतर कैसे हो इसके लिए डिस्ट्रिक हेल्थ सोसायटी की बैठक में रुपरेखा तय की जायेगी। अस्पताल उपाधीक्षक द्वारा बताया गया कि डायग्नोस्टिक के लिए अस्पताल में लैब इन्फॉर्मेशन सिस्टम जल्द ही एक्टिव होगा, फिलहाल ये ट्रायल फेज में है। इसके एक्टिव होने के बाद वार्ड और मरीज के मोबाइल नंबर पर जांच रिपोर्ट उपलब्ध हो सकेगा।

मरीजों को मोबाइल पर मिलेगी जांच रिपोर्ट

वार्ड में मरीजों से की बातचीत : श्री भजन्त्री ने सीसीयू और कार्डियो में इलाजरत मरीजों से बातचीत भी की। उन्होंने मरीजों से चिकित्सकीय सुविधाएं, साफ-सफाई एवं कैंटीन सर्विस की जानकारी ली। मरीजों ने अस्पताल में मिलनेवाली सुविधाओं पर संतुष्टि जतायी। कई मरीज दूसरे जिलों से इलाज के लिए सदर अस्पताल रांची आये थे। उनके द्वारा भी यहां की व्यवस्था को बेहतर बताया गया। उपायुक्त ने अस्पताल कर्मियों को इसी सेवा भाव से कार्य करने के निर्देश दिये।

मरीज को अस्पताल में नहीं मिली दवा : निरीक्षण के दौरान श्री भजन्त्री से इलाज के लिए अस्पताल आये मरीज बताया कि उसे एक दवा बाहर से लाना पड़ा। इस पर उन्होंने तत्काल उपाधीक्षक से जानकारी लेते हुए दवा की अनुपलब्धता के संबंध में रिपोर्ट देने का निर्देश दिया।

जीवनरक्षक दवाइयों को हर हाल में रखें : उपायुक्त ने अस्पताल में जीवनरक्षक दवाइयों को हर हाल में उपलब्ध रखने का निर्देश उपाधीक्षक को दिया गया। उन्होंने कहा कि अस्पताल में जो दवाईयां उपलब्ध है, उसे डिस्प्ले बोर्ड में प्रदर्शित करें। अस्पताल फॉमेर्सी में कर्मचारियों को भी उन्होंने आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

एसबीयू : सॉफ्ट स्किल पर दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। महादेवी बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड क्लीनिकल टेक्नोलॉजी (सरला बिरला विश्वविद्यालय) के तत्वावधान में विवि प्रेक्षागृह में सॉफ्ट स्किल पर दो दिवसीय कार्यशाला का 29 जनवरी को शुभारंभ हुआ। एसबीयू के महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक, कुलपति प्रो. सी. जगनाथन, कुलसचिव प्रो. विजय कुमार सिंह, प्राचार्या डॉ. सुबानी बाड़ा, संस्थान के प्रशासक आशुतोष द्विवेदी और उप प्राचार्या मीनल श्वेता ने संयुक्त रूप से कार्यशाला का उदघाटन किया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में प्रो. गोपाल पाठक ने पुरातन काल के साथ ही नए युग में भी सॉफ्ट स्किल की उपयोगिता की चर्चा की। उन्होंने पर्सनैलिटी डेवलपमेंट में सॉफ्ट स्किल की अपरिहार्यता पर प्रकाश डाला।

सेवा कार्य में भी इसकी उपयोगिता पर उन्होंने बात की। प्रो. सी. जगनाथन ने अपने विदेश दौरे के दौरान इसकी उपयोगिता के संस्मरण उपस्थित श्रोताओं के साथ साझा किया।

अलग-अलग संस्कृति के लोगों को एक दूसरे का सम्मान करने की भी उन्होंने सलाह दी। व्यक्तित्व विकास के लिए सॉफ्ट स्किल को उन्होंने आधार करार दिया।

इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. विजय कुमार सिंह ने नई तकनीक और वैश्विक संपर्क के लिए सॉफ्ट स्किल की आवश्यकता पर बल दिया। प्राचार्या डॉ. सुभानी बाड़ा ने दैनिक जीवन में इसकी जरूरत बतायी। आपसी संपर्क के क्षेत्र में भी उन्होंने उसकी जरूरत को रेखांकित किया।

कार्यशाला के द्वितीय सत्र में प्रो. राजन तिवारी, प्रो. मानोशी रॉय, डॉ. संजीव श्रीवास्तव और सुश्री नम्रता सिंह ने विभिन्न विषयों पर अपना वक्तव्य रखा। इस अवसर पर श्रीमती जे. तनुश्री सेनगुप्ता ने इमोशनल इंटेलीजेंस पर प्रतिभागियों के समक्ष अपना विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में स्वागत मीनल श्वेता और धन्यवाद आशुतोष द्विवेदी ने किया। कार्यशाला के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बिजय कुमार दलान समेत राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप वर्मा ने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की।

भारत के शीर्ष 50 सर्वश्रेष्ठ कार्यस्थलों में कोल इंडिया का नाम शामिल

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। कोल इंडिया लिमिटेड को भारत के शीर्ष 50 सर्वश्रेष्ठ कार्यस्थलों में शामिल होने का गौरव हासिल हुआ है। नामचीन संस्था 'ग्रेट प्लेस टू वर्क' द्वारा 2025 में विनिर्माण क्षेत्र की 347 संस्थाओं की कार्यपद्धति के व्यापक सर्वे के पश्चात कोल इंडिया को इस सम्मान से नवाजा गया है। यह प्रतिष्ठित मान्यता अपने कर्मियों के लिए एक सहायक और सशक्त वातावरण प्रदान करते हुए विश्वास, गर्व और सौहार्द की संस्कृति को विकसित करने की कोल इंडिया की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

गौरतलब है कि एक समावेशी और टिकाऊ संगठन बनाने की प्रतिबद्धता के लिए कोल इंडिया को पहले ही 'ग्रेट प्लेस टू वर्क' की मान्यता मिल चुकी है।

कोल इंडिया, भारत सरकार के कोयला मंत्रालय के अंतर्गत एक महारत्न कंपनी है। दुनिया की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक कंपनी के रूप में कोल इंडिया भारत की 80% से अधिक घरेलू कोयला मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। परिचालन उत्कृष्टता, कर्मचारी कल्याण और पर्यावरणीय स्थिरता को मजबूती से आगे बढ़ाते हुए, कोल इंडिया भारत के ऊर्जा क्षेत्र और आर्थिक विकास में एक अग्रणी संस्थान की भूमिका निभा रही है।

अहिल्याबाई होलकर नारी शक्ति, न्याय व जनकल्याण की अप्रतिम प्रतीक : राज्यपाल

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होलकर नारी शक्ति, न्याय और जनकल्याण की अप्रतिम प्रतीक है। उन्होंने कहा कि वे केवल एक कुशल प्रशासिका ही नहीं, बल्कि सेवा, त्याग और परोपकार की प्रतिमूर्ति थीं। राज्यपाल बुधवार को राष्ट्र सेविका समिति और रांची विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आर्यभट्ट सभागार में आयोजित 'लोकमाता अहिल्याबाई होलकर त्रिशताब्दी जयंती समारोह' के अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि शिक्षा, कला, संस्कृति और धर्म के संरक्षण के लिए उन्होंने अनुकरणीय कार्य किए। उनकी शासन-व्यवस्था पूर्णतः प्रजा के हितों पर केंद्रित थी, जिससे समाज को नई दिशा प्रदान की। राज्यपाल ने काशी विश्वनाथ मंदिर एवं अन्य धार्मिक स्थलों के पुनर्निर्माण में लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के ऐतिहासिक योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जब हम 'आत्मनिर्भर भारत' और 'विकसित भारत' की ओर अग्रसर हैं, तब अहिल्याबाई जैसी महान विभूतियों के योगदान से हमें नई प्रेरणा मिलती है।

राज्यपाल ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई का जीवन न केवल प्रशासनिक दक्षता, बल्कि परोपकार और नारी सशक्तिकरण का भी सर्वोत्तम उदाहरण है। उन्होंने इस समारोह के आयोजन के लिए राष्ट्र सेविका समिति एवं रांची विश्वविद्यालय को बधाई देते हुए विश्वास प्रकट किया कि यह प्रयास लोकमाता अहिल्याबाई की प्रेरणादायी गाथा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में सहायक सिद्ध होगा। मौके पर कई लोग मौजूद थे।

सिडबी और जेसिया में समझौता ज्ञापन पर हुए हस्ताक्षर

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। सिडबी ने बैंक के व्यवसाय सदस्य संगठनों की क्षमता निर्माण कार्यक्रम योजना के तहत झारखंड स्मॉल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (जेसिया) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर 29 जनवरी को हस्ताक्षर किए। एमओयू पर जेसिया के अध्यक्ष अंजय पचेरीवाला और सहायक महाप्रबंधक (सिडबी, रांची) मुकुल पी. एक्का ने हस्ताक्षर किए।

जेसिया के साथ सिडबी का एमओयू राज्य में एमएसएमई को क्षमता निर्माण के माध्यम से समर्थन देने और सभी हितधारकों के लाभ के लिए यह साझेदारी मॉडल सिडबी के प्रयासों का हिस्सा है। एमओयू कार्यक्रम में एमएसएमई के कई प्रतिनिधि उपस्थित थे।

एमओयू के बाद एमएसएमई के साथ एक चर्चा सत्र आयोजित की गई। विभिन्न डिजिटल पहलों और हरित वित्त उत्पादों पर जोर देने के साथ सिडबी के प्रत्यक्ष ऋण उत्पादों के बारे में जानकारी दर्शकों तक पहुंचाई गई। राज्य में एमएसएमई को वित्तपोषित करने के अलावा, आर्थिक रूप से वंचितों को सशक्त बनाने के लिए सिडबी की कई प्रभाव-उन्मुख पहलों के बारे में भी जानकारी दी गई।

इस अवसर पर श्रीमती अनुभा प्रसाद (महाप्रबंधक, सिडबी पटना क्षेत्रीय कार्यालय), जेसिया के अध्यक्ष अंजय पचेरीवाला, सचिव शिवम सिंह सहित उद्योग जगत के गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

राज्य में निर्माणाधीन 19 कोल्ड स्टोरेज का कार्य समय पर हो पूरा : शिल्पी नेहा

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने विभाग से जुड़े भवनों के निर्माण कार्य में गुणवत्ता पर जोर देने का निर्देश दिया है। नेपाल हाउस में भवन निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ बुधवार को बैठक के दौरान मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने राज्य में निमार्णाधीन 19 कोल्ड स्टोरेज का कार्य समय सीमा के अंदर पूर्ण करने को कहा है। बैठक के दौरान इस बात पर जोर दिया गया कि नये भवन के निर्माण कार्य के साथ- साथ पहले से बन कर तैयार भवन का भी रख रखाव जरूरी है। खासकर कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग से जुड़े लैंप-पैक्स के लिए ये निर्देश ज्यादा जरूरी है। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि कृषि उत्पाद के स्टोरेज से जुड़े भवनों का निर्माण कार्य तय समय सीमा के अंदर होनी चाहिए। राज्य में जर्जर लैंप-पैक्स के स्थान पर नये भवन का निर्माण समय की आवश्यकता है। राज्य में निमार्णाधीन 19 कोल्ड स्टोरेज के साथ-साथ छोटे कोल्ड स्टोरेज की भी समीक्षा की गई। राज्य में पर्याप्त संख्या में कोल्ड स्टोरेज नहीं होने से कृषि उत्पाद , फल , सब्जी के रख रखाव में किसानों को परेशानी हो रही है। ऐसे कोल्ड स्टोरेज के निर्माण के क्रम में गुणवत्ता पर सबसे ज्यादा जोर देने का निर्देश दिया गया है।

सरकार जनजातीय संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है : चमरा

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने कहा कि सरकार, झारखंड की जनजातीय संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है। झारखंड की जनजातीय कला और संस्कृति को संजोने और जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के गौरवशाली इतिहास को चित्रों के माध्यम से प्रदर्शित करने के उद्देश्य से ही राज्य-स्तरीय जनजातीय चित्रकार शिविर का आयोजन किया जा रहा है। वह बुधवार को डॉ. राम दयाल मुंडा जनजातीय कल्याण शोध संस्थान परिसर, मोराबादी, रांची में राज्य-स्तरीय जनजातीय चित्रकार शिविर का उद्घाटन कर रहे थे । यह ऐतिहासिक आयोजन जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार एवं झारखंड सरकार के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है।

मंत्री ने कहा कि झारखंड के जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों का संघर्ष हमारी अस्मिता और प्रेरणा का प्रतीक है। उनकी शौर्यगाथा को कला के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाना बेहद आवश्यक है। इस चित्रकार शिविर के माध्यम से हमें उन वीर सेनानियों की वीरता को पुनः जीवंत करने का अवसर मिला है।

साथ ही झारखंड का जनजातीय समाज हमेशा से अपनी कला, संस्कृति और संघर्षशीलता के लिए जाना जाता है। यहां के कलाकारों की प्रतिभा अद्भुत है और यह शिविर उन कलाकारों को एक मंच प्रदान करेगा जिससे, वे अपनी कला के माध्यम से इतिहास को संजो सकें।

इस वर्ष धरती आबा बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती का ऐतिहासिक उत्सव मनाया जा रहा है। इस उपलक्ष्य में झारखंड के वीर जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के चित्रांकन के लिए यह चार दिवसीय जनजातीय चित्रकार शिविर (29 जनवरी से 1 फरवरी 2025) आयोजित किया गया है। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य झारखंड की वीरभूमि से जुड़े जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों जैसे बिरसा मुंडा, सिद्धू-कान्हू, चांद-भैरव, तिलका मांझी, वीर बुधु भगत, नीलांबर-पीतांबर सहित अन्य अमर योद्धाओं के संघर्ष और योगदान को चित्रों के माध्यम से जीवंत करना है।

इस शिविर में झारखंड के कोने-कोने से आए वरिष्ठ एवं युवा जनजातीय चित्रकार हिस्सा ले रहे हैं। प्रतिभागी कलाकार अपने चित्रों के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों की गाथाओं को जीवंत रूप देंगे। चित्रकला की विभिन्न शैलियों, जैसे सोहराई, कोहबर, पिठौरा, गोंड, वारली और अन्य जनजातीय कला रूपों का प्रयोग किया जाएगा, जिससे झारखंड की समृद्ध कला परंपरा को भी बल मिलेगा। शिविर के अंत में सभी चित्रों को एक विशेष प्रदर्शनी के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा, जिसमें झारखंड के स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े चित्रों को प्रदर्शित किया जाएगा। इन चित्रों को झारखंड के विभिन्न सरकारी कार्यालयों, संग्रहालयों और सार्वजनिक स्थलों पर स्थापित करने की योजना बनाई जा रही है, जिससे आने वाली पीढ़ियां अपने इतिहास से अवगत हो सकें।

लिंडा ने यह भी घोषणा की, कि झारखंड सरकार राज्य के जनजातीय कलाकारों को हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य के जनजातीय कलाकारों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए सरकार कई योजनाओं पर कार्य कर रही है।

इस आयोजन को लेकर जनजातीय समाज में विशेष उत्साह देखने को मिला। कई समुदायों के प्रतिनिधि, कलाकार, शोधार्थी और विद्यार्थी भी इस शिविर में शामिल हुए। सभी ने इस प्रयास की सराहना की और कहा कि झारखंड की गौरवशाली परंपरा को नई पहचान देने में यह आयोजन मील का पत्थर साबित होगा।

यह चार दिवसीय शिविर एक फरवरी 2025 को संपन्न होगा। समापन समारोह में सर्वश्रेष्ठ चित्रकारों को विशेष सम्मान और पुरस्कृत किया जाएगा। साथ ही, झारखंड सरकार के जरिये इन चित्रों को आधिकारिक रूप से संरक्षित करने की योजना भी बनाई गई है।

धरती आबा बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित यह राज्य-स्तरीय जनजातीय चित्रकार शिविर झारखंड के स्वतंत्रता सेनानियों की गाथाओं को एक नई पहचान देगा। यह न केवल झारखंड की सांस्कृतिक विरासत को संजोने का कार्य करेगा, बल्कि जनजातीय चित्रकारों को भी एक नया मंच प्रदान करेगा। जनजातीय समाज की अमूल्य धरोहर को सहेजने के लिए इस तरह के आयोजन भविष्य में भी होते रहेंगे।

संक्षिप्त

नगर पंचायत ने चलाया अभियान, सड़क से हटायी अवैध निर्माण सामग्री

लातेहार : राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत जिला परिवहन विभाग और नगर पंचायत द्वारा सड़कों पर अवैध रूप से रखी निर्माण सामग्री को हटाने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। बुधवार को नगर पंचायत की टीम ने शहर की विभिन्न सड़कों पर पड़े छरी, बालू और अन्य निर्माण सामग्रियों को हटाया और संबंधित मालिकों से जुमार्ना वसूला। इस सम्बन्ध में नगर प्रशासक राजीव रंजन ने बताया कि 01 जनवरी से राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है। इसके तहत जिला परिवहन विभाग द्वारा विभिन्न जागरूकता अभियान और कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि सड़कों पर बालू, छरी और अन्य निर्माण सामग्री रखने से न केवल यातायात बाधित होता है, बल्कि दुर्घटनाओं की संभावना भी बढ़ जाती है। खास कर मोटरसाइकिल चालकों फिसलने का खतरा रहता है, जिससे गंभीर हादसे हो सकते हैं। वहीं नगर प्रशासक ने सभी नागरिकों से अपील की कि वे सड़कों पर किसी भी प्रकार की निर्माण सामग्री न रखें। यदि जांच के दौरान अवैध रूप से ईंट, बालू या छरी पायी गयी, तो नगरपालिका अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

उर्दू प्राथमिक विद्यालय में 24 बच्चों को मिली पोशाक

कटकमसांडी : बुधवार को प्रखंड मुख्यालय अवस्थित उर्दू प्राथमिक विद्यालय लखनू में पहली व दूसरी कक्षा के अध्ययनरत 24 बच्चों के बीच पोशाक वितरण किया गया। पोशाक पाकर बच्चे उत्साहित दिखे। इस मौके पर प्रधानाध्यापक मो. इकरामुद्दीन अंसारी ने बच्चों को ड्रेस पहनकर विद्यालय आने को लेकर प्रोत्साहित किया। साथ ही, मौजूद अभिभावकों को बताया कि सरकार बच्चों के पठन पाठन के लिए हर सुविधा उपलब्ध कराने को कटिबद्ध है। आप सब अपने बच्चों को नियमित स्कूल भेजने की कोशिश करें। मौके पर शिक्षिका शगुफ्ता नाज, रेहाना, इमराना व एसएमसी के अध्यक्ष व सदस्यगण उपस्थित थे।

राजस्व, निबंधन व भूमि सुधार विभाग ने पत्र के माध्यम से जारी किया स्थानांतरण

विष्णुगढ़ : राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग की ओर से सरकार के उप सचिव रामेश्वर लेयांगी ने 28 जनवरी 2025 को संचिका संख्या-1मु०स्था०-10/2023 पत्र जारी कर अंचल कार्यालयों में बाहरी स्रोत से कार्यरत डाटा इंट्री ऑपरेटर/कम्प्यूटर ऑपरेटर का स्थानांतरण करने के संबंध में निर्देश दिया है। पत्र के माध्यम से जारी किया गया कि दिनांक 19 दिसंबर 2024 उप निदेशक, भू-अर्जन, भू-अभिलेख एवं परिमाप निदेशालय एवं एनआईसी के साथ हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि राजस्व कार्यों के पारदर्शिता के साथ ससमय निष्पादन हेतु आवश्यक है कि अंचल कार्यालयों में बाहरी स्रोत से कार्यरत डाटा इंट्री ऑपरेटर/कम्प्यूटर ऑपरेटर का स्थानांतरण रोटेशन आधार पर जिलान्तर्गत एक अंचल से दूसरे अंचल में स्थानांतरण किया जाए। प्रशासनिक दृष्टिकोण से भी यह आवश्यक है कि समय-समय पर बाहरी स्रोत के माध्यम से अंचल कार्यालयों में बाहरी स्रोत से कार्यरत डाटा इंट्री ऑपरेटर/कम्प्यूटर ऑपरेटर का स्थानांतरण किया जाए।

जिला स्तरीय वनाधिकार समिति की बैठक सम्पन्न, एक दावा अनुमोदित

लातेहार : उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में बुधवार को जिला स्तरीय वनाधिकार समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में परियोजना निदेशक आईटीडीए प्रवीण कुमार गगराई ने विभिन्न विकास योजनाओं हेतु वनाधिकार अधिनियम के तहत अनापत्ति प्रमाण पत्र के प्रस्ताव एवं सामुदायिक वन पट्टा के दो प्रस्ताव समिति के समक्ष प्रस्तुत किये। बैठक में विचार-विमर्श के उपरांत एक सामुदायिक दावा प्रस्ताव को अनुमोदित किया गया, जबकि अन्य प्रस्तावों को जांच हेतु एफआरसी कमेटी को भेजने का निर्देश दिया गया।

रतन गोराई हत्याकांड का हुआ खुलासा

पत्नी ने ही 6000 में दी थी हत्या की सुपारी, आरोपी गिरफ्तार

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

सरायकेला। आदित्यपुर पुलिस ने रतन गोराई हत्याकांड का सनसनीखेज खुलासा किया है। मृतक की पत्नी मेनका गोराई और उसके प्रेमी राजू डे और उसके दोस्त ने मिलकर की थी हत्या। रतन गोराई उनकी बीच रोड़ा बन रहा था, इसलिए उसे रास्ते से हटाने के लिए छह हजार रुपये में हत्या की योजना बनाई थी।

रतन गोराई, जो प्लास्टिक प्रीमियम कंपनी में कार्यरत था, 25 जनवरी की शाम से लापता था। कुछ दिन बाद उसका शव भाटिया बस्ती के ओवरब्रिज के नीचे नाले से बरामद हुआ था। उसके शरीर पर चाकू से कई वार किए गए थे, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि हत्या की गई थी। परिजनों की शिकायत पर आदित्यपुर थाना में मामला दर्ज किया गया था।

पुलिस ने इस हत्याकांड में मृतक की पत्नी मेनका गोराई, उसके प्रेमी राजू डे (पिता-अनिल डे, चंपाई नगर, आदित्यपुर) और पीएचईडी कॉलोनी निवासी राहुल तिवारी उर्फ गोलू (पिता-उमेश तिवारी) को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों को जेल भेज दिया है।

सरायकेला के एसडीपीओ समीर सवैया ने आदित्यपुर थाना में बताया कि मृतक का मानसिक उपचार चल रहा था। उसकी पत्नी मेनका गोराई का राजू डे के साथ अवैध संबंध था। इससे पहले भी उसने फुटबॉल मैदान टुसू मेला, चाँदनी चौक और अन्य स्थानों पर पति की हत्या की योजना बनाई थी, लेकिन हर बार वह असफल रही।

इस हत्याकांड के उद्भेदन में सरायकेला एसडीपीओ के नेतृत्व में गठित टीम ने अहम भूमिका निभाई। टीम में आदित्यपुर थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह, पुलिस अवर निरीक्षक रविकांत पराशर, सुरेश राम, विनोद टुडू, सुधांशु कुमार, सहायक अवर निरीक्षक शमा सुसरी लकड़ा, महिला आरक्षी जाही मुर्मू, आरक्षी नीतिश कुमार पांडेय और शिवशंकर दास सहित सशस्त्र पुलिस बल शामिल थे।

+2 उच्च विद्यालय में लिट्रेसी क्लास सह जागरुकता शिविर का आयोजन

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

गढ़वा। राजकीयकृत शहीदेव +2 उच्च विद्यालय, खरौंधा में लिट्रेसी क्लास सह सशक्तीकरण जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। नालसा एवं झालसा के निर्देश पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायधीश सह अध्यक्ष नलिन कुमार व जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गढ़वा के सचिव रवि चौधरी के आदेश पर कार्यक्रम हुआ। इसकी अध्यधक्षता प्रधानाध्यापक मो. सलमान राइन ने की।

इस अवसर पर विद्यार्थियों को कानून की जानकारी देते हुए मौलिक अधिकार व मौलिक कर्तव्य आदि विषय पर चर्चा की गई। प्रधानाध्यापक से पीएलवी राम नरेश मेहता ने कहा कि बच्चों के बीच इन विषयों पर प्रतियोगिता का आयोजन कर उनकी प्रतिभा निखारी जाएं। मेधावी छात्रों को पुरस्कृत किया जाए।

प्रधानाध्यापक ने आश्वस्त करते हुए कहा कि कुछ दिनों में इस तरह के कानूनी विषयों पर निश्चित रूप से प्रतियोगिता का आयोजन कर संवाद के जरिए बच्चों की प्रतिभा बाहर लाई जाएगी। उन्हें जागरूक भी किया जाएगा। इस अवसर पर अधिकार मित्र राम नरेश मेहता, परशु राम, नवनीत कुमार दुबे व कृष्णा यादव भी मौजूद थे।

09 किलो गांजा के साथ 03 तस्कर गिरफ्तार

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

मेदिनीनगर। शहर थाना की पुलिस ने तीन तस्करों को 9 किलो गांजा के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस संबंध में डीएसपी मणि भूषण प्रसाद ने बताया की 28 जनवरी को 12.00 बजे पलामू पुलिस अधीक्षक रिष्मा रमेशन को सूचना मिली कि रेलवे स्टेशन के सामने नवनिर्मित भवन के पास तीन व्यक्ति अवैध रूप से अवैध गांजा की खरीद बिक्री करने आ रहे हैं। पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार गुलशन बिरवा, पुलिस अवर निरीक्षक, शहर थाना के नेतृत्व में टीम का गठन करते हुए रेलवे स्टेशन नवनिर्मित भवन के पास पहुंचा तो पुलिस को पहुंचता देख तीन संदिग्ध व्यक्ति भागने का प्रवास करने लगे। यह देख साथ मौजुद पुलिस पदाधिकारी एवं सशस्त्र बल के सहयोग से घेराबंदी करते हुए तीनों संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा तथा नाम पता पुछते हुए उससे भागने का कारण पुछा तो तीनों के द्वारा अपना अपना नाम हबीस अंसारी,दीलिप कुमार, एवम पिंटू कुमार, दोनों सा पकरिया, तीनों थाना पांकी पलामू बताये हुए भागने के संबंध में कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिये।

तीनों के पास मादक पदार्थ पाये जाने की सम्भावना देखते हुए, अमर सिंह बलहोत्रा, अंचलाधिकारी सदर मेदिनीनगर के द्वारा विधिवत तलाशी ली गयी। तलाशी लेने के क्रम में पकड़ाये व्यक्ति हथीस अंसारी के पहने हुए जोगर्स के दांये पॉकेट से 01 वियो कम्पनी का एंडरोयड मोबाईल एवं पीठ में टांगे गये ग्रे एवं काला रंग का टुरिस्ट बेग से 06 पॉकेट ब्राउन टेप से साटा हुआ गांजा जैसा अवैध मादक पदार्थ बरामद हुआ तथा दीलिप कुमार के पहने हुए जिन्स के बांये पॉकेट से इनफिनिक्स कम्पनी का एंडरोयड मोबाईल एवं पीठ पर टांगे हुए मैरून रंग का बेग से 03 पॉकेट गांजा जैसा मादक पदार्थ बरामद हुआ तथा पिंटू कुमार के .पहने हुए जिन्स के बांये पॉकेट से रियलमी कम्पनी का एंडरॉयड मोबाईल बरामद हुआ। बरामद गांजा जैसा पदार्थ का कुल बजन करीब 8.959 kg पाया गया। जिसको विधिवत जमा किया गया तथा उपरोक्त तीनों व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया।

गोली मारनेवाला फरार आरोपी गिरफ्तार

मेदिनीनगर : सदर थाना अंतर्गत जोरकट में पिछले कुछ दिन पहले 7 जनवरी की एक मजूर को गोली मारकर फरार आरोपी को पलामू पुलिस ने धरदबोचा है। यह घटना टोल टैक्स प्लाजा पर निर्माण कर रही कंपनी के कर्मी पर गोली चलाने के मामले में सदर थाना प्रभारी उत्तम कुमार को पलामू पुलिस अधीक्षक रिष्मा रमेशन से मिली गुप्त सूचना से 2 आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, घटना में उपयुक्त हथियार भी बरामद हुई है। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक ने बताया की पुलिस को सूचना प्राप्त हुआ कि इस कांड में संलिप्त शुटर शुभम रेडमा की तरफ घुम रहा है तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में एक टीम गठित कर रेडमा से इस कांड में संलिप्त अभियुक्त, शुभम उम्र 23 वर्ष पिता पंकज कुमार दुबे, आकाश कुमार उम्र 30 वर्ष पिता सूरज राम दोनों सा० बेलवाटिकर थाना शहर, जिला पलामू का अपराध स्वीकारोक्ति बयान लिया गया जिसमें अभियुक्तों द्वारा अपना-अपना अपराध स्वीकार करते हुए कांड में प्रयुक्त एक पिस्टल, तीन जिन्दा गोली, एक खाली मैगजीन एवं प्लसर मोटरसाइकिल अभियुक्तों की निशानदेही पर बरामद किया गया।

खनन विभाग की बड़ी कार्रवाई, 12,400 सेफ्टी अवैध बालू और 3,500 अवैध पत्थर किया जब्त

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

सरायकेला। जिले में अवैध खनन के खिलाफ खनन विभाग की बड़ी कार्रवाई लगातार देखने को मिल रही है। बुधवार को प्रशिक्षु आईएएस कुमार रजत के नेतृत्व में खनन विभाग, राजनगर अंचल अधिकारी एवं स्थानीय पुलिस की टीम ने राजनगर थाना अंतर्गत सरजामडीह, बन्दोंडीह एवं चंदनखिरी में औचक छापेमारी अभियान चलाया।

औचक छापेमारी अभियान के दौरान टीम ने दो ट्रैक्टर अवैध बालू लदे व 12400 सेफ्टी अवैध बालू भंडारण को जप्त किया है। इससे पूर्व अहले सुबह खनन विभाग की टीम ने ईचागढ़ थाना अंतर्गत सेरेंगडीह में निरीक्षण के दौरान 3500 सौ सेफ्टी अवैध पत्थर भंडारण को जप्त किया हैं। जप्त किए गए वाहन एवं अवैध भंडारण के विरुद्ध खनन विभाग द्वारा कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बता दे कि ईचागढ़ थाना क्षेत्र में अवैध खनन का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। जिसमें माफियाओं द्वारा सरकारी राजस्व की लूट कर अपने काले साम्राज्य को स्थापित करने की जुगत में लगे हुए हैं । कुछ दिन पूर्व ही खनन पदाधिकारी ज्योति शंकर सतपति के नेतृत्व में 35 हजार सेफ्टी से भी अधिक बालू भंडारण को जप्त किया गया था। वही बाराती के भेष में पहुंच कर खनन पदाधिकारी ज्योति शंकर सतपति की टीम ने अवैध खनन के मामले में 18 से अधिक हाईवा के विरुद्ध कार्रवाई की थी। वहीं कुछ दिन पूर्व ट्रैक्टर से अवैध बालू की निकासी करते समय ट्रैक्टर पलटने से चालक की मौत हो गई थी। फिलहाल खनन विभाग की कार्रवाई लगातार जारी है।

पलामू टाइगर रिजर्व में सॉफ्ट रिलीज सेंटर की अनूठी पहल

गारू/लातेहार। पलामू टाइगर रिजर्व (पीटीआर) एक बार फिर बाघों की उपयुक्त आवास बनाने के प्रयासों में सक्रिय हो गया है। तत्कालीन बारेसांढ़ रेंजर तरुण कुमार सिंह के प्रयास से जोड़ा सखुवा नामक स्थान पर सामर सॉफ्ट रिलीज सेंटर बनाने के साथ ही यह पहल शुरू हुई थी। इसके बाद हिरण और सामर को रिजर्व फॉरेस्ट के सॉफ्ट रिलीज सेंटर में लाया गया है। बारेसांढ़ रेंज के जोड़ा सखुवा,टेनो, बैगिन दह, हेनार, रामनदाग और परसापानी में यह माहौल तैयार हो गया है। यह पहल न केवल वन्यजीवों के संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि टाइगर रिजर्व में बाघों के लिए अनुकूल इको सिस्टम तैयार करने की दिशा में भी एक बड़ा कदम है।

क्या है सॉफ्ट रिलीज सेंटर?

सॉफ्ट रिलीज सेंटर वह स्थान है जहां जंगली जानवरों को जंगल में छोड़े जाने से पहले एक कण्ट्रोल्ड एनवायरनमेंट में रखा जाता है। यह प्रक्रिया उनके प्राकृतिक आवास में वापस लौटने की तैयारी के लिए की जाती है ताकि इन जानवरों को प्राकृतिक परिस्थितियों में ढलने और खुद को जंगल के जीवन के अनुरूप बनाने का अवसर मिलता है।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत मैराथन दौड़ का आयोजन

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

लातेहार । राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत आमजन को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से बुधवार को समाहरणालय परिसर से जिला खेल स्टेडियम तक मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। दौड़ को उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने सड़क सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। मैराथन में दिखा उत्साह इस मैराथन दौड़ में उपायुक्त समेत जिला स्तरीय पदाधिकारी, छात्र-छात्राएं, खिलाड़ी और आम नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

प्रतिभागियों ने नारे लगाकर सड़क सुरक्षा का संदेश दिया। दौड़ समाहरणालय परिसर से शुरू होकर कारगिल चौक होते हुए जिला खेल स्टेडियम में समाप्त हुई। उपायुक्त की सादगी ने जीता लोगों का दिल सड़क सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से नुक्कड़ नाटक मंडली द्वारा विशेष प्रस्तुति दी गई। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सड़क सुरक्षा के महत्व पर लोगों को जागरूक किया गया।

इस मौके पर उपायुक्त स्वयं मंच के सामने दरी पर बैठकर नाटक का आनंद लेते नजर आए। उनकी इस सादगी और जनसंपर्क के प्रति उनके सहज व्यवहार को देखकर उपस्थित लोग प्रभावित हुए और उनकी सराहना की। नाटक में सड़क पर यातायात नियमों के पालन, हेलमेट और सीट बेल्ट के महत्व सहित अन्य सुरक्षा उपायों को रोचक तरीके से प्रस्तुत किया गया।

लातेहार में मासिक समीक्षात्मक बैठक का आयोजन

लातेहार : जिला खेल पदाधिकारी कार्यालय में सोमवार को मासिक समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया, बैठक की अध्यक्षता जिला खेल पदाधिकारी संजीत कुमार ने की। इस बैठक में लातेहार जिले में खेलकूद और युवा कार्य निदेशालय द्वारा संचालित सभी आवासीय और डे बोर्डिंग प्रशिक्षण केंद्रों के प्रशिक्षक और खिलाड़ी उपस्थित थे। बैठक में प्रमुख रूप से आवासीय और डे बोर्डिंग प्रशिक्षण केंद्रों में उपलब्ध सुविधाओं पर चर्चा की गयी। जिला खेल पदाधिकारी संजीत कुमार ने सभी प्रशिक्षकों को निर्देश दिया कि वे महीने के अंत तक केंद्र के प्रशिक्षणार्थी खिलाड़ियों के छात्रवृत्ति भुगतान हेतु बिल समर्पित करें।

एआईआरएफ की वर्किंग कमेटी की बैठक में रेलकर्मियों के मुद्दों पर चर्चा

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

धनबाद। ऑल इंडिया रेलवमेंस फेडरेशन (एआईआरएफ) की वर्किंग कमेटी की बैठक 27 और 28 जनवरी को चेन्नई में हुई। इसमें ईस्ट सेन्ट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। धनबाद मंडल से ईसीआरकेयू के अपर महामंत्री एवं एआईआरएफ के वर्किंग कमेटी सदस्य मो ज्याऊद्दीन और एआईआरएफ के जोनल सेक्रेटरी ओपी शर्मा उपस्थित हुए।

इस बैठक में भारतीय रेलवे के सभी जोंस एवं मेट्रो रेलवे के प्रतिनिधिमंडल शामिल हुए। दिसंबर, 2024 में मान्यता प्राप्त करने के लिए हुए गुप्त मतदान के परिणामों की समीक्षा की गई। बैठक की अध्यक्षता फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ एन कन्हैया ने की। संचालन महामंत्री शिव गोपाल मिश्रा ने किया। प्रतिनिधियों ने दिसंबर में सम्पन्न हुए गुप्त मतदान की प्रक्रिया सहित रेलकर्मियों के विभिन्न मुद्दों पर व्यापक विचार रखे। समाधान पर चर्चा की।

श्री मिश्रा ने कहा कि इसबार के मतदान में रेलकर्मियों की एकता को तोड़ने के काफी कुचक्र रचे गए। कई मुद्दों पर रेलकर्मियों को झूठे सपने दिखाए गए। हकीकत को हेरफेर कर एआईआरएफ के जोनल यूनियनों को बदनाम कर मतों का विभाजन कराया गया, जिस कारण ईसीआरकेयू को आवश्यक मत प्रतिशत प्राप्त नहीं हुए। आने वाले दिनों में रेलकर्मियों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। हर कैडर पहले से भी दोगुने उत्साह के साथ रेलकर्मियों की समस्याओं को उठाने काम करें। एआईआरएफ हर पल हर संभव सहयोग के लिए तत्पर रहेगा।

ईसीआरकेयू के मीडिया प्रभारी एनके खवास ने बताया कि इस बैठक में वर्किंग कमेटी सदस्यों के रूप में ईसीआरकेयू की ओर से मो ज्याऊद्दीन (धनबाद मंडल), मिथिलेश कुमार (डीडीयू मंडल), मनीष कुमार (मुख्यालय हाजीपुर), श्रीमती मृदुला कुमारी (महिला शाखा, पटना), एआईआरएफ के जोनल सेक्रेटरी ओपी शर्मा ने अपनी उपस्थिति दर्ज की।

संक्षिप्त

प्रयागराज हादसे में मृत लोगों को दी श्रद्धांजलि

बोकारो। यूनिवर्सल ह्यूमन राइट्स एसोसिएशन के तत्वावधान में प्रदेश अध्यक्ष आशा देवी की अध्यक्षता में एक बैठक सेक्टर-3 में हुई। इसमें प्रयागराज कुंभ में आकस्मिक दुर्घटना में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी गई। उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की। मौके पर तारकेश्वर महतो, सुमन सिंह, नवीन सिंह, बी. के पासवान, सुमित सिंह, प्रेमलता, आरती देवी, मीरा देवी, पुष्पा मिश्रा, मंजू सिंह, एसएन प्रसाद आदि अन्य थे। बैठक का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन गंगेश कुमार पाठक ने किया।

महली समाज की बैठक 9 फरवरी को

बोकारो। प्रमंडलीय महली जाति समाज सुधार समिति की बैठक तांतरी गांव में आगामी 9 फरवरी को होगी। बैठक में समिति की मजबूती को लेकर आपसी विचार-विमर्श किया जाएगा तथा पूर्व की कमेटी को भंग करते हुए युवा साथियों को संगठन में सशक्त भागीदारी दिया जाएगा। बैठक में विभिन प्रखडो के सामाजिक, बुद्धिजीवी, युवा शामिल होंगे। यह जानकारी जानकारी समिति के महासचिव प्रह्लाद महली ने दी।

27 रजब पर सामूहिक रोजा व इफ्तार का आयोजन

जमशेदपुर। दारैन एकेडमी कपाली में 27 रजब के पवित्र अवसर पर एक अद्भुत और प्रेरणादायक दृश्य देखने को मिला। इस दिन स्कूल के 71 छात्रों ने पूरे धार्मिक उत्साह और अनुशासन के साथ रोजा रखा। इन छात्रों में छोटे बच्चों से लेकर बड़े विद्यार्थी तक शामिल थे। जिन्होंने दिनभर रोजे की कठिनाई को सहन करते हुए इबादत और शिक्षा का अद्भुत समन्वय प्रस्तुत किया। शाम के समय इफ्तार का आयोजन किया गया। जिसमें सभी छात्र एकत्रित हुए। इफ्तार से पहले छात्रों ने सामूहिक रूप से हाथ उठाकर अल्लाह से दुआ की।

ट्रांसपोर्टर की हत्या का खुलासा हथियार के साथ पांच गिरफ्तार

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम। पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) के मानगो थाना क्षेत्र के मनान गली में हुए ट्रांसपोर्टर संतोष सिंह की गोली मारकर हत्या मामले का पुलिस ने बुधवार को खुलासा किया।

इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिसमें रोहित दीक्षित, शुभम कुमार, विमल गोप, विवेक कुमार और अंकित शर्मा शामिल है। पुलिस ने आरोपितों की निशानदेही पर दो हथियार, एक गोली और घटना में प्रयुक्त स्कूटी भी बरामद की है।

जानकारी देते हुए एसएसपी किशोर कौशल ने बताया कि साल 2014 में रोहित के पिता की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में संतोष सिंह को आरोपित बनाया गया था और वह जेल भी गया था। बीते कुछ महीनों से रोहित का आपराधिक चरित्र वाले लोगों के साथ उठनाझबैठना चल रहा था। इसी दौरान अन्य साथियों ने उसे बहका दिया, जिसके बाद रोहित ने संतोष की हत्या का प्लान बनाया। इस मामले में पूर्व में गिरफ्तार रौनक सिंह और निखिल ने आर्थिक रूप से मदद की थी। रोहित ने एक अन्य साथी से हथियार लिया था। विमल और विवेक ने रेकी की थी जबकि रोहित, शुभम और अंकित ने संतोष को गोली मारी थी। पुलिस ने सभी आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पिता की मौत का बदला लेने के लिए ट्रांसपोर्टर की हत्या की गई थी।

बोकारो की रंजना ने महाकुंभ में बांधा समां, हुईं सम्मानित

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। शहर की लब्ध-प्रतिष्ठित लोकगीत कलाकार रंजना राय ने एक बार फिर अपनी गायकी का जलवा बिखेर इस्पातनगरी बोकारो का नाम रोशन किया है।

महाकुंभ प्रयागराज में त्रिवेणी मंच पर संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने पारंपरिक भजनों की प्रस्तुति से सबकी भरपूर सराहना पाई। उन्होंने डम-डम डमरू बजावेला हमार जोगिया..., सखी फूल लोढी चलू फुलवरिया सीता के संग सहेलिया...., का लेके शिव के मनाईब हे शिव मानत नाही..., राधे कौन से पुण्य किए तूने... आदि गीतों की सुमधुर प्रस्तुति से समां बांध दिया।

उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्होंने कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित भी किया। श्रीमती राय अब आगामी 01 फरवरी को बनारस पिंड्रा महोत्सव तथा 02 फरवरी को गया बौद्ध महोत्सव में भी अपनी प्रस्तुति देंगी।

हरिश्चंद्र विद्या मंदिर के वार्षिकोत्सव के दूसरे दिन रोचक खेलों ने मोहा मन

प्रातः नागपुरी संवाददाता

कांड्रा। कांड्रा स्थित हरिश्चंद्र विद्या मंदिर का वार्षिकोत्सव प्रति वर्ष सरस्वती पूजा के अवसर पर हर्षोल्लासपूर्वक मनाया जाता है। प्रतियोगिता के दूसरे दिन छात्रों की बाधा दौड़, तीन पैर की दौड़, छात्राओं की सूई में धागा पिरोने की प्रतियोगिता, देश इन-आउट और म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता हुई। सभी विजयी विद्यार्थियों को सरस्वती पूजा के दिन पुरस्कृत किया जायेगा।सहायक शिक्षक रंजीत श्रीवास्तव, कुमारी तुलसी, कुमारी संजू ने विद्यार्थियों के बीच दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया। उच्च और मध्य विद्यालय के प्रभारी जेडी महतो, विनोद वार्ष्णेय, डी साव, केसी महतो, पीएल महतो आदि ने आयोजन को सफल बनाने में सराहनीय भूमिका निभाई।

विधायक श्वेता सिंह ने महाकुंभ में लगाई आस्था की डुबकी

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। बुधवार को मौनी अमावस्या के शुभ अवसर पर बोकारो विधायक श्रीमती श्वेता सिंह ने अपने बोकारो परिवार के साथ प्रयागराज में महाकुंभ मेले में पहुंचकर त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई। श्रीमती सिंह ने कहा कि महाकुंभ मेला देवताओं की राक्षसों पर जीत का प्रतीक है। 2025 में यह आयोजन 13 जनवरी को शुरू हुआ और 26 फरवरी को समाप्त होने की उम्मीद है।

महाकुंभ मेला दुनिया का सबसे बड़ा शांतिपूर्ण लोगों का समागम है। इस समागम में लाखों भक्त गंगा, यमुना और सरस्वती में डुबकी लगाते हैं, जिनके जल को हिंदुओं द्वारा पवित्र माना जाता है, जो आत्मा की शुद्धि और मोक्ष या मुक्ति प्राप्त करने का मार्ग दर्शाता है। इस महाकुंभ में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के विभिन्न साधु संतों और मनीषियों का आशीर्वाद लिया। 2025 के महाकुंभ मेले में 40 करोड़ (400 मिलियन) आगंतुकों की उपस्थिति के लिए तैयारी की गई है।एक तरफ जहां भारत देश के हर कोने से लोगों का आगमन हुआ है. वहीं दूसरी तरफ विदेशी मूल के पर्यटक और तीर्थयात्री आते हैं, जिससे इसकी महता और बढ़ जाती है।

श्रीमती श्वेता सिंह ने कहा कि कुंभ स्नान के पश्चात बोकारो विधानसभा क्षेत्र की जनता की खुशहाली और उनके परिवार के कल्याण हेतु ईश्वर से कामना की।

पं. गौरी शंकर ओझा पर्यावरण मित्र पुरस्कार वितरण समारोह कल

- बोकारो में झारखंड भर के पर्यावरणविदों का होगा जुटान

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। 31 जनवरी को अपराह्न 3.00 बजे से'पं. गौरी शंकर ओझा पर्यावरण-मित्र पुरस्कार 2025 वितरण समारोह का भव्य आयोजन बोकारो के पर्यावरण-मित्र चौक कैंप 2 मोड़ के पास स्थित पर्यावरण-मित्र वाटिका में किया जाएगा।

स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण संस्थान की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम की तमाम तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। संस्थान के महासचिव शशि भूषण ओझा मुकुल ने बुधवार को एक प्रेसवार्ता में बताया कि यह झारखंड प्रदेश स्तरीय पुरस्कार हर वर्ष ऐसे व्यक्ति या संस्था को दिया जाता है जो पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में राज्य स्तर पर उत्कृष्ट कार्य कर रहे होते हैं। इसबार यह 17वें वर्ष का आयोजन है। इस मुख्य पुरस्कार के साथ ही दो और पुरस्कार 'पं. गौरी शंकर ओझा वृक्ष-मित्र पुरस्कार' और 'पं. गौरी शंकर ओझा जल-मित्र पुरस्कार' भी दिया जाता है । कार्यक्रम में झारखंड प्रदेश के कई जिलों से कई पर्यावरणविद पधार रहे हैं।

अतिथि के रूप में पद्मश्री जमुना टुडू, रजनीश कुमार डीएफओ बोकारो, डा. अभय भूषण प्रसाद सिविल सर्जन बोकारो, कुमार प्रेमचंद प्रोग्राम ऑफिसर यूनिसेफ झारखंड सहित अन्य प्रशासनिक पदाधिकारी आदि रहेंगे। गुलाब चंद प्रजापति, जंगल महतो एवं प्रवीर कुमार, तीनों पर्यावरणविद इस समारोह की विशेष शोभा बढ़ाएंगे।प्रेसवार्ता में शशि भूषण ओझा 'मुकुल', सुरेंद्र कुमार पांडेय, रघुवर प्रसाद, गणेश साव, बबलू पांडेय, रमण ठाकुर, विजय त्रिपाठी, मृणाल चौबे, राजेश्वर द्विवेदी, कंचन शर्मा, वीरेंद्र चौबे, अक्षय दुबे, अभय कुमार गोलू, रोहित सिंह, कुंदन उपाध्याय, अर्जुन पांडेय, संतोष कुमार, अनुराग मिश्र, यू पी सिंह आदि पदाधिकारीगण मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

सिखिज्म के खिलाफ है अंबेडकर की प्रतिमा पर हथौड़ा चलाना : कुलविंदर

प्रातः नागपुरी संवाददाता

जमशेदपुर। कौमी सिख मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिवक्ता कुलविंदर सिंह ने अमृतसर हेरिटेज स्ट्रीट में भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर हथौड़ा चलाना और संविधान को जलाने की कोशिश करना सिखिज्म के खिलाफ है। अधिवक्ता कुलविंदर सिंह के अनुसार डॉक्टर अंबेडकर का अपमान इस देश के करोड़ों लोगों की भावनाओं को चोट पहुंचाना है। उन्होंने इस देश में हासिये समाज अर्थात अनुसूचित जनजाति-अनुसूचित जाति को समाज की मुख्य धारा में लाने का जो काम किया है, वह अतुलनीय और अनुकरणीय है। उन्होंने वंचित वर्ग को शिक्षा, समानता और कानूनी अधिकार देने के लिए संविधान में प्रावधान किया। कुलविंदर सिंह के अनुसार पुलिस जांच में यह तथ्य सामने आया है कि हथौड़ा मारने वाला आकाशदीप सिंह खुद अनुसूचित जाति से संबंधित है। वह गिरफ्तार है और पंजाब के मुख्यमंत्री को चाहिए कि इसकी कहां जांच करवाई और साजिश कताओं को बेनकाब करें। इस मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में होनी चाहिए। कुलविंदर सिंह के अनुसार सिखों के महान गुरु एवं गुरु ग्रंथ

साहिब जी ने जाति, नस्ल, प्रांत और धर्म का भेदभाव छोड़कर मानवतावादी संदेश दिया। बहुलवादी संस्कृति की रक्षा के लिए गुरु तेग बहादुर जी और भाई मती दास, भाई सती दास भाई दयाला जी ने दिल्ली चांदनी चौक में शहादत प्राप्त की और गुरु गोविंद सिंह के चारों बेटे एवं मां ने भी शहीदी प्राप्त की। शायद आज की नौजवान सिख पीढ़ी यह नहीं जानती कि भीमराव अंबेडकर खुद सिख धर्म को अपनाना चाहते थे। बाद में उन्होंने नागपुर में लाखों लोगों के साथ हिंदू धर्म त्याग कर बौद्ध धर्म अपनाया। कुलविंदर सिंह के अनुसार हर सच्चे सिख को इस घटना की बढ़ चढ़कर निंदा करनी चाहिए और सरकार से आरोपी लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग करनी चाहिए। भारत के संविधान के प्रावधान के तहत सिखों का एक बड़ा हिस्सा आरक्षण का लाभ पाकर देश दुनिया में बेहतर तरीके से सेवाएं दे रहा है।

चिन्मय विद्यालय में मां के चरण पखार बच्चों ने की पूजा

बच्चे जीवन भर अपने माता-पिता का हृदय से करें सम्मान : स्वामिनी संयुक्तानंद

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। स्थानीय चिन्मय विद्यालय, बोकारो के तपोवन सभागार में आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंद सरस्वती चिन्मय मिशन बोकारो के मार्गदर्शन में भव्य मातृ पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कक्षा 3 से 5 के बच्चों ने अपनी माताओं के चरण धोकर, पुष्प अर्पित कर और आरती उतारकर मातृ भक्ति का परिचय दिया।

स्वामिनी संयुक्तानंद ने मातृ पूजा की विशेषता बताते हुए कहा कि मां के बिना जीवन सृष्टि की रचना की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। मातृ पूजन भारतीय संस्कृति की एक अनमोल परंपरा है, जो न केवल माता-पिता के प्रति सम्मान को बढ़ावा देती है, बल्कि समाज में संस्कारों को सुदृढ़ करने का कार्य भी करती है। इसका उद्देश्य नई पीढ़ी को माता-पिता की महत्ता से अवगत कराना और पारंपरिक पारिवारिक मूल्यों को मजबूत बनाना है। जीवन के हर मोड़ पर माता-पिता का आशीर्वाद स्नेह और मार्गदर्शन हमारे साथ होता है। हमें जीवन भर अपने माता-पिता का हृदय से सम्मान करना चाहिए।

कार्यक्रम की शुरूआत वेद मंत्रों के उच्चारण और गणेश वंदना से हुई। बच्चों ने अपने हृदयस्पर्शी शब्दों में मातृशक्ति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की और अतं में अपने माता के चरणों में सर रखकर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर विद्यालय अध्यक्ष विश्वरूप मुखोपाध्याय, विद्यालय सचिव महेश त्रिपाठी, प्राचार्य सूरज शर्मा, उप प्राचार्य नरमेंन्द्र कुमार सभी बच्चों को मातृ-पूजा की शुभकामनाएं दीं।

एसआर इन्टरनेशनल एकेडमी का वार्षिकोत्सव सोल्लास संपन्न

चंद्रपुरा (बोकारो)। चंद्रपुरा शिमला कालोनी स्थित एसआर इन्टरनेशनल एकेडमी शैक्षणिक संस्थान ने कार्यक्रम आयोजित कर धूमधाम के साथ अपना वार्षिकोत्सव मनाया। कार्यक्रम का उद्घाटन स्थानीय डीवीसी एसटीएमएम अस्पताल के वरीय चिकित्सक डॉ. पी. कुमार, स्कूल प्रिन्सिपल प्रतिमा वर्मा व शिव शंकर मिश्रा ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने शिक्षा की महता पर प्रकाश डाला और एसआरआई एकेडमी के शैक्षणिक रिजल्ट की प्रशंसा की। स्कूल प्रिन्सिपल प्रतिमा वर्मा ने कहा कि क्वालिटी एजुकेशन एवं बेहतर रिजल्ट के लिए सामूहिक सहभागिता जरूरी है। तत्पश्चात कक्षावार मेधावी विद्यार्थियों एवं विविध प्रतियोगिता के अव्वल प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर स्कूल के बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्कूल शिक्षक विभा सिंह, सुनीता, सीमा, मौसमी, किरण, गुंजन, नेहा आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही। संचालन सुनीता महतो ने किया।

जेईई मेन- 1 : 653 अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा

बोकारो। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की ओर से इंजीनियरिंग संस्थानों में नामांकन के लिए जारी संयुक्त प्रवेश परीक्षा मुख्य (जेईई मेन) के प्रथम सत्र के तहत बुधवार को बोकारो के दो परीक्षा केंद्रों पर कुल 653 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। जबकि, कुल 669 परीक्षार्थियों में से 16 कैंडिडेट अनुपस्थित रहे। एनटीए के सिटी को-आर्डिनेटर एवं डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार के अनुसार, अल्फा आईसीटी सेंटर में बने केंद्र में पहली पाली में कुल 221 में 214 कैंडिडेट ने परीक्षा दी, जबकि 07 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। इसी केंद्र पर दूसरी पाली में कुल 219 में 217 ने परीक्षा दी और 02 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार, आरआर टेक्नोलॉजी सेंटर पर पहली पाली में कुल 114 में 111 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 03 अनुपस्थित रहे। वहीं, दूसरी पाली में कुल 115 में 111 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी और 04 अनुपस्थित रहे। सिटी को-ऑर्डिनेटर डॉ. गंगवार ने बताया कि परीक्षाएं शांतिपूर्वक एवं कदाचारमुक्त चल रही हैं। गुरुवार (30 जनवरी) को अल्फा आईसीटी सेंटर में केवल पहली पाली में 54 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे।

तुपकाडीह में सरस्वती पूजा की तैयारी जोरों पर

बोकारो। तुपकाडीह और आसपास के इलाके में इन दिनों विद्यादायिनी मां सरस्वती के पूजनोत्सव की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। जरीडीह प्रखंड अंतर्गत जैनामोड़ बस स्टैंड, बालीडीह, बहादुरपुर, ठाकुरटांड़ समेत विभिन्न स्थानों में विद्या की देवी मां सरस्वती की आकर्षक मूर्तियों को मूर्तिकार बनाने मे जुटे हैं। आगामी 3 फरवरी को पूजा धूमधाम से मनाने के लिए विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों, शैक्षणिक संस्थानों के लोग तैयारी में जुट गए हैं।

ठाकुरटांड़ में बीते 40 वर्षों से मूर्ति बना रहे तेलो निवासी तारणी प्रजापति ने बताया कि यह उनका पुश्तैनी काम है। पहले पिता करते थे। अब बेटा राजू भी हाथ बटाता है। बताया कि 500 से 5000 रुपए तक की मूर्तियां बनाई गई हैं। दूर-दूर से लोग तथा अभी से ही विद्यार्थी अपनी पसंद की मूर्ति खरीदारी को लेकर बुक करा चुके हैं। अजंता, नटराज, जोड़ा हंस, एक हंस पर बैठीं मां सरस्वती की प्रतिमाओं की अधिक डिमांड है।

तारणी ने मूर्ति बनाने में आर्थिक परेशानी का भी जिक्र किया और कहा कि मेहनत के मुताबिक उचित दाम का नहीं मिल रहा है। यह भी कहा कि पुश्तैनी धंधा, ऊपर से कमाने का एकमात्र साधन तथा खास तौर से देवी-देवताओं का आशीष मूर्ति बनाने के काम से मिलता है।

एनटीपीसी जूनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी चैंपियनशिप

वेदांता ईएसएल तीरंदाजी अकादमी के राहुल महतो चयनित

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। वेदांता ईएसएल तीरंदाजी अकादमी के प्रतिभावान राहुल महतो 44वीं एनटीपीसी जूनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी चैंपियनशिप के लिए चयनित हुए हैं।

बूढ़ी बिनोर गांव के 17 वर्षीय राहुल महतो ने 10 से 17 फरवरी, 2025 तक पश्चिम बंगाल के बोलपुर में होने वाली 44वीं एनटीपीसी जूनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी चैंपियनशिप में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। उनकी यह उपलब्धि चैंपियन बनाने और जमीनी स्तर की प्रतिभाओं को बढ़ावा देने में वेदांता ईएसएल तीरंदाजी अकादमी की निरंतर सफलता को दशार्ती है।

राहुल की साधारण शुरूआत से राष्ट्रीय मंच तक की यात्रा उनकी सहनशीलता, समर्पण और वेदांता ईएसएल तीरंदाजी अकादमी द्वारा प्रदान की जाने वाली विश्व स्तरीय प्रशिक्षण के प्रभाव का एक सच्चा प्रमाण है। एसएमजी +2 हाई स्कूल बिजुलिया में कक्षा 11 के छात्र राहुल चार सदस्यों के एक साधारण परिवार से आते हैं, जहां आर्थिक तंगी ने तीरंदाजी में उत्कृष्टता हासिल करने के उनके प्रयासों को कभी नहीं रोका। जून 2022 में अकादमी में शामिल होने के बाद से राहुल ने विशेषज्ञ कोचिंग के तहत अपने कौशल को निखारा है और खेल में असाधारण कौशल का प्रदर्शन किया है।

जमशेदपुर के जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित झारखंड जूनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी टीम चयन ट्रायल में उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन ने राज्य के शीर्ष प्रतियोगियों में उनका स्थान सुनिश्चित किया। 60 शीर्ष तीरंदाजों के खिलाफ प्रभावशाली 665 अंक हासिल कर राहुल इस क्षेत्र की सबसे प्रतिभाशाली प्रतिभाओं में से एक के रूप में उभरे। राहुल की सफलता ने उनके समुदाय में अपार गर्व की भावना जगाई है, जिससे खेल के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने के लिए अकादमी की प्रतिबद्धता को बल मिला है।

राहुल एनटीपीसी जूनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी चैंपियनशिप की तैयारी कर रहे हैं। वे अपने परिवार, अकादमी और समुदाय की आकांक्षाओं को अपने साथ लेकर चल रहे हैं। उनकी यह उपलब्धि पूरे देश के युवा एथलीटों के लिए प्रेरणा का स्रोत है, जो व्यक्तिगत और सामाजिक विकास के लिए उत्प्रेरक के रूप में खेलों की परिवर्तनकारी शक्ति को प्रदर्शित करती है।

राहुल की यात्रा दृढ़ता व समर्पण का एक शानदार उदाहरण

राहुल की उपलब्धि पर बोलते हुए ईएसएल स्टील लिमिटेड के सीएसआर प्रमुख कुणाल दरिपा ने कहा कि राहुल की यात्रा दृढ़ता और समर्पण का एक शानदार उदाहरण है। हमें उनकी उपलब्धियों पर बेहद गर्व है और हमें विश्वास है कि वह झारखंड को गौरवान्वित करते रहेंगे। उनकी सफलता युवा प्रतिभाओं को पोषित करने और उन्हें सर्वोत्तम संभव प्रशिक्षण और सहायता प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। उन्होंने कहा, वेदांता ईएसएल तीरंदाजी अकादमी राहुल महतो को इस अविश्वसनीय उपलब्धि के लिए बधाई देती है और उनके राष्ट्रीय अभियान में उनकी शानदार सफलता की कामना करती है। हमें विश्वास है कि वह झारखंड को गौरवान्वित करेंगे और अनगिनत युवा खेल उत्साही लोगों को अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करते रहेंगे। उल्लेखनीय है कि सियालजोरी स्थित ईएसएल स्टील प्लांट परिसर में स्थापित वेदांता ईएसएल तीरंदाजी अकादमी ने लगातार खुद को उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में साबित किया है। महत्वाकांक्षी एथलीटों को पोषित किया है और उन्हें शीर्ष स्तरीय सुविधाओं और प्रशिक्षण से लैस किया है। चयन ट्रायल में भाग लेने वाले बोकारो के आठ प्रतिभागियों में से सात को अकादमी में प्रशिक्षित किया गया था। यह एक ऐसी उपलब्धि है, जो युवा प्रतिभाओं को विकसित करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करती है।

केंद्रीय बजट से मिल सकती हैं कई सौगातें

प्रहलाद सबनानी

वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में रोजगार के अधिक से अधिक अवसर निर्मित करने वाले उद्योगों को भी कुछ राहत प्रदान की जा सकती है क्योंकि आज देश में रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित करने की महती आवश्यकता है। विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग को विशेष सुविधाएं प्रदान की जा सकती हैं।

वित्तीय वर्ष 2024-25 की पहली छमाही (अप्रेल-सितम्बर 2024) में भारत की आर्थिक विकास दर कुछ कमजोर रही है। प्रथम तिमाही (अप्रेल-जून 2024) में तो सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर गिरकर 5.2 प्रतिशत के निचले स्तर पर आ गई थी। इसी प्रकार द्वितीय तिमाही (जुलाई-सितम्बर 2024) में भी सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर 5.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। इससे वित्तीय वर्ष 2024-25 में यह वृद्धि दर घटकर 6.6 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है, जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत की रही थी। वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम छमाही में आर्थिक विकास दर के कम होने के कारणों में मुख्य रूप से देश में सम्पन्न हुए लोक सभा चुनाव है और आचार संहिता के लागू होने के चलते केंद्र सरकार के पूंजीगत खर्चों एवं अन्य खर्चों में भारी भरकम कमी दृष्टिगोचर हुई है। साथ ही, देश में मानसून की स्थिति भी ठीक नहीं रही है।

केंद्र सरकार ने हालांकि मुद्रा स्फीति पर अंकुश लगाने में सफलता तो अर्जित कर ली है परंतु उच्च स्तर पर बनी रही मुद्रा स्फीति के कारण कुल मिलाकर आम नागरिकों, विशेष रूप से मध्यमवर्गीय परिवारों, की खर्च करने की क्षमता पर विपरीत प्रभात जरूर पड़ा है और कुछ मध्यमवर्गीय परिवारों के गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे परिवारों की श्रेणी में जाने का खतरा उत्पन्न हो गया है। किसी भी देश में मध्यमवर्गीय परिवारों की जितनी अधिक संख्या रहती है, उस देश की आर्थिक विकास दर ऊंचे स्तर पर बनी रहती है क्योंकि मध्यमवर्गीय परिवार ही विभिन्न प्रकार के उत्पादों (दोपहिया वाहन, चारपहिया वाहन, फ्रिज, एयर कंडीशनर जैसे उत्पादों एवं नए फ्लेट्स एवं भवनों आदि) को खरीदने पर अपनी आय के अधिकतम भाग का उपयोग करता है। इससे आर्थिक चक्र में तीव्रता आती है और इन उत्पादों की बाजार में मांग के बढ़ने के चलते इनके उत्पादन को विभिन्न कम्पनियों द्वारा बढ़ाया जाता है, इससे इन कम्पनियों की आय एवं लाभप्रदता में वृद्धि होती है एवं देश में रोजगार के नए अवसर निर्मित होते हैं।

भारत में पिछले कुछ समय से मध्यमवर्गीय परिवारों की व्यय करने की क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ा है अतः दिनांक 1 फरवरी 2025 को केंद्र सरकार की वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन से अब यह अपेक्षा की जा रही है कि वे वित्तीय वर्ष 2025-26 के केंद्र सरकार के बजट में मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए विशेष रूप से आय कर में छूट की घोषणा करेंगी। देश के कई अर्थशास्त्रियों का तो यह

भी कहना है कि न केवल आय कर में बल्कि कारपोरेट कर में भी कमी की घोषणा की जानी चाहिए। इनफोसिस के संस्थापक सदस्यों में शामिल श्री मोहनदास पई का तो कहना है कि 15 लाख से अधिक की आय पर लागू 30 प्रतिशत की आय कर की दर को अब 18 लाख से अधिक की आय पर लागू करना चाहिए। आय कर मुक्त आय की सीमा को वर्तमान में लागू 7.75 लाख रुपए की राशि से बढ़ाकर 10 लाख रुपए कर देना चाहिए। आयकर की धारा 80सी के अंतर्गत किए जाने निवेश की सीमा को भी 1.50 लाख रुपए की राशि से बढ़ाकर 2 लाख रुपए कर देना चाहिए। मकान निर्माण हेतु लिए गए ऋण पर अदा किए जाने वाले ब्याज पर प्रदान की जाने वाली आयकर छूट की सीमा को 2 लाख रुपए से बढ़ाकर 3 लाख रुपए किया जाना चाहिए।

फरवरी 2025 माह में ही भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मोनेटरी पोलिसी की घोषणा भी होने जा रही है। भारतीय रिजर्व बैंक से अब यह अपेक्षा की जा रही है कि वे रेपो दर में कम से कम 25 अथवा 50 आधार बिंदुओं की कमी तो अवश्य करेंगे। क्योंकि, पिछले लगातार लगभग 24 माह तक रेपो दर में कोई भी परिवर्तन नहीं करने के चलते मध्यमवर्गीय परिवारों द्वारा मकान निर्माण एवं चार पहिया वाहन आदि खरीदने हेतु बैकों से लिए गए ऋण की किश्त की राशि का बोझ बहुत अधिक बढ़ गया है। बैकों से लिए गए इस प्रकार के ऋणों एवं माइक्रो फाइनैन्स की किश्तों की अदायगी में चूक की घटनाएं भी बढ़ती हुई दिखाई दे रही हैं। अब मुद्रा स्फीति की दर खाद्य पदार्थों (फलों एवं सब्जियों आदि) के कुछ महंगे होने के चलते ही उच्च स्तर पर आ जाती है जबकि कोर मुद्रा स्फीति की दर तो अब नियंत्रण में आ चुकी है। खाद्य पदार्थों की मंहगाई को ब्याज दरों को उच्च स्तर पर बनाए रखकर कम नहीं किया जा सकता है। अतः भारतीय रिजर्व बैंक को अब इस ओर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में सम्पन्न हुए लोक सभा चुनाव के चलते देश में पूंजीगत खर्चों में कमी दिखाई दी है। इसीलिए अब लगातार यह मांग की जा रही है कि देश में वन नेशन वन इलेक्शन कानून को शीघ्र ही लागू किया जाना चाहिए क्योंकि बार बार देश में चुनाव होने से केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा आचार संहिता के लागू होने के चलते अपने बजटीय खर्चों को रोक दिया जाता है जिससे देश का आर्थिक विकास प्रभावित होता है। अतः वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए लोक सभा में पेश किए जाने वाले बजट में पूंजीगत खर्चों को बढ़ाने पर गम्भीरता दिखाई जाएगी। हालांकि वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट में 7.50 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्चों का प्रावधान किया गया था, वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट में 10 लाख करोड़ रुपए एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट में 11.11 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्चों का प्रावधान किया गया था। अब वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए कम से कम 15 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्चों का प्रावधान किये जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इससे देश में धीमी पड़ रही आर्थिक गतिविधियों को तेज करने में सहायता मिलेगी और रोजगार के करोड़ों नए अवसर भी निर्मित होंगे, जिसकी वर्तमान समय में देश को अत्यधिक आवश्यकता भी है।

विभिन्न राज्यों द्वारा चलायी जा रही फ्रीबीज की योजनाओं पर भी अब अंकुश लगाए जाने के प्रयास किए जाने चाहिए। इन योजनाओं से देश के आर्थिक विकास को लाभ कम और नुक्सान अधिक होता है। केरल, पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं दिल्ली की स्थिति हम सबके सामने है। इस प्रकार की योजनाओं को चलाने के कारण इन राज्यों के बजटीय घाटे की स्थिति दयनीय स्थिति में पहुंच गई है। पंजाब तो किसी समय पर देश के सबसे सम्पन्न राज्यों में शामिल हुआ करता था परंतु आज पंजाब में बजटीय घाटा भयावह स्थिति में पहुंच गया है। जिससे ये राज्य आज पूंजीगत खर्चों पर अधिक राशि व्यय नहीं कर पा रहे हैं क्योंकि इन राज्यों की न तो आय बढ़ रही है और न ही बजटीय घाटे पर नियंत्रण स्थापित हो पा रहा है।

पिछले कुछ समय से भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भी कम हो रहा है। यह सितम्बर 2020 तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद का 4.3 प्रतिशत था जो अब गिरकर सकल घरेलू उत्पाद का 0.8 प्रतिशत के स्तर तक नीचे आ गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में इस विषय पर भी गम्भीरता से विचार किया जाएगा। वित्तीय वर्ष 2019 के बजट में कोरपोरेट कर की दरों में कमी की घोषणा की गई थी, जिसका बहुत अच्छा प्रभाव विदेशी प्रत्यक्ष निवेश पर पड़ा था और सितम्बर 2020 में तो यह बढ़कर सकल घरेलू उत्पाद का 4.3 प्रतिशत तक पहुंच गया था। अब एक बार पुनः इस बजट में कोरपोरेट कर में कमी करने पर भी विचार किया जा सकता है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में रोजगार के अधिक से अधिक अवसर निर्मित करने वाले उद्योगों को भी कुछ राहत प्रदान की जा सकती है क्योंकि आज देश में रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित करने की महती आवश्यकता है। विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग को विशेष सुविधाएं प्रदान की जा सकती हैं। हां, साथ में तकनीकी आधारित उद्योगों को भी बढ़ावा देना होगा क्योंकि वैश्विक स्तर पर भी हमारे उद्योगों को हमें प्रतिस्पर्धी बनाना है। ग्रामीण इलाकों में आज भी भारत की लगभग 60 प्रतिशत आबादी निवास करती है अतः कृषि क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्र में कुटीर एवं लघु उद्योगों पर अधिक ध्यान इस बजट के माध्यम से दिया जाएगा, ताकि रोजगार के अवसर ग्रामीण इलाकों में ही निर्मित हों और नागरिकों के शहर की ओर हो रहे पलायन को रोका जा सके।

संपादकीय

हंगामा कितना सही

वक्फ कानून में संशोधन को लेकर बनाई गई संयुक्त संसदीय समिति की आखिरी बैठक में जबरदस्त हंगामा हुआ। दस विपक्षी सदस्यों को निलंबित करने के बाद बैठक सुचारू रूप से चली। भाजपा नेतृत्व वाले एनड़ीए के चौदह प्रस्ताव पारित कर दिए, जबकि विपक्ष के तरफ रखे सभी 44 प्रस्ताव खारिज कर दिया गया। वक्फ बोर्ड.से प्रस्तावित दो गैर-मुस्लिम सदस्यों को हटाने के सुझाव प्रमुख थे, जिन्हें नामित करने को अनिवार्य बनाने का प्रस्ताव है। वक्फ संपत्ति पर विवाद होने पर कलेक्टर स्तर का अधिकारी जांच करेगा। यह कानून पिछले मामलों पर लागू नहीं होगा। जो वक्फ की संपत्तियां पंजीकृत नहीं हैं, उनका पंजीकरण शुरू होगा। जिन संपत्तियों पर वक्फ का कब्जा है, वे वापस मालिकों को मिल सकेंगी। आरोप लगाया जा रहा है कि ये प्रस्तावित कानून विधेयक के दमनकारी चरित्र को बरकरार रखेगा और मुसलमानों के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करने प्रयास करेगा। विपक्ष इसका विरोध कर रहा है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को चोट पहुंचाने का आरोप लगा रहा है। वे संसद से मंजूरी मिलने पर सुप्रीम कोर्ट जाने की धमकी दे रहे हैं। जैसा कि भाजपा कांग्रेस के वोट बैंक की राजनीति में सुराख करने व गरीब मुसलमानों को उनका हक दिलाने के नाम पर इसे कानून बनाने की मशक्कत लंबे समय से कर रही है। तमाम विरोधों के बावजूद कुछ लोग कब्रिस्तान में होने वाले अतिक्रमणों व जबरन की जा रही अनधिकृत कब्जेदारी से निजात पाने के लिए इस निर्णय से खुश भी हैं। वक्फ संपत्तियों के प्रशासन व प्रबंधन के उद्देश्य से संशोधन विधेयक 2024 को लेकर अभी भी बड़ी चुनौतियां बनी हुई हैं। अनुमान है कि 2009 में वक्फ के पास चार लाख एकड़.जमीन थी, जो आठ लाख एकड़.तक जा पहुंची है। इनमें कब्रगाहों के अतिरिक्त मदरसों व मस्जिदों की जमीनें बताई जाती हैं। हालांकि धारा 104ए पहले ही वक्फ संपत्ति की बिक्री, उपहार, किसी भी तरह के बंधन या हस्तांतरण को प्रतिबंधित करता है। मगर वक्फ को दिए गए अधिकारों को लेकर लगातार सवाल उठाए जाते रहे हैं। चूंकि मोदी सरकार समुदाय विशेष के साथ पक्षपाती रवैया रखती है इसलिए उसके द्वारा लिए गए कोई भी निर्णय संदेह से परे नहीं माने जाते। विपक्ष को अपनी बात सलीके से रखनी चाहिए परंतु उसकी अनसुनी किया जाना तर्कसंगत नहीं कहा जा सकता। समिति को एकतरफा निर्णय लेने की बजाए मध्यमार्ग अपनाने के प्रति जबावदेह होना चाहिए।

चिंतन-मनन

जीना और मरना

जिस भांति हम जीते हैं, उसे जीवन नाममात्र को ही कहा जा सकता है। हमे न जीवन का पता है; न जीवन के रहस्य का द्वार खुलता है। न जीवन के आनंद की वष्रा होती है; न हम यह जान पाते हैं कि हम क्यों जी रहे हैं, किसलिए जी रहे हैं? हमारा होना करीब-करीब न होने के बराबर होता है। किसी भांति अस्तित्व ढो लेते हैं, जीवित रहते हुए मुर्दे की भांति। लेकिन ऐसा भी होता है कि मरते क्षण में भी कोई जीवंत होता है कि उसकी मृत्यु को भी हम मृत्यु नहीं कहते। बुद्ध की मृत्यु को हम मृत्यु नहीं कह सकते हैं और अपने जीवन को हम जीवन नहीं कह पाते हैं। कृष्ण की मृत्यु को मृत्यु कहना भूल होगी। उनकी मृत्यु को हम मुक्ति कहते हैं। उनकी मृत्यु को हम जीवन से और महाजीवन में प्रवेश कहते हैं। उनकी मृत्यु के क्षण में कौन-सी प्रांति घटित होती है, जो हमारे जीवन के क्षण में भी घटित नहीं हो पाती। किस मार्ग से वे मरते हैं कि परम जीवन को पाते हैं। और किस मार्ग से हम जीते हैं कि जीवत रहते हुए भी हमें जीवन की कोई सुगंध का भी पता नहीं पड़ता है। जिसे हम शरीर कहें, वह हमारे लिए कब्र से ज्यादा नहीं है, एक चलती-फिरती कब्र। और यह लंबा विस्तार जन्म से लेकर मृत्यु तक, बस आहिस्ता-आहिस्ता मरते जाने का ही काम करता है। ऐसे रोज-रोज और मौत के करीब पहुंचते हैं। हमारी सारी यात्रा मरघट पर पूरी हो जाती है। जीने का सब कुछ निर्भर है जीने के ढंग पर और मरने का भी सब कुछ निर्भर है मरने के ढंग पर। हमें जीने का ढंग भी नहीं आता। बुद्ध जैसे व्यक्ति को मरने का ढंग भी आता है। कृष्ण ने कहा है, ।हे अजरुन, जिस काल में शरीर त्यागकर गए योगीजन, पीछे न आने वाली गति और पीछे आने वाली गति को भी प्राप्त होते हैं, उस काल को, उस मार्ग को मैं तुमसे कहूंगा। इसमें दो-तीन बातें समझ लेनी चाहिए। जिस काल में, जिस क्षण में। बड़ा मूल्य है क्षण का, बड़ा मूल्य है काल का। उस क्षण का जिसमें कोई व्यक्ति मृत्यु को उपलब्ध होता है।

महाकुंभ में भगदड़ : कुप्रबंधन या वीआईपी संस्कृति का दुष्प्रभाव

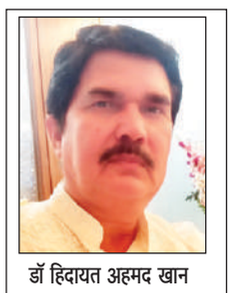

डॉ हिदायत अहमद खान

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज महाकुंभ में मंगलवार और बुधवार की मध्यरात्रि को हुई भगदड़ की घटना वास्तव में बेहद ही दुःखद और हृदयविदारक है। महाकुंभ जैसे विशाल आयोजन जहां करोड़ों श्रद्धालु आते हैं वहां भीड़ प्रबंधन सबसे बड़ी चुनौती होती है। एक छोटी सी असावधानी या किसी गलती के कारण इस तरह की भगदड़ से कई निर्दोष श्रद्धालुओं की जान चली जाती है, जबकि अनेक लोग घायल हो इलाज के लिए अस्पताल का रुख करते हैं। प्रयागराज महाकुंभ में हुई दुःखद घटना को लेकर राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित देश के तमाम बड़े नेताओं ने संवेदना व्यक्त की है। यह तो ठीक है, लेकिन सवाल यही है कि ऐसी घटनाएं बार-बार क्यों होती हैं? कभी कोई अफवाह भगदड़ का कारण बनती है तो कभी अचानक कोई छोटी घटना बड़ी भगदड़ का कारण बन जाती है। फिलहाल प्रयागराज महाकुंभ में श्रद्धालुओं की बड़ती संख्या और उस पर वीआईपी मूवमेंट पर ज्यादा ध्यान देना भगदड़ का कारण बताया जा रहा है। यह सच है कि भीड़ भरे इलाकों में जब-जब वीआईपी मूवमेंट को प्राथमिकता दी जाती है, तब-तब आम श्रद्धालुओं की सुरक्षा में कमी आ ही जाती है। ऐसे में भीड़ नियंत्रण के लिए बेहतर उपाय किए जाने की अक्सर सलाह दी जाती है, लेकिन एक चूक और आमजन की जान-जोखिम में पड़ जाती है, जैसा कि महाकुंभ के दौरान देखने में आया है। अतः ऐसी स्थिति में भीड़ नियंत्रण के साथ ही वीआईपी कल्चर वाले प्रबंधन पर भी विचार करने की आवश्यकता आन पड़ी है। प्रयागराज महाकुंभ में हुई भगदड़ की घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस हादसे में कई श्रद्धालुओं की जान चली गई और अनेक लोग घायल हो गए हैं, घायलों का उपचार प्रथम प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है। ऐसे में जहां सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेताओं ने घटना को लेकर गहरी संवेदनाएं और दुख जताया है वहीं हर बार की तरह, इस बार भी प्रशासन की तैयारियों को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। विपक्ष ने तो विशेष रूप से, भीड़ प्रबंधन और वीआईपी मूवमेंट को लेकर गहरी चिंताएं जताई हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इस घटना पर दुख व्यक्त करते हुए भीड़ नियंत्रण को लेकर सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि आम श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा से अधिक प्रशासन का ध्यान वीआईपी मूवमेंट पर रहता है, जिससे अव्यवस्था फैलती है। यहां राहुल गांधी ने बहुत सही कहा है कि वीआईपी संस्कृति पर रोक लगाकर बेहतर प्रबंधन किया जा सकता है। उन्होंने सरकार से यह सुनिश्चित करने की मांग भी की है कि आगे ऐसी घटनाएं न हों और आम श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाए। बात बहुत ही गंभीर है, लेकिन सवाल यही है कि क्या वीआईपी मूवमेंट को दरकिनार कर आमजन को सुविधाएं मुहैया कराए जाने पर कार्य किया जा सकता है? इसके लिए आमजन की जिम्मेदारी तय करना मुश्किल बात है, लेकिन सरकार चाहे तो वीआईपी कल्चर पर रोक लगाते हुए खुद अपने स्तर पर जनसुविधाओं को बेहतर करने का काम कर सकती हैं। वीआईपी सुरक्षा के नाम पर जिस तरह से आमजन की भीड़ को नियंत्रित करने की परंपरा है, उसे बदलना फिलहाल किसी के बूते की बात नहीं है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि वीआईपी सदा से ही अपराध जगत के निशाने पर रहते आए हैं। ऐसे में अपराधी भीड़ का सहारा लेकर वीआईपी पर हमले करते रहे हैं और देश ने ऐसे ही हमलों में अपने हरदिल अजीज अनेक नेताओं को खोया भी है। इसलिए वीआईपी कल्चर बदलने से पहले देश में अपराध और अपराधियों को रोकने का माकूल इंतजाम करना होगा।

अब बनने लगा है गांधी के सपनों का भारत

ललित गर्ग

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के निर्वाण दिवस जब हम नये भारत-सशक्त भारत को विकसित होते हुए देखते है तो प्रतीत होता है कि यह गांधी के ही सपनों का भारत बन रहा है। कांग्रेस की पूर्व सरकारों ने गांधी की केवल मूर्तियां स्थापित की, लेकिन भाजपा सरकार अपनी नीतियों में गांधी दर्शन को लागू कर रही है। गांधी के अहिंसा दर्शन को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी न केवल देश में बल्कि दुनिया में स्थापित कर रहे हैं। गांधी की अहिंसा ने भारत को गौरवान्वित किया है, भारत ही नहीं, दुनियाभर में अब उनकी जयन्ती को बड़े पैमाने पर अहिंसा दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। महात्मा गांधी महानायक के रूप में ही नहीं, देवनायक के रूप में लोकतंत्र के मजबूत आधार एवं संकटमोचक है। संसद से लेकर सड़क तक, कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक और व्यक्ति से लेकर विचार बनने तक जीवन के हर नीति में, हर दृष्टिकोण में, हर मोड़ पर गांधी की व्याप्ति है। भारत का स्वतंत्रता संग्राम हो या फिर नये भारत की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक परिस्थितियां हमारी हर सोच में, हर क्रियाएं में, हर नीति में गांधी का होना यह दर्शा रहा है कि आज गांधी पूर्व सरकारों की तुलना में ज्यादा जीवंत बने हैं।

महात्मा गांधी के विचार एवं दर्शन पर ही मोदी सरकार की योजनाएं एवं नीतियां आगे बढ़ रही है। इस बात का खुलासा स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने करते हुए कहा है कि उनके सबका साथ, सबका विकास के विचार की प्रेरणा 1980 के दशक की है। मोदी ने अपने हाथ से लिखे एक नोट्स में इस विचार के बारे में काफी पहले ही लिख दिया था। मोदी द्वारा लिखे गए नोट्स से पता चलता है कि महात्मा गांधी के आदर्शों ने उनके जीवन पर गहरा प्रभाव छोड़ा है, जो केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं में भी स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ता है। जिसमें युवा मोदी ने महात्मा गांधी के विचारों उद्धरत करके लिखा था, मैं सबसे बड़ी संख्या की सबसे बड़ी भलाई के सिद्धांत में विश्वास नहीं करता। यह 51 प्रतिशत की अच्छाई के लिए 49 प्रतिशत की भलाई का त्याग करना है। यह सिद्धांत एक क्रूर सिद्धांत है। इसके माध्यम से मानवता को काफी नुकसान हुआ है। मानवता के लिए एक मात्र सिद्धांत है कि सभी के लिए भलाई के काम में विश्वास करना।ह्व मोदी सरकार सभी की भलाई के लिये काम करते हुए गांधी दर्शन को ही आगे बढ़ा रही है।

मोदी का स्वच्छता मिशन गांधी की स्वच्छता सोच को ही आगे बढ़ाने का उपक्रम है। राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) भी गांधी के नाम पर चल रही योजना है। भारतीय मुद्रा से लेकर शासन-प्रशासन के हर कार्यस्थल पर गांधी है। हम गांधी के संवाद और सहिष्णुता के सिद्धान्तों को अपनाते हुए युद्ध, आतंकवाद और हिंसा को निस्तेज बना रहे हैं। दलित-आदिवासियों को न्याय और सम्मानपूर्ण जीवन प्रदत्त कर रहे हैं तो भारतीय संस्कृति एवं सांस्कृतिक पुनरुत्थान में जुटे हैं। भारत माता, गौ माता और गंगा माता के सांस्कृतिक एवं धार्मिक चिन्तन को आगे बढ़ाते हुए गांधी की मूल अवधारणा को ही आगे बढ़ते हुए देख रहे हैं। आज गांव, गरीब और स्वराज में गांधी की ही सोच आगे बढ़ रही है कि आज भारत में लोकतंत्र की चाल, चेहरा और चरित्र बदला जा रहा है तथा आस्थाओं की राजनीति को बल देते हुए जाति-धर्म का उन्माद नियंत्रित किया जा रहा है। महात्मा गांधी, आंबेडकर और दीनदयाल उपाध्याय आज इसलिए भारत निर्माण की नई व्याख्याओं में सबसे आगे हैं। वसुधैव कुटुम्बकम एवं सर्वधर्म सद्भाव का विचार आज सर्वाधिक बलशाली बन कर दुनिया के लिये आदर्श बन गया है।

मानव ने ज्ञान-विज्ञान में आश्चर्यजनक प्रगति की है। परन्तु अपने और औरों के जीवन के प्रति सम्मान में कमी आई है। विचार-क्रान्तियां बहुत हुईं, किन्तु आचार-स्तर पर क्रान्तिकारी परिवर्तन कम हुए। शान्ति, अहिंसा और मानवाधिकारों की बातें संसार में बहुत हो रही हैं, किन्तु सम्यक्-आचरण का अभाव अखरता है। गांधीजी ने इन स्थितियों को गहराई से समझा और अहिंसा को अपने जीवन का मूल सूत्र बनाया। यदि अहिंसा, शांति और समता की व्यापक प्रतिष्ठा नहीं होगी तो भौतिक सुख-साधनों का विस्तार होने पर भी मानव शांति की नींद नहीं सो सकेगा। महात्मा गांधी के सच्चे उत्तराधिकारी के रूप में नरेन्द्र मोदी हमारे सामने हैं, उनके प्रभावी एवं चमत्कारी नेतृत्व में हम अब वास्तविक आजादी का स्वाद चखने लगे हैं, आतंकवाद, जातिवाद, क्षेत्रीयवाद, अलगाववाद की कालिमा धूल गयी है, धर्म, भाषा, वर्ग, वर्ण और दलीय स्वार्थों के राजनीतिक विवादों पर भी नियंत्रण हो रहा है। इन नवनिर्माण के पदचिन्हों को स्थापित करते हुए हम गांधी को जीवंत बनाये हुए है, यही कारण है कि कभी हम स्कूलों में शोचालय की बात सुनते है तो कभी गांधी जयन्ती के अवसर पर स्वयं झाड़ू लेकर स्वच्छता अभियान का शुभारंभ करते हुए मोदी को देखते हैं। मोदी कभी विदेश की धरती पर हिन्दी में भाषण देकर राष्ट्रभाषा को गौरवान्वित करते है तो कभी ह्लमेक इन इंडियाह्व का शंखनाद कर देश को न केवल शक्तिशाली बल्कि आत्म-निर्भर बनाने की ओर अग्रसर करते हैं। नई खोजों, दक्षता, कौशल विकास, बौद्धिक संपदा की रक्षा, रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी उत्पादन, श्रेष्ठ का निर्माण-ये और ऐसे अनेकों गांधी के सपनों को आकार देकर सचमुच लोकतंत्र एवं राष्ट्रीयता को सुदीर्घ काल के बाद सार्थक अर्थ दिये जा रहे हैं।

हम देशवासियों के लिये अपूर्व प्रसन्नता की बात है कि गांधी की प्रासंगिकता चमत्कारिक ढंग से बढ़ रही है। देश एवं दुनिया उन्हें नए सिरे से खोज रही है। उनको खोजने का अर्थ है अपनी समस्याओं के समाधान खोजना, युद्ध, हिंसा एवं आतंकवाद की बढ़ती समस्या का समाधान खोजना। शायद इसीलिये कई विश्वविद्यालयों में उनके विचारों को पढ़ाया जा रहा है, उन पर शोध हो रहे हैं। आज भी भारत के लोग गांधी के पदचिन्हों पर चलते हुए अहिंसा, शांति, सह-जीवन, स्वदेशी का समर्थन करते हैं। गांधीजी आज संसार के सबसे लोकप्रिय भारतीय बन गये हैं, जिन्हें कोई हैरत से देख रहा है तो कोई कौतुक से। इन स्थितियों के बावजूद उनका विरोध भी जारी है। उनके व्यक्तित्व के कई अनजान और अंधेरे पहलुओं को उजागर करते हुए उन्हें पतित साबित करने के भी लगातार प्रयास होते रहे हैं, लेकिन वे हर बार ज्यादा निखर कर सामने आए हैं, उनके सिद्धान्तों की चमक और भी बढ़ी है। वैसे यह लम्बे शोध का विषय है कि आज जब हिंसा और शस्त्र की ताकत बढ़ रही है, बड़ी शक्तियां हिंसा को तीक्ष्ण बनाने पर तुली हुई हैं, उस समय अहिंसा की ताकत को भी स्वीकारा जा रहा

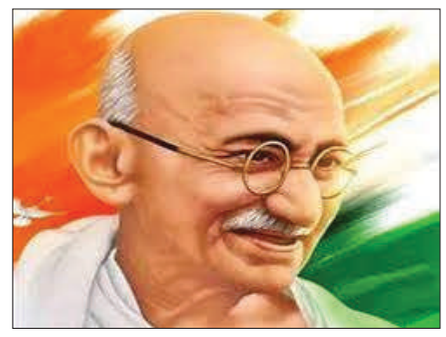

है। यह बात भी थोड़ी अजीब सी लगती है कि पूंजी केन्द्रित विकास के इस तूफान में एक ऐसा शख्स हमें क्यों महत्वपूर्ण लगता है जो आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था की वकालत करता रहा, जो छोटी पूंजी या लघु उत्पादन प्रणाली की बात करता रहा। सवाल यह भी उठता है कि मनुष्यता के पतन की बड़ी-बड़ी दास्तानों के बीच आदमी के हृदय परिवर्तन के प्रति विश्वास का क्या मतलब है? जब हथियार ही व्यवस्थाओं के नियामक बन गये हों तब अहिंसा की आवाज कितना असर डाल पाएगी? एक वैकल्पिक व्यवस्था और जीवन की तलाश में सक्रिय लोगों को गांधीवाद से ज्यादा मदद मिल रही है।

आज जबकि समूची दुनिया में संघर्ष की स्थितियां बनी हुई हैं, हर कोई विकास की दौड़ में स्वयं को शामिल करने के लिये लड़ने की मुद्रा में है, कहीं सम्प्रदाय के नाम पर तो कहीं जातीयता के नाम पर, कहीं अधिकारों के नाम पर तो कहीं भाषा के नाम पर संघर्ष हो रहे हैं, ऐसे जटिल दौर में भी संघर्षरत लोगों के लिये गांधी का सत्याग्रह ही सबसे माकूल हथियार नजर आ रहा है। पर्यावरणवादी हों या अपने विस्थापन के विरुद्ध लड़ रहे लोग, सबको गांधीजी से ही रोशनी मिल रही है। गांधी की अहिंसा से सहयोग, सहकार, सहकारिता, समता और समन्वय जैसे उत्तम व उपयोगी मानवीय मूल्य जीवन्त हो रहे हैं। समस्त समस्याओं का समाधान भी एक ही है, वह है-अहिंसा। अहिंसा व्यक्ति में ह्यवसुधैव कुटुम्बकम्ह्व की विराट भावना का संचार करती है। मनुष्य जाति युद्ध, हिंसा और आतंकवाद के भयंकर दुष्परिणाम भोग चुकी है, भोग रही है और किसी भी तरह के खतरे का भय हमेशा बना हुआ है। मनुष्य, मनुष्यता और दुनिया को बचाने के लिए गांधी से बढ़कर कोई उपाय-आश्रय नहीं हो सकता।

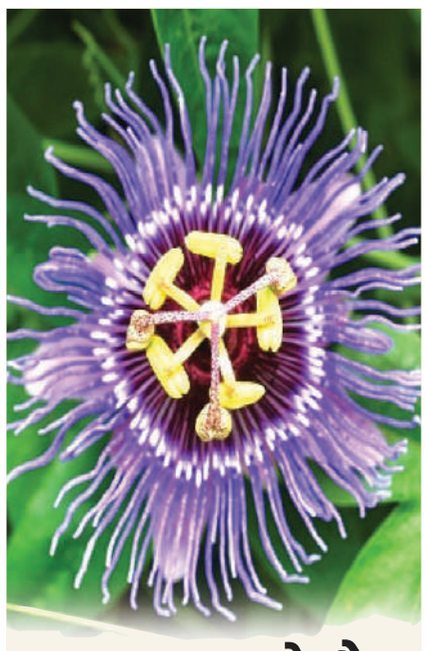

इस फूल में हैं कौरव-पांडव सहित ब्रह्मा, विष्णु और महेश, 12 बजे अपने आप हो जाता है बंद

इस फूल को देखकर आप भी चौंक जाएंगे. दरअसल एक ही फूल में पूरा महाभारत समेत ब्रह्मा विष्णु महेश भी समाहित है. कहा जाता है कि इसमें 108 अंग होते हैं. ऐसा कहा जाता है भगवान शिव को इस पुष्प का अर्पण करने से 108 बार का फल प्राप्त होता है...

यह फूल दिखने में काफी खूबसूरत लगता है. नीचे जो बैंगनी रंग की पंखुड़ियों को देख रहे होंगे उनकी संख्या 100 हैं जिन्हें कौरव कहा जाता है.

इस फूल के ऊपरी हिस्से में जो उजला रंग नजर आ रहा है वह बीज है जिसे पांडव कहते हैं. एक ही फूल में पूरा परिवार समाहित हैं. इसमें कुल भाग 108 होते हैं. इस फूल में कुल 108 भाग होते हैं. जिसमें 100 कौरव, 5 पांडव व तीन छोटे छोटे पिंड हैं, वह ब्रह्मा, विष्णु, महेश के प्रतीक हैं. इस फूल को कई नाम से जाना जाता है, कहीं इसे कृष्ण कमल, कौरव पांडव समेत अन्य नाम से जाना जाता है. यह दो रंग में होता है. इसके फूल बैंगनी व लाल दोनों होते हैं.

यह फूल दुनिया के खूबसूरत फूलों में गिना जाता है. यह पुष्प दिन के 12 बजे खुद ब खुद बंद हो जाता है. यह सबसे अधिक उत्तराखंड की घाटियों में पाया जाता है. ऐसा कहा जाता है कि इस फूल से अभिषेक करने से 108 बार का फायदा मिलता है.

सोब्रिनो डी बोटिनः स्पेन के मैड्रिड शहर में स्थित है दुनिया का सबसे पुराना और अनोखा रेस्तरां

299 साल पहले विश्रामगृह के रूप में हुई थी इसकी शुरुआत

स्पेन एक ऐसा देश है जहां हर दिन लाखों टूरिस्ट पहुंचते हैं. यह देश अपने कल्चर, खूबसूरत लैंडस्केप, टेस्टी फूड्स, और ऐतिहासिक इमारतों के लिए फेमस है. लेकिन यहां के एक रेस्टॉरेंट की चर्चा दुनिया भर में होती है. यह अपने आप में बहुत खास है. इसका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी शामिल है.दुनिया का सबसे पुराना रेस्तरां भी स्पेन में है? जी, हां स्पेन की राजधानी मैड्रिड में स्थित सोब्रिनो डी बोटिन नाम का यह रेस्तरां साल 1725 से लगातार लोगों को स्पैनिश कुजिन का स्वाद चखा रहा है. इसका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी दर्ज है.

मैड्रिड 7 स्पेन के मैड्रिड शहर में एक अनोखा रेस्तरां स्थित है। यह दुनिया का सबसे पुराना रेस्तरां माना जाता है। इसका नाम सोबिनो डी बोटिन है। इस रेस्तरां की शुरुआत साल 1725 में हुई थी। इसकी खास बात यह है कि यह रेस्तरां तब से लेकर आज भी उसी जगह पर संचालित किया जा रहा है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने इस रेस्तरां को दुनिया का सबसे पुराना लंबे समय तक चलने वाला रेस्तरां घोषित किया हुआ है। इसकी खास बात यह है कि कोराना महामारी के भीषण दौर व स्पैनिश ग्रह युद्ध के दिनों में भी यह रेस्तरां बंद नहीं हुआ था।

1590 में बनी इमारत में हुई शुरुआत

इस रेस्तरां की शुरुआत फ्रांसिसी शेफ जीन बोटिन और उनकी पत्नी ने की थी। शुरुआत में इसका स्वरूप एक छोटी सराय या विश्राम ग्रह की तरह हुआ करता था। तब इस रेस्तरां का नाम कासा बोटिन हुआ करता था। जिस इमारत में यह रेस्तरां शुरू किया गया था, वह इमारत 1590 में तैयार हुई थी। खास बात यह है कि शुरुआत में इस रेस्तरां में किसी तरह का खाना नहीं बेचा जाता था। ठहरने के लिए आने बाले पर्यटक अपने साथ लाया खाना यहां खा सकते थे। यहां तक कि उन्हें सराय के परिसर में खाना पकाने की अनुमति भी थी। समय के साथ इसका स्वरूप बदला और यह रेस्तरां के रूप में अपनी सेवाएं देने लगा।

20वीं सदी में आया इसकी ऑनरशिप में बदलाव

जीन बोटिन की कोई संतान नहीं थी। इसलिए इस रेस्तरां का संचालन साल 1753 में बोटिन के भतीजे के जिम्मे आ गया था। तब रेस्तरां का नाम बदलकर सोबिनो डी बोटिन पड़ा था, जिसका अर्थ बोटिन का भतीजा होता है। आज भी यह रेस्तरां इसी नाम से चलाया जा रहा है। 20वीं शताब्दी में इस रेस्तरां की ऑनरशिप में बड़ा बदलाव आया था। इसके इंटीरियर में भी कई बदलाव किए गए थे और इस रेस्तरों को गोंजालिज परिवार ने खरीद लिया था। उवज भी इसका मालिकाना हक उन्हीं के पास है। आज यह रेस्तरां चार फ्लोर पर चलाया जा रहा है। यहां 70 से ज्यादा लोग काम करते हैं और यहां 200 लोगों के बैठने की व्यवस्था की जा सकती है। बोटिन रेस्तरां अपने केस्टेलिन फूड के लिए मशहूर है। इस रेस्तरां में पुलित्जर विजेता अर्नेस्ट हेमिंग्वे के लिए एक टेबल हमेशा रिजर्व रहती है। उनका इस रेस्तरां से अच्छा लगाव था। बोटिन रेस्तरां के खाने में स्पैनिश कल्चर का हमेशा ध्यान रखा जाता है। यहां लंच करने के बाद स्थानीय लोग लंबे समय तक आपस में बात करते रहते हैं। ये उनके कल्बर का हिस्सा है। रेस्तरां सप्ताह के सातों दिन दोपहर एक बजे से रात के 11.30 बजे तक खुलता है।

टैक्स से बचने के लिए 14वीं सदी में बने थे कोन शेप्ड घर

इटली के पुगलिया शहर में कोन शेप्ड घर बनाए गए हैं। इन घरों को ट्रूली हाउसेज कहा जाता है। इन घरों को बनाए जाने के पीछे एक रोचक कहानी है। इन घरों को 14वीं शताब्दी के मध्य में स्पैनिश राजा द्वारा घरों पर लगाए गए टैक्स से बचने के मकसद से बनाया गया था। दरअसल इन घरों को ड्राय कंस्ट्रक्शन मैथड से तैयार किया गया है। इन्हें बनाने में खास पत्थरों को आपस में चूना पेस्ट से जोड़कर बनाया गया है। ऐसे में जब कभी टैक्स इंस्पेक्टर टैक्स वसूलने आया करते थे तो लोग अपनी पत्थरों से बनी छत को गिरा देते थे। जिस घर पर छत न हो उसे तकनीकी रूप से घर नहीं माना जाता था। इसलिए लोग टैक्स से चच जाते थे। इंस्पेक्टर के जाने के बाद लोग पत्थरों को जोड़कर फिर से छत तैयार कर लिया करते थे। कांक्रीट या मिट्टी के स्थान पर चूना पेस्ट व पत्थरों से बने घरों को तैयार होने में कम समय लगता है। इन घरों को संयुक्त राष्ट्र ने विश्व विरासत स्थलों की सूची में रखा है।

नीदरलैंड्स में है दुनिया का सबसे बड़ा मानव निर्मित द्वीप

नीदरलैंड्स का फ्लेवोपोल्डर आइलैंड दुनिया का सबसे बड़ा मानव निर्मित आइलैंड है। यह आइलैंड करीब 1000 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इस आइलैंड का निर्माण साल 1916 में शुरू हुआ था और 1986 तक चला। इस आइलैंड को बनाने के लिए साल 1932 में एक डैम का निर्माण भी करना पड़ा। लोगों को रहने की जगह और कृषि भूमि मुहैया कराने के मकसद से इसे बनाने की शुरुआत हुई थी। आज इस द्वीप पर 4 लाख लोग निवास करते हैं।

अक्सर लोगों के मन में जिज्ञासा उत्पन्न होती रहती हैं. ऐसी ही एक जिज्ञासा है कि कुएं का शेप गोल क्यों होता है. आखिर क्या कारण है कि कुएं को गोल ही बनाया जाता है. चौकोर या अन्य शेप में नहीं.

गोल ही क्यों होता है कुआं क्या है इसके पीछे की वजह

दुनिया में कई चीजे कई सालों से चली आ रही होती है. वह ऐसी क्यों होती है अक्सर हमें इस बारे में नहीं मालूम होता. जैसे किसी चीज का साइज या शेप उस तरह से क्यों है जैसा है. क्या उसके वैसे होने में कोई ठोस कारण छुपा हुआ है. जैसे अक्सर लोग सवाल पूछते हैं. पृथ्वी गोल क्यों होती है. चांद गोल क्यों नजर आता है. और भी तरह के सवाल. ऐसे ही लोगों के मन में एक सवाल आता है. चलिए पृथ्वी और चांद का शेप तो इंसान बस में नहीं था. लेकिन कुएं का निर्माण तो इंसान ने किया था. उसका शेप गोल क्यों किया गया.

इस वजह से कुआं होता है गोल

कुएं को जब बनाया जाता है तो जमीन भर गड्ढा करके बनाया जाता है. गोल शेप में गड्ढा करना हमेशा से आसान रहा है. बजा है स्क्वायर शेप में करने के. जब हम ड्रिल मशीन से घर में छेद करते हैं आपने देखा होगा वह छेद गोल शेप में होते हैं. ऐसे ही जब कुएं की ड्रिलिंग की जाती है. तब उसकी शेप भी गोल हो जाता है. दूसरी वजह यह है कि अगर कुएं को स्क्वायर शेप में बनाया गया. तो कुएं के अंदर मौजूद पानी उसके चारों कोनों में प्रेशर अप्लाई करेगा. जिससे कुआं कमजोर हो सकता है और इसकी दीवारें कमजोर हो सकती है. कुओं के गोल होने के चलते पानी दीवारों पर प्रेशर ज्यादा अप्लाई नहीं कर पाता. जिस वजह से कुएं काफी समय तक चलते हैं.

लिक्विड भरने के सभी बर्तन होते हैं गोल

पानी लिक्विड होता है और घरों में पानी भरने के जो भी बर्तन होते हैं. अगर आपने गौर किया होगा तो सब का शेप गोल होता है. जिसमें गिलास, कटोरी, प्लेट, खाली, बाल्टी सब गोल होते है. यहां भी वही नियम है अगर इनका शेप स्क्वायर यानी चौकोर होगा तो कोने खराब होने का चांस ज्यादा रहता है. कुआं गोल होता है तो उसकी मिट्टी भी काफी समय तक अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखती है. चौकोर कुएं की मिट्टी कोनों से धंसने लगती है.

संक्षिप्त खबरें

कार व बाइक की टक्कर में शिक्षक की मौत

पिपरा (सुपौल)। पिपरा-सिंहेश्वर पथ पर एनएच 106 फ्लावर मिल अमहा पिपरा के समीप बुधवार की सुबह कार व बाइक की टक्कर में शिक्षक की मौत हो गयी, जबकि उनका पुत्र घायल हो गया। जानकारी के अनुसार बाइक पर सवार अमहा वार्ड नंबर 05 निवासी शिक्षक राजीव कुमार अपने पुत्र कृष्णा कुमार के साथ मध्य विद्यालय मानगंज जा रहे थे। इसी दौरान कार व उनकी बाइक में टक्कर हो गयी, जिसमें दोनों बुरी तरह घायल हो गये। स्थानीय लोगों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पिपरा पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने स्थिति चिंताजनक देख बेहतर इलाज के लिए जख्मी को सुपौल रेफर कर दिया। हालांकि सुपौल पहुंचने पर ही राजीव कुमार को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

राइस मिल मालिक के पुत्र का अपहरण कर हत्या

डेहरी आन सोन। रोहतास जिले के करगहर थाना क्षेत्र के बभनी गांव में राइस मिल मालिक के तीन दिनों पूर्व लापता सात वर्षीय पुत्र का शव आज पड़ोसी के घर भूसे में गड़ा हुआ बरामद किया गया। मृतक बभनी गांव निवासी सुधीर सिंह के इकलौता सात वर्षीय पुत्र हिमांशु कुमार बताए जाते हैं। घटनास्थल पर पहुंचे एसपी रौशन कुमार की उपस्थिति में डाग स्क्वायड समेत अन्य टीम जांच कर रही है। 26 जनवरी के दिन हिमांशु विद्यालय में झंडोत्तोलन कार्यक्रम में गए हुए थे। दोपहर में घर लौटने के बाद एक बजे दिन में घर से बाहर दुकान पर कुछ सामान खरीदने के लिए गए थे लेकिन रात तक घर नहीं लौटे, जिसके बाद स्वजन ने थाना में गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया।दो दिन पूर्व एसपी ने भी वहां पहुंच इसकी जांच शुरू की। पड़ोसी सुनील सिंह के कोठे पर बच्चा की हत्या कर भूसे में दबाकर रखा गया था। शव से इतना दुर्गंध आ रहा था कि अगल-बगल के लोग परेशान होकर सुनील सिंह के घर में गए तो उनके कोठे पर रखे भूसे में हिमांशु की लाश मिली।

कोहरे के कारण टकरायीं 10 गाड़ियां, छह घायल

पूर्वी चंपारण। घने कोहरे के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर सरोतर पहल के समीप बुधवार को सुबह चार जगहों पर दस से अधिक गाड़ियां आपस में टकरा गयीं। इसमें यात्रियों को लेकर जा रही राज बस का चालक, उसमें सवार चार यात्री एवं एक ट्रक का उप चालक गंभीर रूप से घायल हो गये। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों में राज बस, गैस सिलिंडर लदा ट्रक, गैस टैंकर, यात्री बस, ट्रक और एंबुलेंस शामिल हैं। हादसे के बाद सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी जख्मियों को स्थानीय अस्पताल भेजा। जख्मियों में राज बस चालक राजीव कुमार वैशाली जिले के गोरौल का रहनेवाला है। बस का खलासी गुड्डू कुमार मिश्रा सीहो बहनगरी थाना सकरा,मुजफ्फरपुर का निवासी है। जख्मी यात्रियों में वाहिद सारण जिले के जलालपुर का रहनेवाला है। अमजद खान काल्याचक, सीलमपुर, दलीग्राम पश्चिमी बंगाल के रहनेवाले हैं।

अवैध शराब के धंधेबाजों का पुलिस टीम पर हमला

दिघवारा। थाना क्षेत्र के बसतपुर गांव के खजुरबन्नी में शराब धंधेबाजों को पकड़ने गयी पुलिस पर धंधेबाजों ने हमला कर दिया। पुलिस ने छापेमारी के दौरान 50 लीटर देसी शराब के साथ एक धंधेबाज को गिरफ्तार कर लिया था जिसे दर्जनों धंधेबाज बलपूर्वक पुलिस के चंगुल से छुड़ाकर फरार हो गये। इस दौरान दो पक्षों की आपसी झड़प में थानाध्यक्ष अंकित कुमार समेत कई पुलिसकर्मी चोटिल हो गये। थानाध्यक्ष सिंह ने घटना के संबंध में बताया कि बसतपुर गांव से मोबाइल पर सूचना मिली कि खजुरबन्नी में अवैध रूप से देशी शराब की बिक्री की जा रही है।

घर के सामने सीढ़ी बनाने के विरोध पर पीट कर मार डाला

बेतिया (पश्चिम चंपारण)। शहर के कालीबाग थाने के वार्ड नंबर पांच में पक्की फुलवारी एमजेके नगर में सीढ़ी बनाने के विवाद में लोगों ने मिस्त्री की पीट-पीटकर हत्या कर दी। उसकी पहचान कालीबाग थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर पांच पक्की फुलवारी एमजेके नगर निवासी रामजी महतो (55 वर्ष) के रूप में हुई है। पुलिस ने दो महिला समेत तीन को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। उसके पुत्र आलोक कुमार ने मुहल्ले के महंत पटेल, सुनील पटेल, उनकी पत्नी सोनी देवी, सोनी देवी के भाई, पुत्री प्रिया कुमारी, पुत्र किशन कुमार, पुत्री गुड़िया कुमारी पर मारपीट कर हत्या का आरोप लगाया है। आलोक ने बताया है कि महंत पटेल ससुराल में रहते हैं। उसका व महंत पटेल का घर आमने-सामने है। उसके पिता रामजी महतो का महंत पटेल से पूर्व से विवाद चल रहा था। महंत पटेल घर के बाहर रास्ते पर सीढ़ी बनाने की कोशिश करते थे। इसका उसके पिता रामजी महतो विरोध करते थे। उनका कहना था कि सीढ़ी निकालने के बाद रास्ता पतला हो जायेगा। इसे लेकर एक महीना पहले भी विवाद हुआ था। उस समय काफी बवाल हुआ था। बाद में पंचायत भी हुई थी। आलोक ने बताया कि बुधवार को सुबह साढ़े छह बजे उसके पिता टहल कर घर लौटे तो देखा कि आरोपित मिल कर सीढ़ी का निर्माण करा रहे हैं। उन्होंने विरोध किया। वे लोग नहीं माने और सीढ़ी बनाने लगे। सीढ़ी बनाने से रोकने पर आरोपितों ने उन्हें ढकेल दिया। धक्का लगने से रामजी ईंट पर गिर गये। इससे मौत हो गयी।

कुएं में मिला लापता युवक का शव, हत्या की आशंका

सोनो (जमुई)। बटिया थाना क्षेत्र की दहियारी पंचायत के तेलियादह गांव में बुधवार को युवक का शव कुएं से बरामद हुआ। मृतक की पहचान तेलियादह निवासी दामोदर यादव के पुत्र डब्लू यादव के रूप में हुई है। डब्लू बीते 25 जनवरी की रात से ही लापता था। परिजनों ने युवक की हत्या की आशंका जतायी है। बुधवार की सुबह पानी लेने गयी महिला ने कुएं में शव उपलता हुआ देखा। डब्लू 10 दिन पहले ही पिता बना था।

लूटे गए ऑटो के साथ चार अपराधी गिरफ्तार

भागलपुर। जिले के कहलगांव थाना अन्तर्गत ग्राम हरचन्दपुर नहर के पास हुए टेम्पू लूट कांड का पुलिस ने सफल उद्भेदन कर लिया है। इस मामले में 04 अपराधकर्मी को गिरफ्तार किया गया है, साथ ही झारखंड के साहिबगंज से ऑटो बरामद कर लिया गया है। उक्त आशय की जानकारी बुधवार को कहलगांव डीएसपी ने दी।

डीएसपी ने बताया कि बीते 20 जनवरी को कहलगाँव थाना अन्तर्गत ग्राम-हरचन्दपुर नहर के पास 04 अज्ञात अपराधकर्मियों द्वारा टेम्पू चालक का हाथ पैर बांधकर उसका टेम्पू, मोबाईल तथा 700 रू लूट लिया गया। इस संबंध में टेम्पू चालक के आवेदन के आधार पर कहलगाँव थाना में सुसंगत धाराओं में मामला पंजीकृत किया गया। वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक नगर के निगरानी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, कहलगाँव के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। उक्त टीम द्वारा तकनीकी अनुसंधान एवं मानवीय सूत्रों के आधार पर साहिबगंज के राधानगर थाना क्षेत्र से लूटी गयी टेम्पू बरामद किया गया तथा इस घटना में संलिप्त 04 अपराधकर्मियों को विधिवत गिरफ्तार किया गया। उल्लेखनीय है कि गिरफ्तार सोनू कुमार एवं सुनील कुमार ने लूटी गई टेम्पू एजुल शेख एवं सैफुद्दीन को बेच दिया था, जिसे एजुल शेख के घर से बरामद किया गया है। इस कांड में संलिप्त शेष अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

अनंत सिंह की जमानत की अर्जी पर सुनवाई आज

पटना। नाजायज मजमा बना कर शस्त्रों का अवैध प्रयोग करने और हत्या के प्रयास के केस में जेल में बंद पूर्व विधायक अनंत सिंह की जमानत याचिका पर सुनवाई पटना की एक विशेष अदालत में शुक्रवार को होगी। सांसदों एवं विधायकों के आपराधिक मामलों की सुनवाई के लिए गठित विशेष अदालत के अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी अमित वैभव की अदालत में गुरुवार को पूर्व विधायक अनंत सिंह की ओर से वकील सुनील कुमार ने नियमित जमानत अर्जी दाखिल की। अदालत ने इस पर सुनवाई के लिए 30 जनवरी की तिथि तय की है। गौरतलब है कि इस मामले में पटना जिले के पंचमहला थाने में थाना कांड संख्या 4/2025 दर्ज है।

सरकारी स्कूल की पानी टंकी में असामाजिक तत्वों ने डाली सल्फॉस की गोली

- बच्चों और शिक्षकों की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

पूर्वी चंपारण। जिले के चकिया थाना क्षेत्र में एक बड़ा हादसा टल गया है। दरअसल चकिया केसरिया मार्ग पर स्थित कोयला बेलवा मध्य विद्यालय के पानी के टंकी में असमाजिक तत्वो ने सल्फास की गोली डाल दिया।गनीमत यह रही कि जिस दौरान पानी की टंकी में सल्फास की गोली डाली गई। उस दौरान स्कूल में बच्चे नहीं थे। जिस कारण किसी बच्चे ने उस जहरीली पानी को नहीं पिया।अन्यथा कोई बड़ा हादसा हो सकता था।

मिली जानकारी के अनुसार बुधवार की सुबह जब स्कूल खुला तो बच्चों और शिक्षकों ने अजीब सी गंध महसूस किया। जिसके बाद आनन-फानन में स्कूल के सभी कमरे और छत की जांच की गई।इस दौरान जब पानी की टंकी को खोला गया तो टंकी में सल्फास का गोली रखा मिला।वही टंकी के आस पास सल्फॉस के पाउडर भी मिले।जिसके बाद टंकी के मेन नॉब को बंद किया गया ताकि सभी नल में पानी बंद हो सके।फिर टंकी की सफाई कराई गयी।इस अप्रत्याशित घटना को लेकर स्कूल के प्रधानाध्यापक प्रेम नारायण कुमार ने बताया कि शिक्षको और बच्चो की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया।असामाजिक तत्वों का मंसूबा पानी की टंकी में सल्फास डालकर बड़ा हादसा करने की थी।

कटिहार जिला को मुख्यमंत्री ने दी 166.96 करोड़ की सौगात

- 145 विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास

कटिहार। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रगति यात्रा के तीसरे चरण में बुधवार को कटिहार पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कुल 166.96 करोड़ रुपये की योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया, जिसमें 56.50 करोड़ रुपये की योजनाओं का लोकार्पण एवं 110.46 करोड़ रुपये की योजना का शिलान्यास शामिल है।

मुख्यमंत्री ने जिन 88 योजनाओं का लोकार्पण किया उसमें मुख्यरूप से ग्रामीण क्षेत्र की सड़कों का निर्माण, कदवा प्रखंड के कुम्हरी में फुटबॉल स्टेडियम का निर्माण, हसनगंज में प्रथम वर्गीय पशु चिकित्सालय का निर्माण, नगरनिगम क्षेत्र अंतर्गत सड़क एवं नाला निर्माण आदि शामिल है। नीतीश कुमार ने जिन 57 योजनाओं का शिलान्यास किया उनमें मुख्यरूप से अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय, मदरसों में अतिरिक्त वर्ग कक्ष एवं कम्प्यूटर लैब का निर्माण, विभिन्न प्रखंडों में होल-डे मिल्क बूथ का निर्माण, विभिन्न पंचायतों में पंचायत सरकार भवन का निर्माण आदि शामिल हैं।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रगति यात्रा क्रम में सबसे पहले गोगबिल झील का हवाई सर्वेक्षण करते हुए कोढ़ा प्रखंड के रामपुर पंचायत पहुंचे। इस दौरान उन्होंने हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, मनरेगा भवन, पंचायत सरकार भवन आदि का निरीक्षण किया। रामपुर के बाद उन्होंने कटिहार नगर निगम स्थिति राजेन्द्र स्टेडियम में प्रस्तावित स्पोर्ट काम्प्लेक्स के निर्माण हेतु स्टेडियम का अवलोकन किया। इसके बाद नितीश कुमार ने शरीफगंज में अल्पसंख्यक बालक छात्रावास का भ्रमण एवं विभिन्न विभागीय शिलान्यास कार्यक्रम में भाग लिया।

दरभंगा में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने बाइक को मारी टक्कर, दो की मौत

पटना। बिहार में दरभंगा जिले के बहेड़ी-सिंघिया मुख्य मार्ग पर सड़क दुर्घटना में दो नाबालिग किशोरों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान बिरौल थाना क्षेत्र के सर्दी गांव के 18 वर्षीय रमेश सदा और 8 वर्षीय दीपक सदा के रूप में की गई है। पुलिस के मुताबिक यह हादसा जिले के जगन्नाथपुर में हुआ है। एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने बाइक सवार रमेश, दीपक और राजा सदा को टक्कर मार दी। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद स्थानीय लोगों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां रमेश को मृत घोषित कर दिया गया। दीपक और राजा सदा को डीएमसीएच रेफर किया गया, लेकिन इलाज के दौरान दीपक की भी मौत हो गई।

घटना को अंजाम देने के बाद स्कॉर्पियो चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने उसकी तलाश शुरू कर दी है। घटना के बाद गांव में कोहराम मच गया और मृतकों के परिवारों में शोक की लहर दौड़ गई है। स्थानीय मुखिया कल्पना प्रिया ने घटना की पुष्टि की और मृतकों के परिवार को सरकारी सहायता देने की मांग की।

उधर, परिजनों ने बताया कि रमेश सदा अपने गांव के राजा सदा और उसके सगे भाई दीपक सदा के साथ बाइक पर सवार होकर देवकुली धाम मेला देखने जा रहा था। रास्ते में जगन्नाथपुर में मिले गांव के ही कृष्ण कुमार से सड़क किनारे बात करने लगा। इसी दौरान बहेड़ी की ओर से आ रही तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने इन्हें रौंद दिया। स्थानीय लोग सभी को एक अस्पताल में ले गये, जहां रमेश को मृत घोषित कर दिया। घायलों को गंभीर स्थिति में डीएमसीएच रेफर कर दिया। डीएमसीएच में इलाज के दौरान दीपक की भी मौत हो गयी।

पेज एक का शेष

झारखंड राज्य...

झारखंड कैबिनेट ने निम्नलिखित प्रस्तावों की स्वीकृति दी:

- जीएसटी दर में वृद्धि: निर्माण कार्य श्रेणी की Goods and Services Tax दर में वृद्धि की गई है। इसके तहत नगर विकास एवं आवास विभाग अंतर्गत कार्य संविदाओं में भुगतान/अंतर राशि देयता के लिए प्रक्रिया निर्धारण की स्वीकृति दी गई।
- सेवानिवृत्त पदाचारियों के वित्तीय लाभ: झारखंड उच्च न्यायालय में दायर वाद संख्या WPS No. 777/2023 में राज कुमार राम के सेवा नियमित और अनुमान्य वित्तीय लाभ देने की स्वीकृति दी गई।
- हस्तशिल्प संसाधन केन्द्र के अनुदेशक: विजय कुमार ठाकुर की सेवा नियमित करने के साथ ही उन्हें पेंशनादि लाभ देने की स्वीकृति दी गई।
- सेवा से बर्खास्तगी: मतियस विजय टोप्पो, जो झारखंड प्रशासनिक सेवा के तत्कालीन विशेष विनियमन पदाधिकारी थे, को सेवा से बर्खास्त करने संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।
- उच्चतर शिक्षा पुरस्कार योजना: झारखंड राज्य उच्चतर शिक्षा पुरस्कार योजना को लागू करने की स्वीकृति दी गई, जिससे राज्य के शिक्षकों और संस्थानों को सम्मानित किया जाएगा।
- सहायक शिक्षकों के पद सृजन: उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश के अनुपालन में डोरंडा बालिका उच्च विद्यालय मंभ सहायक शिक्षकों के 02 छाया पद सृजन की स्वीकृति दी गई।

सीएम हेमंत ने...

बेटियों ने झारखंड का नाम रोशन किया: इस मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि आज उत्साह का दिन है। राज्य की दो-दो होनहार बेटियों ने झारखंड का नाम रोशन किया है। अपने हुनर और अपने अंदर छिपी हुई प्रतिभा से देश-दुनिया को चकित कर झारखंड का लोहा मनवाने में सफल हुई हैं। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने विभाग से खिलाड़ियों और उनके प्रशिक्षकों के लिए विशेष योजना तैयार करने को कहा, ताकि एक समय के बाद जब ये खिलाड़ी मुख्य धारा से दूर होती हैं, तो उनको सरकारी सहायता मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे खुशी हो रही है कि मैंने जो पूर्व में वादा किया था, उसे पूरा करने में सफल रहा हूं। आप इसी तरह से झारखंड का नाम रोशन करते रहें। सरकार आपकी पूरी सहायता करेगी।

सलीमा और निक्की ने कहा थैंक्यू : झारखंड मंत्रालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के द्वारा दोनों खिलाड़ियों के माता-पिता, कोच और अन्य सदस्यों को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर सरकार के निर्णय का सलीमा टेटे और निक्की प्रधान ने स्वागत करते हुए सम्मान में मुख्यमंत्री को थैंक्यू कहा और आगे भी झारखंड का नाम ऊंचा करने का वादा किया।

मौके पर ये भी रहे मौजूद : झारखंड मंत्रालय में नगर विकास विभाग और कला संस्कृति एवं खेलकूद विभाग के द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस कार्यक्रम में विभागीय मंत्री सुदिव्य कुमार, मुख्य सचिव अलका तिवारी, पर्यटन विभाग के सचिव मनोज कुमार, आवास बोर्ड के अध्यक्ष संजय लाल पासवान के अलावे बड़ी संख्या में खिलाड़ी मौजूद थे।

वक्फ संशोधन विधेयक...

जेपीसी अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने कहा, अब यह रिपोर्ट गुरुवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के सामने पेश की जाएगी। उसके आगे की कार्यवाही वह करेंगे। कमेटी में शामिल विपक्षी सांसदों ने इस बिल पर आपत्ति जताई। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, हमें कल रात 655 पन्नों की ड्राॅफ्ट रिपोर्ट मिली। 655 पन्नों की रिपोर्ट को रातों-रात पढ़ना असंभव है। मैंने असहमति जताई है और संसद में भी इस विधेयक का विरोध करूंगा।

महाकुंभ भगदड़ : हादसे...

वहीं तमाम व्यवस्था के बावजूद घटना होने की वजह से मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और डीजीपी प्रशांत कुमार को बृहस्पतिवार को प्रयागराज जाने का निर्देश दिया गया है। दोनों अधिकारी घटना के कारणों की समीक्षा करेंगे और अपनी रिपोर्ट सीएम को सौंपेंगे। वहीं घटना के बारे में सीएम ने कहा कि यह दुखद और मर्माहत करने वाली है। उन सभी परिजनों के प्रति हमारी पूरी संवेदना है। हम लोग रात से ही लगातार मेला प्राधिकरण, प्रशासन, पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ के संपर्क में हैं। फिर भी अन्य जितनी भी व्यवस्थाएं हो सकती थीं, उन सबको वहां तैनात किया गया था।

इन राज्यों के इतने लोगों की मौत : डीआइजी महाकुंभ वैभव कृष्ण ने बताया कि मरने वाले 30 में से 25 श्रद्धालुओं की पहचान हो चुकी है और बाकी की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। इनमें कर्नाटक के 4, असम के 1, गुजरात के 1 लोग शामिल हैं। फिलहाल श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 36 लोगों का इलाज किया जा रहा है।

कर्नाटक के चार लोग शामिल : बेलगावी उत्तर से कांग्रेस विधायक आसिफ सैत ने भी दुखद घटना की सूचना मिलने की पुष्टि की है। उन्होंने भी कहा कि महाकुंभ में हुए हादसे में बेलगावी शहर के चार लोगों की जान चली गई है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि हमें जानकारी मिली है कि भगदड़ में बेलगावी शहर के चार लोगों की मौत हो गई है। हम उनके परिजनों के साथ हैं। साथ ही आसिफ सैत ने राज्य सरकार से मृतकों के परिजनों को आर्थिक मुआवजा देने की अपील भी की। विधायक ने यह भी बताया है कि बेलगावी के उपायुक्त मोहम्मद रोशन ने विशेष उपायुक्त को प्रयागराज जाकर शवों को वापस लाने की व्यवस्था करने का निर्देश दिया है।

इन लोगों की हुई मौत : महाकुंभ में जिन लोगों की मौत होने की बात कही जा रही है उनमें वडागांव निवासी भाजपा कार्यकर्ता ज्योति हट्टारवाड़ (50) और उनकी बेटी मेघा हट्टारवाड़ (16) की मौत हो गई है। इसके अलावा, अन्य दो लोगों में बेलगावी की महादेवी भवनूर और अरुण भी शामिल हैं। ज्योति हट्टारवाड़ के परिजनों ने बताया कि मां-बेटी की जोड़ी 26 जनवरी को एक निजी ट्रैवल एजेंसी के माध्यम से बस से प्रयागराज गई थी। उनके साथ 13 सदस्यीय यात्रा समूह का हिस्सा थी। ज्योति के भाई गुरुराज ने कहा कि घायल होने के बाद, वे आज सुबह प्रयागराज के एक निजी अस्पताल में इलाज करा रहे थे। तमाम कोशिशों के बाद उन्होंने दम तोड़ दिया।

महाकुंभ में मौनी अमावस्या पर साढ़े सात करोड़ से ज्यादा लोगों ने किया स्नान

महाकुंभ में मौनी अमावस्या पर साढ़े सात करोड़ से ज्यादा लोगों ने स्नान किया। जबकि 27 करोड़ से ज्यादा लोग अब तक संगम पहुंचे हैं। वहीं सभी 13 अखाड़ों ने इस पावन अवसर पर एक साथ अमृत स्नान भी किया। साधु, संतों पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई। हालांकि, भारी भीड़ और भगदड़ के कारण साधु-संतों के जत्थे को संगम तट तक पहुंचने में तय समय से लगभग 10 घंटे की देरी हुई। प्रयागराज रात एक बजे महाकुंभ भगदड़ के बाद स्थिति अब सामान्यी है। इस बीच सीएम योगी ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि संगम नोज पर जाने का प्रयास न करें। जहां हैं वहीं स्नीान कर लें। उधर, सुबह अमृत (शाही) स्नाहन स्थ गित करने वाले अखाड़ा परिषद ने अब कहा है कि भीड़ छंटने के बाद वे अमृत स्नान करेंगे।

चाईबासा में महिला...

उक्त अभियान के क्रम में बुधवार को सुबह 6.15 से 6.30 बजे के बीच में विलायती टोला के समीप पहाड़ी क्षेत्र में उग्रवादियों की ओर से सुरक्षाबलों को देखकर गोलाबारी शुरू कर दी गई। डीजीपी ने बताया कि आत्मरक्षार्थ के लिए सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्रवाई की। सुरक्षाबलों को भारी पड़ता देख उग्रवादी दस्ता के सदस्य पहाड़ और घने जंगल का लाभ लेते हुए भाग खड़े हुए। मुठभेड़ उपरांत आस-पास के क्षेत्रों में सर्च अभियान चलाया गया, जिस दौरान एक पुरूष और एक महिला नक्सली का शव मिला। इसके साथ, हथियार, कारतूस और अन्य सामानों की भी बरामदगी हुई। उक्त शव की पहचान प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) नक्सली संगठन के जोनल कमेटी सदस्य विनय गंझू उर्फ संजय गंझू उर्फ बारिया के रूप में हुई है, जो मूल रूप से चतरा जिले के लोमगा टोला का रहने वाला है। वहीं, महिला नक्सली की पहचान हेमन्ती मंझियाईन के रूप में हुई है, जो मूल रूप से बोकारो जिला की रहने वाली है। इसके बाद दोनों के शव को सुरक्षित जंगल से निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

महिला नक्सली के खिलाफ 21 से अधिक मामले दर्ज : डीजीपी गुप्ता ने कहा कि संजय गंझू के ऊपर विभिन्न थानों में लगभग पांच मामले दर्ज किए गए थे। साथ ही हेमन्ती मंझियाईन के खिलाफ झारखंड-बिहार राज्य के अलग-अलग थानों में 21 से अधिक मामले दर्ज थे। दोनों नक्सलियों के पास से भारी मात्रा में हथियार आदि सामाग्री बरामद किया गया है। इसमें प्रमुख रूप से इंसास रायफल दो, जिंदा कारतूस 313, इंसास मैंगजीन 9, डेटोनेटर 28 पीस, मैगजीन पाउच, मोबाइल, पैन ड्राईव, डायरी, नक्सली साहित्य, काला वर्दी समेत अन्य सामाग्री शामिल है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों के द्वारा लगातार नक्सिलयों के खिलाफ कारवाई कर उन्हें समाप्त करने के दिशा में कदम आगे बढ़ा रहा है। सुरक्षा बलों ने बहादूरी के साथ अपनी लडाई को जारी रखा है। जल्द ही हम नक्सलियों के विरुद्ध बड़े नतीजे पर पहुंचेंगे।

ये नक्सली नहीं...

लोगों को व्यवसाय मिल रहा है। केंद्र और राज्य सरकार बड़े पैमाने पर स्कीम चला रही है। इससे रोजगार का सृजन हो रहा है। पब्लिक और प्रशासन के बीच संवाद कायम है। समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है। डीजीपी ने कड़े शब्दों में नक्सलियों को चेतावनी देते हुए कहा कि जल्द से जल्द सरेंडर करें, नहीं तो दर्दनाक मौत मारे जाएंगे। उग्रवादी संगठन के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई में जो नक्सली मरे हैं, इन्होंने भी काफी लोगों की हत्या की है। इस घटना में एक जवान के हाथ में गोली लगी है। झारखंड पुलिस घायल जवान का इलाज अच्छे ढंग से कराएगी।

सऊदी अरब : सड़क...

इस दौरान उनकी बस एक ट्रेलर से टकरा गई। बस में कुल 26 लोग सवार थे, जिनमें से 15 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाकी यात्री घायल हो गए। मृतकों में एक भारतीय नागरिक तेलंगाना के जगत्याल जिले के मेटपली मंडल का रहने वाला कपेली रमेश (32) भी शामिल था। रमेश की मौत की खबर से उसके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

भारत सरकार ने जताया शोक : इस हादसे पर भारतीय दूतावास ने गहरी संवेदना व्यक्त की है। दूतावास ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'हम जेद्दा के पास सड़क हादसे में 9 भारतीय नागरिकों की मौत पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं। मृतकों के परिवारों के प्रति हमारी संवेदनाएं हैं। भारतीय वाणिज्य दूतावास स्थानीय प्रशासन और प्रभावित परिवारों के संपर्क में है और सभी संभव सहायता प्रदान कर रहा है।' इस हादसे में घायल लोगों के इलाज की पूरी व्यवस्था की जा रही है। भारतीय मिशन ने पीड़ित परिवारों की मदद के लिए एक विशेष हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया है। सरकार मृतकों के शवों को जल्द से जल्द उनके परिवारों तक पहुंचाने की प्रक्रिया में जुटी है। इस घटना ने सऊदी अरब में काम कर रहे भारतीय श्रमिकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता पैदा कर दी है। सरकार सभी प्रभावित परिवारों को राहत देने के लिए हर संभव कदम उठा रही है।

नक्सलवाद से...

सरकार के विकास कार्यों से प्रभावित : नारायणपुर एसपी प्रभात कुमार ने बताया कि नक्सली नारायणपुर और अबूझमाड़ के माड़ क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों से प्रभावित हैं। इस वजह से उन्होंने सरेंडर किया है। विकास कार्यों ने नक्सलियों को प्रभावित किया है। अब वे सामान्य जीवन जीना चाहते हैं। आत्मसमर्पण करने वाले कार्यकर्ता जनताना सरकार, मिलिशिया, चेतना नाट्य मंडली (सीएनएम - माओवादियों की एक सांस्कृतिक शाखा) और माओवादियों के निचले तबके के सदस्य हैं।

सरेंडर करने वाले नक्सलियों की मांग : एसपी ने बताया कि सरेंडर करने वाले माओवादियों ने अपने इलाके में सड़क, अस्पताल, स्कूल की मांग की है। साथ ही इनके सरकारी दस्तावेज नहीं बने हैं। जिनकी मांग की है। जिसमें आधार कार्ड, बैंक पासबुक, आयुष्मान कार्ड शामिल है। इनकी मांग को देखते हुए कलेक्टर के साथ बैठक करके आगामी दिनों में जल्द से जल्द सभी लाभार्थियों को शासकीय लाभ दिया जायेगा।

इसरो ने सफल...

विक्रम साराभाई और सतीश धवन की दूरदृष्टि से शुरू हुई यात्रा आज नई ऊंचाइयों पर पहुंच गई है। यह प्रक्षेपण भारत के NavIC (नेविगेशन विद इंडियन कांस्टेलेशन) सिस्टम का हिस्सा है। यह एक स्वदेशी नेविगेशन प्रणाली है, जो भारत को विदेशी GPS सेवाओं पर निर्भरता कम करने में मदद करेगी। इससे भारत के परिवहन, सैन्य, समुद्री, कृषि और संचार क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव आएगा।

कैसे करेगा यह सैटेलाइट काम : NVS-02 उपग्रह कई महत्वपूर्ण कार्यों के लिए डिजाइन किया गया है। यह ज़मीन, हवा और समुद्र में नेविगेशन में मदद करेगा। इसके अलावा, सटीक कृषि, बेड़े प्रबंधन (फ्लीट मैनेजमेंट) और मोबाइल लोकेशन सर्विसेज में भी यह अहम भूमिका निभाएगा। इसरो का कहना है कि यह उपग्रह इंटरनेट-ऑफ-थिंग्स (IoT) और आपातकालीन सेवाओं में भी मदद करेगा। इस मिशन की सफलता इसरो को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और मजबूत बनाएगी। हाल के वर्षों में इसरो ने कई महत्वपूर्ण मिशन पूरे किए हैं, जिनमें चंद्रयान, मंगल मिशन और विदेशी उपग्रहों के प्रक्षेपण शामिल हैं। यह मिशन भारत को वैश्विक अंतरिक्ष दौड़ में आगे रखने में मदद करेगा। यह लॉन्च सिर्फ एक मिशन नहीं, बल्कि इसरो की वर्षों की मेहनत और तकनीकी प्रगति का प्रमाण है। इस सफलता ने इसरो को दुनिया की शीर्ष अंतरिक्ष एजेंसियों की सूची में और मजबूत कर दिया है। आने वाले समय में इसरो ऐसे और भी मिशन लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है, जिससे भारत की अंतरिक्ष तकनीक नई ऊंचाइयों पर पहुंचेगी।

माले विधायक रविदास और ग्रामीणों के बीच विवाद, गांववालों ने उद्घाटन करने से रोका

पटना । पटना के फुलवारी शरीफ से माले विधायक गोपाल रविदास और ग्रामीणों के बीच का विवाद बढ़ गया है। विधायक ने गांववालों पर एससी समाज से होने के कारण अभद्र व्यवहार करने और उद्घाटन करने से रोकने का आरोप लगाया है। वहीं, गांववालों का तर्क हैं कि चुनाव नजदीक है, तब बिन बुलाए फीता काटने पहुंच गए थे। मुखिया के फंड से काम हुआ था, वे श्रेय लेने की कोशिश कर रहे थे, इसकारण रोका गया। मामला 26 जनवरी का है। विधायक नवनिर्मित स्कूल का उद्घाटन करने कुरथौल गांव पहुंचे थे। गांववालों के विरोध के बाद उन्हें वापस लौटना पड़ा। इसके बाद उन्होंने थाने में चुन्नू सिंह, मिथलेश सिंह और हंसराज हंस के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट में केस दर्ज कराया है। पूरे विवाद पर माले विधायक ने बताया, मैं अपने समर्थकों के साथ सरकारी स्कूल (उच्च माध्यमिक) की नई इमारत का उद्घाटन करने गया था। मेरी सिफारिश पर बनाया गया है। दोपहर तीन बजे जैसे ही वहां पहुंचे दबंग जाति के करीब 50 लोगों ने विरोध करना शुरू कर दिया।

एसएएफ इंस्पेक्टर की बेहरमी से हत्या, पुलिस जांच में जुटी

इंदौर । इंदौर में पुलिस के विशेष सशस्त्र बल (एसएएफ) के एक इंस्पेक्टर की बेहरमी से हत्या की गई। मृतक पुलिसकर्मी की लाश एक सड़क के पास मिली। पुलिस मामले की छानबन कर रही है। डीसीपी ने कहा, ऐसा शक है कि उनका किसी अज्ञात व्यक्ति से विवाद हुआ था, इसकारण अचानक उकसावे की वजह से उनकी हत्या कर दी गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है और सीसीटीवी फुटेज भी खंगाली जा रही है। इंदौर के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मरने वाले एसएएफ इंस्पेक्टर की पहचान प्रभु नारायण के तौर पर हुई है। नारायण राज्य पुलिस के एसएएफ में इंस्पेक्टर थे। उन्हें शराब पीने की आदत थी और वे ड्यूटी से ज्यादात्तर अनुपस्थित रहते थे। डीसीपी ने कहा, ऐसा शक है कि उनका किसी अज्ञात व्यक्ति से विवाद हुआ था, जिसके कारण अचानक उकसावे की वजह से उनकी हत्या कर दी गई। इंदौर के पुलिस उपायुक्त (सीसीपी) अभिनय विश्वकर्मा ने भरोसा जताया कि मामले का जल्द ही खुलासा कर दिया जाएगा।

तेलंगाना में कांग्रेस विधायक के समर्थकों की दबंगई ट्रैफिक एसीपी को धक्का देकर किया हमला

-समर्थकों ने पुलिस अधिकारी को गालियां तक दीं

हैदराबाद । तेलंगाना में राजनीतिक दबंगई का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां कांग्रेस विधायक मक्कन सिंह के समर्थकों ने ट्रैफिक एसीपी जॉन नरसिम्हुलु के साथ दुर्व्यवहार कर उन पर हमला कर दिया। जबकि एसीपी ने ट्रैफिक नियम तोड़ने पर कांग्रेस समर्थकों की गाड़ी रोकी थी। यह घटना तब हुई जब एसीपी नरसिम्हुलु ट्रैफिक को कंट्रोल करने के लिए खुद सड़क पर उतरे थे। तभी विधायक के समर्थकों के साथ तीखी नोकझोंक हुई। समर्थकों के समूह ने अधिकारी को धक्का देकर हमला कर दिया। इनता ही नहीं कांग्रेस विधायक के समर्थकों ने पुलिस अधिकारी को गालियां तक दी गईं और उन्हें पागल कहा गया। घटनाक्रम के वीडियो में यह सब कैद हो गया है। हमले के बावजूद ड्यूटी पर मौजूद साथी अन्य पुलिस अधिकारी निष्क्रिय दिखाई दिए। उन्होंने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय उन्हें शांत करने का प्रयास किया।

रेलवे स्टेशन पर लावारिस मिली बच्ची, मेडिकल जांच में रेप का हुआ खुलासा

मुंबई। महाराष्ट्र के नवी मुंबई में रेलवे स्टेशन पर एक नाबालिग लड़की लावारिस हाल में मिली। लड़की के बारे में पुलिस को सूचना मिली, इस पर मौके पर पहुंची और लावारिस लड़की को अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस की जांच में लड़की के साथ रेप की जानकारी सामने आई है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। यह मामला नवी मुंबई टाउनशिप में एक रेलवे स्टेशन का है। यहां 12 साल की बच्ची लावारिस हालत में मिली। जांच में सामने आया है कि बच्ची के साथ रेप किया गया है। पुलिस का कहना है कि वाशी सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने मामला दर्ज किया है। पीड़ित बच्ची के उसके परिवार के बारे में पता लगाया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि लड़की घनसोली रेलवे स्टेशन के एक प्लेटफॉर्म पर अकेली मिली थी। गश्त पर तैनात पुलिसकर्मियों ने लड़की को देखा तब उससे पूछताछ की, लेकिन बच्ची अपना नाम या अपने परिवार के बारे में कोई न्य जानकारी नहीं दे सकी। इसके बाद लड़की को मेडिकल जांच के लिए ले जाया गया, जिसमें पता चला कि उसके साथ रेप किया गया है। लड़की घटना के बारे में कोई जानकारी नहीं दे सकी है।

अंतिम संस्कार के दौरान किसान के छिपाए 3 लाख जलकर राख हो गए

माहोली। पंजाब के दीनानगर में अनोखी घटना सामने आई, जहां एक 95 वर्षीय किसान दलबीर सिंह के अंतिम संस्कार के दौरान उनके बिस्तर में छिपाए गए 3 लाख जलकर राख हो गए। यह चौंकाने वाला खुलासा तब हुआ जब जलते हुए बिस्तर से 50,000 रुपए की अर्धजली गड्डी सामने आई। बता दें कि किसान सिंह का निधन हुआ था और उनके परिवार को इसकी जानकारी नहीं थी कि उन्होंने अपने बैंक खाते से 3 लाख निकालकर बिस्तर में छिपा रखे थे। उनके बेटे की सरकारी नौकरी थी और परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी थी, लेकिन रहस्य तब सामने आया जब अंतिम संस्कार के दौरान बिस्तर के सिरहाने से 500-500 के नोटों की गड्डी गिरी। हालांकि, अधिकांश नोट जल चुके थे, फिर भी एक अर्धजला गड्डी मिलने पर परिवार ने जांच की। बाद में बैंक पासबुक की जांच से पता चला कि सिंह ने तीन लाख रुपए अपने पास रखे थे, जो अब उनके साथ ही चिता में जल गए। इस घटना के बाद परिवार ने इस विषय पर अधिक बात करने से परहेज किया।

सीएजी रिपोर्ट पर कांग्रेस ने अरविंद केजरीवाल को दी खुली चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने बुधवार को 14 विवादास्पद नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) रिपोर्ट पेश करने को लेकर आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार की आलोचना की। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल यूपीए II सरकार के खिलाफ 'सीएजी रिपोर्ट के फर्जी ड्राफ्ट' लेकर चलते थे लेकिन अब चुप हैं। पवन खेड़ा ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री को राष्ट्रीय राजधानी में आप सरकार के प्रदर्शन पर सीएजी रिपोर्ट पर बहस की चुनौती भी दी।

पवन खेड़ा ने एएनआई से कहा कि क्या उन्होंने अपनी सीएजी रिपोर्ट पढ़ी है? वह हमारे (कांग्रेस) खिलाफ फर्जी सीएजी रिपोर्ट लेकर पूरे देश में घूमते थे।' अब जब उनके खिलाफ इतनी सारी ष्टत्र रिपोर्टें आ गई हैं तो उनका मुंह क्यों बंद है? कांग्रेस नेता ने कहा, 'हिम्मत है तो आए और अपनी सीएजी रिपोर्ट पर बहस करें।' यह टिप्पणी कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति घोटाले को लेकर अरविंद केजरीवाल पर तीखा हमला करने के एक दिन बाद आई है।

इससे पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय माकन ने बुधवार को नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की ''रिपोर्ट'' का हवाला देते हुए दिल्ली की पूर्व की अरविंद केजरीवाल सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया और दावा किया कि तीन अस्पतालों के निर्माण में 382 करोड़ रुपये अधिक का घोटाला हुआ। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि इसी 'घोटाले' के कारण कैग की रिपोर्ट को विधानसभा में पेश नहीं करने दिया गया।

साथ ही माकन ने कहा कि केजरीवाल को 'राष्ट्र विरोधी' कहने के अपने बयान पर वह कायम हैं और यह उनकी निजी राय है। उन्होंने केजरीवाल द्वारा अतीत में कुछ विपक्षी नेताओं से माफी मांगे जाने का हवाला देते हुए दावा किया कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री 'थूक कर चाटने के विश्व चैम्पियन' हैं। विधानसभा चुनाव से करीब दो सप्ताह पहले माकन द्वारा आम आदमी पार्टी (आप) और उसके संयोजक तथा दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल पर लगाए गए आरोपों पर फिलहाल दिल्ली के सत्तारूढ़ दल की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। दिल्ली में सभी 70 विधानसभा सीटों पर आगामी पांच फरवरी को मतदान होगा। मतगणना आठ फरवरी को होगी।

जिस दिन केजरीवाल ने पार्टी बनाई, उसी दिन से बात करना छोड़ दिया : अन्ना हजारे

मुंबई । समाजसेवी अन्ना हजारे ने दिल्ली चुनाव और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि वे केजरीवाल से बात नहीं करते। समाजसेवी अन्ना हजारे ने दिल्ली चुनाव और केजरीवाल पर कहा, जो जैसा करेगा, वैसा भरेगा। दिल्ली के लोग उम्मीदवार देखकर वोट दें। जिस दिन से केजरीवाल ने पार्टी बनाई है, मैं उससे बात नहीं करता। हजारे ने कहा, केजरीवाल शुरुआत में मेरे साथ काम करने के लिए आया था। लेकिन, जिस दिन से केजरीवाल ने राजनैतिक महत्वकांक्षा से पार्टी बनाई, उस दिन से मैंने केजरीवाल से बात करना छोड़ दिया। इसलिए उसके विषय पर मैं कुछ नहीं बोल सकता। दिल्ली चुनाव में जनता के वोट देने को लेकर उन्होंने कहा, जनता उम्मीदवार देखकर शुद्ध आचार, शुद्ध विचार, जीवन निष्कलंक और जीवन में प्यार और जिसमें अपमान सहन करने की शक्ति हो, ये सब गुण जिसमें हो, जनता उस तहर के उम्मीदवार को ही वोट करे। मैं किसी पर आरोप नहीं लगा रहा हूं। जो जैसा करेगा, वैसा भरेगा। दिल्ली चुनाव की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे सभी राजनीतिक पार्टियों की सक्रियता बढ़ती जा रही है। दिल्ली में सत्ताधारी आम आदमी पार्टी, मुख्य विपक्षी भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच त्रिकोणीय लड़ाई होने की संभावना है। एक ओर जहां केजरीवाल के नेतृत्व में आप लगातार तीसरी बार अकेले दम पर सरकार बनाने की कोशिश में लगी है, वहीं भाजपा विपक्ष की भूमिका से हटकर दिल्ली में डबल इंजन की सरकार बनाने के लिए बेताब है। जबकि पिछले दो चुनाव से एक भी सीट पर जीत नहीं दर्ज करने वाली कांग्रेस दिल्ली में अपना अस्तित्व बचाने के लिए मैदान में है।

10 दिन से लापता शिवसेना के लोकल पदाधिकारी की तलाश में जुटी मुंबई पुलिस

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर में 10 दिन पहले लापता हुए शिवसेना के लोकल पदाधिकारी अशोक धोडी का पता लगाने के लिए पुलिस ने आठ टीमें गठित कर दी हैं। इतना ही नहीं इस संबंध में चार लोगों को हिरासत में लिया गया है। जिनसे लगातार पूछताछ की जा रही है। एकनाथ शिंदे की पार्टी शिवसेना के दहानू विधानसभा क्षेत्र के समन्वयक धोडी 20 जनवरी को लापता हो गए थे। पुलिस ने उनका पता लगाने के लिए अभियान शुरू किया है, लेकिन अभी तक उनका पता नहीं चल सका है। पालघर के जिला पुलिस अधीक्षक (एसपी) बालासाहेब पाटिल ने कहा, हमने मामले में संदिग्धों को हिरासत में लिया है। उसमें से तीन के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। एसपी पाटिल ने भरोसा जताया कि पुलिस जल्द मामले को सुलझाने में सफल होगी। उन्होंने कहा, हमने मामले पर काम करने के लिए स्थानीय अपराध शाखा सहित आठ टीमें बनाई हैं।

जेडीयू के अली अनवर व भागीरथ मांझी ने थामा कांग्रेस का हाथ

पटना (एजेंसी)। बिहार की जेडीयू को बुधवार को दोहरा झटका लगा है। जेडीयू के पूर्व राज्यसभा सांसद अली अनवर और माउंटेन मैन कहे जाने वाले दशरथ मांझी के बेटे और जेडीयू नेता भगीरथ मांझी कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। दोनों ने बुधवार को दिल्ली में होने वाले मिलन समारोह में कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। कांग्रेस बिहार विधानसभा चुनाव में सवर्ण के साथ अल्पसंख्यक और दलित वोटबैंक को साधने की तैयारी कर रही है। इसको देखते हुए दोनों को पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई जा रही है।

कांग्रेस बिहार में अपना जनाधार बढ़ाने की कोशिश कर रही है। इसके लिए कई समुदाय के चेहरों को कांग्रेस में शामिल कर रही है। अली अनवर जेडीयू से दो बार राज्यसभा सांसद रह चुके हैं। 2017 में जेडीयू के बीजेपी के साथ दोबारा सरकार बनाने का अली अनवर ने विरोध किया था। अली अनवर फिलहाल ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम समाज के अध्यक्ष हैं। अली अनवर के जरिए कांग्रेस अल्पसंख्यक वोट बैंक को साधने की कोशिश कर रही है।

वहीं दूसरी और माउंटेन मैन दशरथ मांझी के पुत्र भागीरथ मांझी भी कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। भागीरथ मांझी 2024 लोकसभा चुनाव से पहले जेडीयू में शामिल हो गए थे। एक साल के अंदर ही जेडीयू से उनका मोह भंग हो गया और अब वह कांग्रेस पर यकीन कर रहे हैं। पिछले दिनों पटना में राहुल गांधी के कार्यक्रम में भी भागीरथ मांझी शामिल हुए और राहुल गांधी ने उन्हें सम्मानित भी किया था।

अंबेडकर की प्रतिमा से छेड़छाड़ पर गरमाई सियासत बोले रामदास अठावले : मामले की होनी चाहिए जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। डॉ. बीआर अंबेडकर की मूर्ति तोड़े जाने पर केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि बाबासाहेब अंबेडकर ने दलितों की भलाई के लिए काम किया। उनकी मूर्ति तोड़ी गई लेकिन उनकी विचारधारा मजबूत है...मामले की जांच होनी चाहिए' इसकी जांच होनी चाहिए कि यह किसकी योजना थी। मैं सीएम से बात करने जा रहा हूं कि आरोपियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए... मैं अधिकारियों से बात करूंगा और एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करूंगा... मैं बर्बरता के इस कृत्य की निंदा करता हूं ...सीएम भगवंत मान पंजाब में स्थितियों को ठीक से संभाल नहीं पा रहे हैं और संभाल भी चुके हैं।

आठवले ने कहा कि यह एक गंभीर घटना है। दोषी व्यक्ति को फांसी की सजा मिलनी चाहिए। राज्यसभा सदस्य ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के इस दावे को भी खारिज कर दिया कि आंबेडकर द्वारा तैयार संविधान केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार में खतरे में है। उन्होंने कहा, ÷संविधान सुरक्षित है। लेकिन राहुल गांधी और उनकी पार्टी को लगता है कि उनका अस्तित्व खतरे में है। आठवले ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की उस टिप्पणी को लेकर उन पर 'हिंदू धर्म का अपमान÷ करने का आरोप लगाया जिसमें उन्होंने कहा था कि गंगा में डूबकी लगाने से गरीबी खत्म नहीं होगी।

कांग्रेस अध्यक्ष ने सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के महाकुंभ दौरे को लेकर उन पर कटाक्ष करते हुए कहा था कि शाह के गंगा में डुबकी लगाने से गरीबी दूर नहीं होगी। दिल्ली विधानसभा चुनाव के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सहयोगी ने कहा, मुझे लगता है कि भाजपा जीतने जा रही है क्योंकि दिल्ली के लोग पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली 'आप' से तंग आ चुके हैं।

छावा के मेकर्स को मुख्यमंत्री फडणवीस की सलाह, इतिहास से किसी भी तरह की छेड़छाड़ न करें

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेता विक्की कौशल इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म छावा को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म में अभिनेता छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका में दिखाई देने वाले है। हालांकि, छावा की रिलीज से पहले ही एक सीन को लेकर बड़ा विवाद पैदा हो गया है। हाल ही में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मेकर्स को रिलीज से पहले सलाह दी है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने मेकर्स को कहा कि वे इतिहास से किसी भी तरह की छेड़छाड़ न करें।

रिपोर्ट के मुताबिक, सीएम ने कहा, संभाजी महाराज के इतिहास को सही तरीके से पेश करना चाहिए। इतिहास से किसी भी तरह का छेड़छाड़ करना बिल्कुल भी सही नहीं है। हर किसी के दिल में संभाजी महाराज के प्रति बहुत सम्मान और प्यार है, इसलिए उस सम्मान और प्रतिष्ठा को किसी भी तरह से ठेस नहीं पहुंचनी चाहिए। फिल्मों में रचनात्मकता होती है, लेकिन हमारा मानना है कि इसके साथ ही उन्हें दूसरों की भावनाओं का भी पूरा ध्यान रखना चाहिए।

सीएम फडणवीस से पहले महाराष्ट्र के मंत्री उदय सामंत ने भी छावा के एक सीन पर निराशा व्यक्त की थी। उन्होंने सीन पर आपत्ति जाहिर की थी, जहां छत्रपति संभाजी महाराज राज्याभिषेक के बाद रानी येसुबाई के साथ डांस कर रहे हैं। उस सीन को फिल्म से हटाने की मांग की गई थी। उन्होंने कहा था कि अगर ऐसा नहीं होता है, तब फिल्म की रिलीज पर रोक लगा दी जाएगी। विवाद बढ़ता देख छावा के निर्देशक लक्ष्मण उतेकर ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे से मुलाकात कर आश्वसन दिया था कि रिलीज से पहले फिल्म के सभी आपत्तिजनक सीन को हटाया जाएगा। विक्की कौशल और रश्मिका स्टारर यह फिल्म 14 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण की मांग वाली याचिका खारिज, ये कांग्रेस सरकार की नीतियों को जीत: कमलनाथ

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के जबलपुर उच्च न्यायालय द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण को लेकर दायर की गई याचिका खारिज करने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने मोहन सरकार से ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण का लाभ देने की मांग की है। मध्य प्रदेश कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि जबलपुर हाई कोर्ट ने उस जनहित याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें राज्य शासन द्वारा प्रदेश में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण देने के फैसले का विरोध किया था। यह कांग्रेस पार्टी की नीतियों की जीत है।

उन्होंने कहा कि मार्च 2019 में जब वे मुख्यमंत्री थे, तब मध्य प्रदेश के ओबीसी समुदाय को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान किया था। हाई कोर्ट के फैसले ने तत्कालीन सरकार के निर्णय को फिर सही साबित किया है। अब मोहन सरकार को तत्काल सभी स्तर पर 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण देना सुनिश्चित करना चाहिए। कांग्रेस नेता ने भाजपा पर ओबीसी विरोधी होने का आरोप लगाकर कमलनाथ ने कहा कि ओबीसी आरक्षण को लेकर भाजपा ने हमेशा षड्यंत्रकारी रवैया अपनाया है।

उन्होंने कहा, मार्च 2019 में मेरी तत्कालीन सरकार ने मप्र में ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला किया था। तभी साल 19 मार्च को हाईकोर्ट ने पोस्टग्रेजुएट मेडिकल कोर्स के लिए 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण पर स्थगन दिया। यहां उल्लेखनीय है कि स्थगन सिर्फ कुछ नौकरियों के लिए था। इतना ही नहीं ओबीसी के 27 प्रतिशत रिजर्वेशन की सभी बाधाओं को दूर करने के लिए जुलाई 2019 में मेरी सरकार ने विधानसभा से 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण का कानून भी पास कर दिया था।

कांग्रेस नेता कमलनाथ ने कहा कि मार्च 2020 में शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनने के बाद ओबीसी के खिलाफ षड्यंत्र शुरू किया गया। हाई कोर्ट का आदेश सिर्फ कुछ पदों पर लागू होना था, लेकिन भाजपा सरकार ने पूरे राज्य में सभी जगह यह आदेश लागू कर 27 प्रतिशत आरक्षण की हत्या कर दी। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में 27 प्रतिशत आरक्षण के खिलाफ दायर की गई याचिका को खारिज कर दिया है।

ताहिर हुसैन का केजरीवाल पर हमला, कहा : सिसोदिया जेल गये तो पार्टी से नहीं निकाला, लेकिन मुझे निकाल दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली दंगों के आरोपी ताहिर हुसैन ने मुस्तफाबाद विधानसभा सीट से बतौर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) उम्मीदवार अपना चुनाव प्रचार शुरू किया है। ताहिर ने कस्टडी पैरोल पर बाहर आने के साथ ही आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल पर तीखा हमला किया।

हुसैन ने कहा कि जेल जाने पर मुझे पार्टी से ही निकाल दिया लेकिन जब मनीष सिसोदिया जेल गए.....तब उन्हें क्यों नहीं निकाला? नरेश बालियान जेल गए, तब उनकी पत्नी को टिकट दे दिया लेकिन मेरे परिवार को छोड़ दिया। उन्होंने सत्येंद्र जैन की गिरफ्तारी का जिक्र कर कहा कि वे जेल गए, तब उनका इस्तीफा तक नहीं लिया गया। अगर एक पूर्व मुख्यमंत्री बाहर आकर प्रचार कर सकता है, तब ताहिर हुसैन भी बाहर आ सकता है।

हुसैन ने भावनात्मक अपील कर कहा कि नाइंसाफी का आपका बेटा शिकार है। अपनों से दूर जेल में है। वफादार और गद्दार की बात हो रही है। वक्त बताएगा कि वफादार कौन है और गद्दार कौन है। हुसैन ने कहा कि चुनाव दो मुख्य पार्टियां लड़ रही हैं, एक अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी और एक नरेंद्र मोदी की भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी)।

उन्होंने कहा कि एक पार्टी मोदी के नाम पर वोट मांग रही है, दूसरी केजरीवाल के नाम पर वोट मांग रही है। स्कूल नहीं है, टेंट में बच्चे पढ़ते हैं। ब्रांड को वोट देते हैं लोग। जबकि वोट उन्हें दीजिये जो आपकी आवाज उठाए। ताहिर हुसैन ने कहा कि आज चुनाव में तीन नाम की चर्चा हो रही है केजरीवाल की, मोदी की या ताहिर और ओवैसी की। उन्होंने कहा कि यहां जो आता है, वहां यहीं कहता है कि बीजेपी को हराना है इसलिए वोट दीजिए। हुसैन ने कहा कि सिसोदिया जेल गए क्यों नहीं निकाला, जैन को क्यों नहीं निकाला। एक पार्टी में दो कानून क्यों हैं? उन्होंने कहा कि मुझे बीजेपी का एजेंट कहा गया। बीजेपी की साजिश की वजह से ही जेल में हूं। दोनों पार्टियां (आम आदमी पार्टी और बीजेपी) सत्ता की लड़ाई लड़ रही हैं, मेरी लड़ाई हक की है।

गौरतलब है कि असदुद्दीन ओवैसी की अगुवाई वाली एआईएमआईएम ने ताहिर हुसैन को मुस्तफाबाद सीट से टिकट दिया है।

रूस के बनाये चक्रव्यूह में फंसा अमेरिका, किम जोंग ने भी दे दिया ट्रंप को धोखा

नई दिल्ली (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत कई कार्यकारी आदेशों के साथ की, जिसमें विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से बाहर निकलने का आदेश भी शामिल है। चीन के बढ़ते प्रभाव, चल रहे युद्ध और वैश्विक अर्थव्यवस्था में चीन और अमेरिका की महत्वपूर्ण भूमिका के बीच, ट्रंप को बदली हुई गठबंधनों की दुनिया का सामना करना पड़ रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह के भाषण पर टिप्पणी करते हुए, अमेरिकन एंटरप्राइज इंस्टीट्यूट के वरिष्ठ साथी जैक कूपर ने कहा कि उन्हें लगता है कि ट्रंप की टीम ÷चीन से देशों को अलग करने की कोशिश करेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ना चाहते हुए भी ऐसी मुसीबत में फंस गए हैं, जिससे निकलना उनके लिए कहीं से भी मुमकिन नहीं है। ट्रंप जिस रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन को अपना दोस्त बताते हैं, वही उनके खिलाफ जाल बुनने में लगे हैं।

नई जमीनी हकीकत यह है कि पिछले कुछ वर्षों में, वॉशिंगटन के दो प्रमुख प्रतिद्वंद्वी, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, ने एक सीमाहीन साझेदारी बनाई है, और बीजिंग ने रूस को यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई जारी रखने के लिए समर्थन दिया है। दिलचस्प बात यह है कि ट्रंप ने शपथ ग्रहण समारोह पूरा भी नहीं किया था कि शी और पुतिन ने एक लंबी फोन कॉल की, जिसमें उन्होंने अपनी रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने का प्रस्ताव रखा था, जैसा कि रॉयटर्स ने 21 जनवरी को रिपोर्ट किया। रूस ने जून 2024 में उत्तर कोरिया के साथ और लगभग एक हफ्ते पहले ईरान के साथ भी रणनीतिक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस तरह, एक अनौपचारिक गठबंधन आकार ले रहा है जो वॉशिंगटन के किसी भी कदम का मुकाबला कर सके जो उनके हितों को नुकसान पहुंचा सकता है। गौरतलब है कि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के चीन में राजदूत ने इसे ÷अशुभ गठबंधन÷ कहा था। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि यह अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए प्रभाव खोने जैसा है।

प्रोफेसर केएन पंडिता ने कहा कि पिछले चार सालों में अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक समीकरण में कई बदलाव आए हैं। नए गठबंधनों को उभरते हुए देख रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप के जाने-माने विरोधियों ने एक तरह का गठबंधन बना लिया है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। एक महत्वपूर्ण विकास यह है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के 2022 में शुरू होने के बाद से ये असंतुष्ट देश एक-दूसरे के करीब आ गए हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने चुनाव अभियान के दौरान और पद की शपथ लेने के तुरंत बाद महत्वपूर्ण घोषणाएं की थीं। उन्होंने रूस के यूक्रेन में युद्ध को समाप्त करने, ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकने और चीन का मुकाबला करते हुए अमेरिकी सैन्य शक्ति को बढ़ाने का वादा किया। एक अन्य बयान में उन्होंने चेतावनी दी कि अगर मॉस्को शांति वार्ता को आगे नहीं बढ़ाता है, तो यह उसके अपने भविष्य को खतरे में डाल देगा। यह एक हल्का संकेत है कि मौजूदा गठबंधन इस हमले को सहन नहीं कर पाएगा।

एसए-20

प्रिटोरिया कैपिटल्स ने सुपर किंग्स को हराया, प्लेऑफ की उम्मीदें बरकरार

सेंचुरियन (एजेंसी)। प्रिटोरिया कैपिटल्स ने जोबर्ग सुपर किंग्स को छह विकेट से हराकर बोनस अंक भी लिया और एसए 20 लीग प्लेआफ की दौड़ में खुद को बनाए रखा है। कैपिटल्स ने सुपर किंग्स को 9 विकेट पर 99 रन पर रोक दिया और फिर चार विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ कैपिटल्स 14 अंक लेकर पांचवें स्थान पर है जबकि सुपर किंग्स 15 अंक के साथ चौथे स्थान पर है।

रिली रोसोयू अपने बच्चे के जन्म के कारण नहीं खेल रहे हैं जिसकी वजह से कप्तानी काइल वेरेने ने संभाली। कैपिटल्स को दौड़ में बने रहने के लिए हर हालत में जीतना था और विल जैक्स ने पावरप्ले में दो ओवर डालर सिर्फ दो रन दिए। दूसरी ओर सुपर किंग्स के लिए कोई अच्छी साझेदारी नहीं बन सकी। फॉर्म में चल रहे डेवोन कोंवे को बांह पर गेंद लगने के कारण तीसरे ओवर में मैदान छोड़कर जाना पड़ा।

सुपर किंग्स के कप्तान फाफ डु प्लेसी और पहला मैच खेल रहे रोजर्स शॉर्ट फाइन लेग में कैच दे बैठे। गाइडोन पीटर्स ने एसए 20 में अपने कैरियर की आक्रामक शुरूआत करके कोंवे को लगातार बाउंसर डाले। वह खराब पूल शॉट खेलकर विकेट के पीछे वेरेने को कैच देकर लौटे। पीटर्स ने चार ओवर के स्पैल में सिर्फ 15 रन देकर दो विकेट लिए। बाएं हाथ के स्पिनर सेनुरान मुथुस्वामी को भी दो विकेट मिले। कैपिटल्स के लिये मार्कस एकेरमैन ने 22 गेंद में 39 रन बनाए।

हरियाणा के खिलाफ अहम मुकाबले में केएल राहुल कर्नाटक टीम में

बेंगलुरू (एजेंसी)। क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए त्रिकोणीय मुकाबले में फंसी कर्नाटक की टीम को रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी के बृहस्पतिवार से शुरू हो रहे आखिरी लीग मैच में शीर्ष पर काबिज हरियाणा के खिलाफ बोनस अंक के साथ जीत दर्ज करनी होगी और केएल राहुल की वापसी से टीम को मदद मिलने की उम्मीद है। कर्नाटक के इस समय 19 और हरियाणा के 26 अंक हैं जबकि केरल के 21 अंक हो गए हैं। कर्नाटक अगर बोनस अंक (कुल सात अंक) के साथ जीतता है तो उसे 26 अंक हो जाएंगे। ऐसे में वह शीर्ष या दूसरे स्थान की टीम के रूप में क्वार्टर फाइनल में पहुंच जाएगा। गत चैम्पियन केरल को तिरूवनंतपुरम में बिहार से खेलना है। बोनस अंक के बिना भी जीतने पर केरल के 27 अंक होंगे और वह ग्रुप सी में शीर्ष पर होगा। ऐसे में हरियाणा बाहर हो सकता है क्योंकि कर्नाटक के उससे ज्यादा अंक होंगे। शीर्ष स्थान की टीम का फैसला इस बार बोनस अंक के आधार पर हो रहा है जबकि पहले नेट रनरेट के अलावा आमने सामने के रिकॉर्ड के आधार पर होता है। कर्नाटक को अगर छह अंक मिलते हैं तो उसके 25 अंक होंगे और उसे दुआ करनी होगी कि केरल और बिहार का मैच या तो ड्रॉ हो या बिहार जीत जाए। राहुल 2020 के बाद पहला रणजी मैच खेलेंगे। कर्नाटक के कोच येरे गौड़ ने कहा कि वह हरियाणा के खिलाफ तीसरे नंबर पर उतरेंगे। उन्होंने कहा, 'उसके पास अपार अनुभव है। हम देखेंगे कि वह अंतिम एकादश में किसकी जगह लेते हैं लेकिन यह तय है कि वह तीसरे नंबर पर उतरेंगे।

38वें नेशनल गेम्स का पीएम मोदी ने किया उद्घाटन

❍ स्कूली बच्चों ने किया शंखनाद ❍ बोले पीएम मोदी : खिलाड़ी मुझे पीएम यानी प्रधानमंत्री नहीं, परम मित्र मानते हैं

देहरादून (एजेंजी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को देहरादून के राजीव गांधी स्टेडियम में 38वें नेशनल गेम्स का उद्घाटन किया। इस मौके पर 2 हजार 25 स्कूली स्टूडेंट्स ने शंखनाद किया। पीएम मोदी ने सेरेमनी में कहा- 'हमने खेलों के विकास को प्राथमिकता दी है। खेल बजट तीन गुना बढ़ाया है। देश के खिलाड़ी मुझे पीएम यानी प्रधानमंत्री नहीं, परम मित्र बुलाते हैं।' बाबा केदार की पूजा के साथ नेशनल गेम्स शुरू हुए। इन गेम्स में देश के कोने-कोने से आए युवा अपना हुनर दिखाएंगे। यहां मुझे एक भारत, श्रेष्ठ भारत की तस्वीर दिखी। इस बार के नेशनल गेम्स एकता के ग्रीन गेम्स भी हैं। इनमें एनवायरमेंट फ्रेंडली चीजों का उपयोग हो रहा है। यहां भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन मशाल लेकर आए। सभी राज्यों के खिलाड़ियों ने परेड ऑफ स्टेट्स में हिस्सा लिया। सेरेमनी में उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त), सीएम पुष्कर सिंह धामी और आईओए की प्रेसिडेंट पीटी ऊषा मौजूद रहे। प्लेबैक सिंगर जुबिन नौटियाल ने 25 हजार दर्शकों के बीच परफॉर्म किया।पीएम नरेंद्र मोदी ने सीएम धामी के साथ गाड़ी में बैठकर मैदान के चारों ओर चक्कर लगाया और दर्शकों का अभिवादन किया।

देवभूमि आज और दिव्य हो उठी है - देवभूमि आज और दिव्य हो उठी है। बाबा केदार की पूजा के साथ नेशनल गेम्स शुरू हो रहे हैं। ये उत्तराखंड का 25वां वर्ष है। इन गेम्स में देश के कोने-कोने से आए युवा अपना हुनर दिखाएंगे।यहां एक भारत, श्रेष्ठ भारत की तस्वीर दिख रही है। इस बार के नेशनल गेम्स एकता के ग्रीन गेम्स भी हैं। इनमें एनवायरमेंट फ्रेंडली चीजों का उपयोग हो रहा है।देश के कोने-कोने से आए युवा अपना समर्थ दिखाएंगे। नेशनल गेम्स में इस बार कई पारम्परिक खेलों को शामिल किया गया है। इसे ग्रीन गेम भी कहा गया है। मैं सभी खिलाड़ियों को अच्छे परफॉरमेंस के लिए शुभकामनाएं देता हूं। आज साल भर में कई सारे टूर्नामेंट आयोजित किए जा रहे हैं। खेल इंडिया यूथ गेम्स से कई युवाओं को आगे जाने का मौका मिला। अब कुछ दिन पहले खेलो इंडिया विंटर गेम्स के पांचवें संस्करण का आयोजन किया गया। अभी कुछ दिन पहले हमारी खो-खो टीम ने वर्ल्ड कप जीता है। चेस में गुकेश सबसे कम उम्र के वर्ल्ड चैंपियन बने हैं। भारत 2036 ओलिंपिक की मेजबानी के लिए पूरा जोर लगा रहा है।

स्टीव स्मिथ 10,000 टेस्ट रन बनाने वाले 15वें खिलाड़ी बने, एलीट लिस्ट में बनाई जगह

गॉले (श्रीलंका) (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ ने बुधवार को गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ चल रहे पहले टेस्ट के दौरान खेल के सबसे लंबे प्रारूप में 10,000 रन पूरे कर लिए। दाएं हाथ के बल्लेबाज टेस्ट क्रिकेट में यह उपलब्धि हासिल करने वाले केवल 15वें खिलाड़ी बन गए हैं। हाल ही में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज के दौरान अपने गृहनगर सिडनी में यह उपलब्धि हासिल करने का मौका चूकने वाले स्मिथ ने गॉल में श्रीलंका के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के पहले टेस्ट में यह उपलब्धि हासिल की। ??उन्होंने मिड-ऑन की ओर अपनी खास फ्लिक खेली और एक रन के लिए आगे बढ़े। इसके बाद उन्होंने तालियों की गड़गड़ाहट का जवाब देने के लिए अपना बल्ला उठाया। इस मौके पर ऑस्ट्रेलियाई समूह ने तालियां बजाकर उनका अभिवादन किया। स्मिथ ने इस रन के साथ स्कोर 137/2 कर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। 35 वर्षीय इस खिलाड़ी ने 55 से अधिक की औसत से रन बनाए हैं, कुमार संगकारा 10,000 के आंकड़े को पार करने वाले एकमात्र बल्लेबाज हैं, जिनका रिटर्न (57.40) बेहतर है। वह पारी के हिसाब से 10,000 टेस्ट रन तक पहुंचने वाले पांचवें सबसे तेज बल्लेबाज बन गए हैं। यह बल्लेबाज एलन बॉर्डर, स्टीव वॉ और रिकी पोंटिंग के साथ इस मुकाम तक पहुंचने वाले चौथे ऑस्ट्रेलियाई बन गए हैं। इससे पहले दिन में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ ने टॉस जीतकर श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। दाएं हाथ के बल्लेबाज जोश इंगलिस खेल के सबसे लंबे प्रारूप में डेब्यू किया, क्योंकि उन्हें श्रृंखला के पहले मैच के लिए प्लेइंग इलेवन में शामिल किया है। दोनों टीमें इस मैच के लिए अपने लाइन-अप में तीन स्पिनर और एक सीमिंग विकल्प के साथ उतर रही हैं।

स्मिथ को 10000 टेस्ट रन पूरे करके अच्छ लगा: एलन बॉर्डर

श्रीलंका के खिलाफ गाले टेस्ट के पहले दिन टेस्ट क्रिकेट में 10,000 रन का आंकड़ा पार करने वाले चौथे ऑस्ट्रेलियाई बनने के बाद स्टीव स्मिथ ने अच्छा महसूस किया। स्मिथ इस विशिष्ट क्लब में दिग्गज रिकी पोंटिंग, एलन बॉर्डर और स्टीव वॉ के साथ शामिल हो गए जिन्होंने केवल 205 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की जोकि टेस्ट इतिहास में पांचवां सबसे तेज है। लंच के समय आधिकारिक प्रसारणकर्ता चैनल सेवन से बातचीत में स्मिथ ने कहा, इसे पूरा करना अच्छा लगा। एलन बॉर्डर, स्मिथ के साथ अब यह उपलब्धि साझा करने वाले खिलाड़ियों में से एक ने उनके दृढ़ संकल्प और अनूठी शैली की प्रशंसा की। बॉर्डर ने कहा, वह ऐसा व्यक्ति नहीं है, जिसके बारे में आप अपने बेटे से कहें कि यह एक तकनीक है जिसका तुम्हें पालन करना है, लेकिन यह उसके लिए कारगर रही है, और यह एक अच्छा संकेत है कि आप अपने खेल को जानते हैं। उसने यह बहुत अच्छे से किया है। बहुत से खूबसूरत खिलाड़ी हैं, लेकिन बहुत कम ऐसे हैं जिनके पास यह रिकॉर्ड है। बॉर्डर ने स्मिथ की तुलना खेल के महान खिलाड़ियों से करते हुए कहा, मैं (सचिन) तेंदुलकर और (ब्रायन) लारा का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं - वे असाधारण रूप से अच्छे क्रिकेटर थे, लेकिन स्टीव निश्चित रूप से उन लोगों की श्रेणी में हैं।

कार्यवाहक कप्तान 10,000 टेस्ट रन के दुर्लभ मील के पत्थर तक पहुंचने वाले चौथे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी और यह उपलब्धि हासिल करने वाले कुल 15वें व्यक्ति बन गए। स्मिथ ने 55 से अधिक की औसत से रन बनाए हैं जबकि कुमार संगकारा एकमात्र बल्लेबाज हैं जिनका 10,000 के आंकड़े को पार करने का 57.40 औसत है।

सक्रिय खिलाड़ियों में केवल जो रूट के 12,972 टेस्ट रन स्मिथ से अधिक हैं। भारत के खिलाफ सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर अपने घरेलू दर्शकों के सामने अपने करियर के 9,999 रनों पर आउट होने के बाद अपने यादगार पल को चूकने वाले स्मिथ ने बुधवार को पहली ही गेंद पर अपना 10,000वां रन बनाया। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने पहले सत्र में 137/2 के स्कोर पर बल्लेबाजी की और प्रभात जयसूर्या की गेंद पर मिड-ऑन पर सिंगल मारा, जिससे दर्शकों ने तालियां बजाई। इसके बाद उन्होंने अपने बल्लेबाजी साथी उस्मान ख्वाजा को गले लगाया।

सूर्यकुमार यादव के खराब प्रदर्शन पर वॉन का सुझाव

'आप हर गेंद को बाउंड्री पर नहीं मार सकते',

राजकोट (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर माइकल वॉन ने भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव को सलाह दी है कि वे आक्रामक होने से पहले क्रीज पर अधिक संतुलित रवैया अपनाएं। वॉन का मानना ??है कि सूर्यकुमार की बहुत जल्दी आक्रमण करने की आदत उल्टी पड़ गई है, जिसकी वजह से उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा टी20 सीरीज में संघर्ष करना पड़ा है जिसमें 28 जनवरी को राजकोट में तीसरे टी20 में भारत की 26 रन से हार भी शामिल है।

भारत अब भी 5 मैचों की सीरीज में 2-1 से आगे चल रहा है, ऐसे में सूर्यकुमार की फॉर्म को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। बल्लेबाज अब तक कोई खास प्रभाव नहीं छोड़ पाया है, उसने पहले तीन मैचों में 0, 12 और 14 रन बनाए हैं। उसके आउट होने का मुख्य कारण गलत समय पर आक्रामक शॉट लगाना रहा है, या तो गेंद को पीछे की तरफ ले जाना या फिर हवा में गलत तरीके से मारना। क्रिकबज से बात करते हुए वॉन ने इस बात पर जोर दिया कि भारत अपने पावरप्ले रन को अधिकतम करने को प्राथमिकता देता है, लेकिन सूर्यकुमार को टीम में अपना पूरा योगदान देने के लिए अपनी पारी को बेहतर ढंग से व्यवस्थित करना चाहिए।

वॉन ने कहा, लगातार कुछ मौकों पर वह काफी आसानी से आउट हो रहे हैं। जब आप कहते हैं कि हर समय आक्रामक रहें, तो इसका मतलब है कि सही गेंद का चयन करके आक्रामक होना। स्पष्ट रूप से आप हर गेंद को बाउंड्री पर नहीं मार सकते और इस युग के कुछ खिलाड़ियों में इतना कौशल और प्रतिभा है कि उन्हें लगता है कि वे ऐसा कर सकते हैं। यह संभव ही नहीं है।

इंग्लैंड के खिलाफ वरुण चक्रवर्ती ने बनाया बड़ा रिकॉर्ड, बने पहले भारतीय

राजकोट (एजेंसी)। भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने राजकोट के सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में अपनी तीन मैचों की सीरीज के तीसरे टी20 में 5 विकेट लेकर इंग्लैंड को बड़ा टारगेट देने से रोक दिया। चक्रवर्ती ने 4 ओवरों में महज 24 रन देकर 5 विकेट हासिल किए। चक्रवर्ती का यह टी20ई का दूसरा पांच विकेट हाल है। उन्होंने पिछले साल नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी पांच विकेट चटकाए थे। वरुण चक्रवर्ती ने कोलकाता में श्रृंखला के पहले टी20 में तीन विकेट लिए थे। इसके बाद चेन्नई के मैदान पर भी वह दो विकेट लेने में सफल रहे। इसी कारण भारतीय टीम को इंग्लैंड पर 2-0 की लीड मिली थी। अब राजकोट में खेले गए तीसरे टी20 में उन्होंने 5-24 के आंकड़े देकर सीरीज में अपने विकेटों की संख्या 10 तक पहुंचा दी।

चक्रवर्ती अब भारत और इंग्लैंड के बीच एक द्विपक्षीय टी20 सीरीज में कम से कम 10 विकेट लेने वाले इतिहास के पहले क्रिकेटर बन गए हैं। 33 वर्षीय खिलाड़ी श्रृंखला के शेष दो मैचों में अपने खाते में और विकेट जोड़ सकते हैं जोकि 31 जनवरी और 2 फरवरी को पुणे और मुंबई में होने हैं। इस सीरीज में अब तक वरुण चक्रवर्ती ने सिर्फ तीन पारियों में 8.50 की शानदार गेंदबाजी औसत से 10 विकेट लिए हैं। उनकी इकॉनमी रेट 7.08 रही है जबकि स्ट्राइक रेट 7.20 है। चक्रवर्ती ने ओवरऑल 16 मैचों में 14.75 की औसत से 29 विकेट लिए हैं। क्रिकेटर ने जुलाई 2021 में कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ टी20 मैच के साथ टीम इंडिया के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। उसके बाद से वह लगातार प्रभावित कर रहे हैं।

ऐसी रही इंग्लैंड की पारी - इंग्लैंड के बल्लेबाज एक बार फिर से भारतीय स्पिनर्स के आगे घुटने टेकते नजर आए। राजकोट की बल्लेबाजों के लिए अच्छी पिच पर एक समय इंग्लैंड 83 रन पर एक विकेट गंवाकर खेल रहा था। लेकिन जैसे ही बटलर का विकेट गिरा भारतीय स्पिनर्स हावी हो गए। वरुण चक्रवर्ती इस दौरान कमाल रहे। उन्होंने 4 ओवर में 24 रन देकर 5 विकेट चटका लिए जिससे इंग्लैंड बड़े स्कोर तक नहीं पहुंच पाया। इंग्लैंड के लिए बेन डकेट ने 51 तो लियाम लिविंगस्टन ने 43 रन बनाए। अंत के ओवरों में आदिल राशिद और मार्क वुड ने टीम का स्कोर 171 तक पहुंचाया।

भारत को 26 रन से हराने के बाद जोस बटलर ने कहा आदिल रशीद हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण खिलाड़ी है

राजकोट (एजेंसी)। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर का मानना है कि उनकी टी20 टीम में लेग स्पिनर आदिल रशीद सबसे महत्वपूर्ण खिलाड़ी है जिन्होंने भारत के खिलाफ तीसरे मैच में शानदार प्रदर्शन किया। रशीद की शानदार गेंदबाजी से इंग्लैंड ने तीसरा टी20 जीतकर श्रृंखला में वापसी की। उन्होंने चार ओवर में 15 रन देकर एक विकेट चटकाया। चेन्नई में दूसरे टी20 में भी उनका इकॉनॉमी रेट चार रन प्रति ओवर से कम था। भारत को 26 रन से हराने के बाद बटलर ने कहा, 'वह हमारे लिए सबसे अहम खिलाड़ी है और उसके प्रदर्शन में लगातार निखार आ रहा है। उसके पास काफी विविधता है। एक कप्तान के लिए वह ट्रंपकार्ड से कम नहीं है। पिछले दोनों मैचों में उसने शानदार प्रदर्शन किया है। श्रृंखला में अभी भी 1-2 से पीछे होने के बावजूद बटलर ने कहा कि उनकी टीम सही दिशा में जा रही है। उन्होंने कहा, 'मैं अपने खिलाड़ियों के प्रदर्शन से खुश हूं। लिवी (पांच छक्के लगाने वाले लिविंगस्टोन) ने जबरदस्त छक्के लगाए। उसके अलावा रश (रशीद) और वुडी (मार्क वुड) को भी श्रेय जाता है जिन्होंने आखिरी विकेट के लिए 20 रन जोड़े। मुझे पता था कि 170 का स्कोर अच्छा है। उन्होंने कहा, 'हम इसी शैली में आगे खेलते रहेंगे। गेंद और बल्ले दोनों से आक्रामक प्रदर्शन करेंगे।

शीतल देवी के दृढ़ संकल्प से प्रभावित आनंद महिंद्रा

बिना हाथ वाली तीरंदाज को गिफ्ट की एसयूवी

मुंबई (एजेंसी)। भारत की पहली बिना हाथ वाली तीरंदाज शीतल देवी और उनके परिवार से मुलाकात से व्यवसायी आनंद महिंद्रा बहुत प्रभावित हुए। उन्होंने शीतल को महिंद्रा स्कॉर्पियो-एन गिफ्ट की। पिछले साल पेरिस पैरालिंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली शीतल ने अपने दृढ़ संकल्प और कौशल से सभी बाधाओं को पार किया है। पैरों से तीर चलाने की उनकी क्षमता ने उन्हें दुनिया भर में एक प्रेरणादायी शख्सियत बना दिया है।

महिंद्रा ने शीतल के साहस और दृढ़ संकल्प की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने उनकी मां और बहन में भी यही दृढ़ संकल्प देखा है। उनकी असाधारण यात्रा का सम्मान करते हुए उन्होंने उन्हें एसयूवी भेंट की। उद्योगपति ने तीरंदाज को उपहार में तीर देने के लिए आभार भी व्यक्त किया।

महिंद्र ने शीतल की प्रशंसा की - 69 वर्षीय महिंद्रा ने शीतल की प्रशंसा करने के लिए एक्स का सहारा लिया। उन्होंने लिखा, मैं दूर से ही शीतल देवी की प्रतिभा की प्रशंसा करता रहा हूं। उनसे व्यक्तिगत रूप से मिलकर मैं उनके असाधारण दृढ़ संकल्प, दृढ़ता और फोकस से प्रभावित हुआ। उनकी मां और बहन से बात करते हुए यह स्पष्ट था कि यह परिवार में चलता है! उसने मुझे एक तीर भेंट किया, जो एक तीरंदाज के रूप में उसकी पहचान का प्रतीक है, जो किसी भी सीमा से बंधा नहीं है। वास्तव में अमूल्य! शीतल हम सभी के लिए एक प्रेरणा है और मुझे उसे स्कॉर्पियो-एन में देखकर गर्व हो रहा है - एक उपयुक्त घोड़ा क्योंकि वह नई ऊंचाइयों को छू रही है।

शीतल ने किया धन्यवाद - शीतल ने इस उपहार के बाद सोशल मीडिया पर अपनी खुशी साझा की। उन्होंने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, महिंद्र स्कार्पियों एन पाने पर रोमांचित महसूस कर रही हूं। 16 साल की उम्र में जब मुझे पता चला था कि आनंद महिंद्रा मुझे मेरी पसंद की कार गिफ्ट करना चाहते हैं तो यह यकीन करना मुश्किल था- मतलब कुछ भी! एक बार जब वास्तविकता समझ में आई, तो मैंने 18 साल की उम्र में इसे लेने का विकल्प चुना।

अपने 18वें जन्मदिन के बाद मैं आभार व्यक्त करने के लिए महिंद्रा से मिली... सर, आपकी दयालुता और प्रोत्साहन के लिए धन्यवाद। महिंद्रा कार चुनना रोमांचकारी होने के साथ-साथ अभिभूत करने वाला भी था, लेकिन महिंद्रा स्कॉर्पियो एन वह थी जिसने मेरा दिल जीत लिया! यह मेरे गांव की ऊबड़-खाबड़ सड़कों के लिए एकदम सही लगा। कार अद्भुत है! फिर से धन्यवाद, सर! पहली ड्राइव, हम आभार और प्रार्थना करने के लिए कटरा की ओर बढ़े। इस अविश्वसनीय यात्रा के लिए हमेशा आभारी रहूंगी!

इस बार बजट में बीमा पॉलिसी पर कम जीएसटी व ज्यादा टैक्स में मिल सकती है छूट

नई दिल्ली।

एक फरवरी को पेश होने वाले आम बजट से लोगों को राहत की उम्मीद है। इस बीच बीमा कंपनियों ने सरकार से इंश्योरेंस पॉलिसी प्रीमियम पर कम जीएसटी और हाई टैक्स रिबेट देने की अपील की है। मीडिया रिपोर्ट में ऐसी खबर चल रही है कि वित्त मंत्री सीतारमण बजट में सीएनजी पर इम्पोर्ट ड्यूटी घटाकर लोगों को सस्ती सीएनजी का तोहफा दे सकती हैं। इसके अलावा एनपीएस में टैक्स छूट में भी बढोतरी की उम्मीद है। इनकम टैक्स स्लैब में बदलाव, किसान क्रेडिट कार्ड ऋण सीमा में बढोतरी और पर्यटन और आतिथ्य सेक्टर को बढ़ावा देने वाले उपायों की घोषणा भी हो सकती है। ऑयल एंड गैस सेक्टर को बजट में राहत मिल सकती है। सीएनजी पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी में कटौती का ऐलान वित्त मंत्री कर सकती हैं। सरकार फिलहाल सीएनजी पर 14.4 फीसदी एक्साइज ड्यूटी लगाती है। इससे सीएनजी 9.5 रुपए प्रति किलोग्राम महंगी होती है। इंडस्ट्री विशेषज्ञों का मानना है कि इस ड्यूटी को कम कर इस सेक्टर से चीपर एडमिनिस्टर्ड प्राइसिंग मेकेनिज्म की वापसी के असर को दुरुस्त किया जा सकता है। पब्लिक सेक्टर ऑयल मार्केटिंग कंपनियां को सब्सिडी वाली एलपीजी गैस पर काफी अंडर-रिकवरी का सामना करना पड़ रहा है। इससे निपटने के लिए सरकार सब्सिडी के तौर पर 35 हजार करोड़ रुपए आवंटित कर सकती है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही लिवाली (खरीदारी) हावी रहने से आया है। वहीं गत दिवस भी बाजार बढ़त पर बंद हुआ था। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 631.55 अंक करीब 0.83 फीसदी बढ़कर 76,532.96 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 205.85 अंक तकरीबन 0.90 फीसदी की बढ़त के साथ 23,163.10 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान निफ्टी50 के 50 में से 42 शेयर तेजी के साथ बंद हुए। श्रीराम फाइनेंस, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टाटा मोटर्स, एसबीआई लाइफ और ट्रेंट के शेयर ऊपर आये और इसमें 3.98 फीसदी तक की बढ़त रही। वहीं भारती एयरटेल, आईटीसी होटल्स, मारुति सुजुकी इंडिया, ब्रिटानिया और एशियन पेंट्स के शेयर नुकसान के साथ बंद हुए, जिनमें 3.53 फीसदी तक की गिरावट रही।

जोमेटो का शेयर करीब 7 फीसदी ऊपर आया। इसके अलावा टाटा मोटर्स, इंफोसिस, अल्ट्राटेक सिमेंट, टेक महिंद्रा, महिंद्रा एंड महिंद्रा और बजाज फाइनेंस के शेयर भी उछले। वहीं

निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 3.32 फीसदी बढ़त पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी मिडकैप 100 में 2.31 फीसदी की बढ़त रही।

वहीं दूनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में सियोल और टोक्यो बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि शंघाईऔर हांग-कांग के शेयर बाजार छुट्टी के कारण बंद रहे। यूरोपीय बाजारों में भी अधिकतर सूचकांक हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। गत दिवस अमेरिकी बाजार भी तेजी के साथ बंद हुए। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को 4,920.69 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। भारतीय बाजार की तेजी कारण आगामी केंद्रीय बजट को लेकर है। निवेशकों को बजट में उपभोग को बढ़ावा देने और रोजगार पैदा करने के लिए उठाए जाने वाले संभावित कदम की उम्मीद है। इसी से स्मॉल और मिड-कैप शेयरों में राहत भरी तेजी देखने को मिली, जबकि प्रमुख इंडेक्स वैल्यूएशन 5 साल के औसत पर कारोबार कर रहे हैं। इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुला। तीसरे कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी से बाजार ऊपर आया है। सुबह सेंसेक्स 236.83 अंक करीब 0.31 फीसदी ऊपर आकर तेजी के साथ ही 76,138.24 पर खुला। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 69.50 अंक तकरीबन 0.3 फीसदी के उछाल के साथ ही 23,026.75 पर खुला।

बजट में केंद्र सरकार रुपए को मजबूत करने वाले उपायों की कर सकती है घोषणा

रुपया 86 प्रति डॉलर के स्तर से नीचे गिरकर 87 के करीब पहुंच गया

नई दिल्ली।

आगामी बजट में सरकार रुपए को मजबूत करने वाले उपायों की घोषणा कर सकती है। अर्थशास्त्रियों और ऋण कोष प्रबंधकों को उम्मीद है कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकिंग प्रणाली में लिक्विडिटी बढाए जाने के लिए उठाए गए कदमों के बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भी बजट में कुछ ऐसी घोषणाएं करेंगी, जो गिरते रुपए को संभालने में मदद करेंगी।

कुछ महीनों में वैश्विक स्तर पर डॉलर मजबूत हुआ है, लेकिन इसके बावजूद रुपया अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं-जैसे ब्राजील, कोरिया और तुर्की की मुद्राओं-की तुलना में स्थिर रहा है। हाल ही में रुपया 86 प्रति डॉलर के स्तर से नीचे गिरकर 87 के करीब पहुंच गया था, लेकिन अब इसमें सुधार देखा जा रहा है। मंगलवार को यह 86.52 प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

अर्थशास्त्रियों का कहना है कि सरकार निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कुछ प्रोत्साहन उपायों की घोषणा कर सकती है। इससे रुपए को अल्पकालिक समर्थन मिलेगा और दीर्घकालिक रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था को लाभ मिलेगा। इसके अलावा सरकार विदेशी जमा को आकर्षित करने के लिए बैंकों को ज्यादा ब्याज दर देने की अनुमति देने जैसे उपायों पर विचार कर सकती है। 2013 की तरह बड़े पैमाने पर एनआरआई जमा जुटाने की योजना की संभावना बेहद कम है। भारत की मुद्रा प्रबंधन नीति का लक्ष्य रुपए को किसी निश्चित स्तर पर बनाए रखना नहीं रहा है, बल्कि इसकी व्यवस्थित गति सुनिश्चित करना रहा है।

इस नीति के तहत ब्याज दरों के अंतर को संतुलित करने के लिए मौद्रिक नीति का इस्तेमाल किया जाता है साथ ही मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप भी रुपए को स्थिर बनाए रखने का एक प्रमुख साधन है। हाल के दिनों में आरबीआई ने मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप से परहेज किया है ताकि घरेलू विकास और मुद्रास्फीति को ध्यान में रखते हुए धन बाजार में तरलता की कमी न हो।

इसके अलावा केंद्रीय बैंक मौद्रिक नीति में ढील की सुगम ट्रांसमिशन सुनिश्चित करने के लिए रुपए की तरलता भी बढ़ा रहा है।

भारत और इंडोनेशिया दस साल में बढ़ा सकते हैं चार गुना व्यापार

दोनों सांस्कृतिक, व्यापार व निवेश संबंधों को गहरा करने में हैं मददगार

नई दिल्ली।

भारत और इंडोनेशिया के बीच द्विपक्षीय व्यापार करीब 30 अरब अमेरिकी डॉलर का है और यह एक दशक में चार गुना और बढ़ सकता है। यह दावा चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के प्रमुख अनिंद्य बाकरी ने किया। उन्होंने कहा कि भारत और इंडोनेशिया प्रभावी तरीके से विश्व की सेवा करेंगे। विनिर्माण व बुनियादी ढांचा क्षेत्र पर केंद्रित कंपनी बाकरी एंड ब्रदर्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ने कहा कि दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक सांस्कृतिक संबंध, व्यापार व निवेश संबंधों को गहरा करने में मददगार हैं।

इंडोनेशिया, दुनिया में सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी वाला देश है। बाकरी व्यापार संबंधों पर चर्चा करने के लिए पीएम मोदी से मिलने वाले इंडोनेशियाई राष्ट्रपति के प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे। उन्होंने कहा कि यह संबंध अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर है। व्यापार और निवेश के मामले में 30 अरब अमेरिकी डॉलर का मौजूदा व्यापार अब भी बहुत कम है। अगर सही तरीके से प्रबंधन किया जाए तो यह 10 साल में चार गुना हो सकता है।

बाकरी ने कहा कि ज्यादा महत्वपूर्ण पहलू यह है कि हम विश्व की सेवा के लिए एक साथ कैसे काम कर सकते हैं, चाहे विनिर्माण, प्रौद्योगिकी, औषधि, शिक्षा या ऊर्जा बदलावज्कोई भी क्षेत्र हो। भारत और इंडोनेशिया के इस साल व्यापार और निवेश पर कार्य समूह की दूसरी बैठक और व्यापार में लंबित शुल्क व गैर-शुल्क बाधाओं के समाधान के लिए व्यापार मंत्रियों के चौथे द्विवार्षिक मंच की बैठक आयोजित करने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि इंडोनेशिया और भारत एक साथ मिलकर बहुत अच्छी तरह से आगे बढ़

सकते हैं और सांस्कृतिक इतिहास निश्चित रूप से इसमें मदद करता है। बाकरी ने कहा कि रक्षा एक ऐसा क्षेत्र है जिस पर हमारे राष्ट्रपति ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें भारत उत्कृष्ट है। साथ ही हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत और इंडोनेशिया दोनों की रणनीतिक स्थिति को देखते हुए मुझे आश्चर्य नहीं है कि इससे नौकरियां उत्पन्न हो सकती हैं और व्यापार में ज्यादा संतुलन हो सकता है।

बैंकों और एनबीएफसी के दंडात्मक शुल्क लगाने पर नहीं लगेगा जीएसटी

नई दिल्ली।

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड ने कहा है कि बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के दंडात्मक शुल्क लगाने पर जीएसटी लागू नहीं होगा। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने एक परिपत्र के जरिये यह भी साफ किया कि ऑनलाइन मंच पर भुगतान एग्रिगेटर्स की मदद से दो हजार रुपए तक के लेनदेन पर जीएसटी नहीं लगाया जाएगा। बैंकों और एनबीएफसी के दंडात्मक शुल्क लगाने पर जीएसटी लागू होने के मुद्दे को स्पष्ट करते हुए सीबीआईसी ने कहा कि आरबीआई जिन संस्थाओं को विनियमित करता है, उनके दंडात्मक शुल्क अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन करने पर लगाए जाते हैं और इसलिए उन पर जीएसटी लागू नहीं होगा।

सीबीआईसी ने कहा कि 55वीं जीएसटी परिषद की सिफारिश के मुताबिक यह स्पष्ट किया जाता है कि कर्जदार के लोन कॉन्ट्रैक्ट की भौतिक शर्तों का अनुपालन न करने पर विनियमित संस्थाओं द्वारा लगाए गए दंडात्मक शुल्क पर कोई जीएसटी देय नहीं है। एमआरजी एंड एसोसिएट्स के वरिष्ठ भागीदार रजत मोहन ने कहा कि यह स्पष्टीकरण अहम है, क्योंकि इससे व्याख्या संबंधी विवादों का निपटारा होगा। इससे पहले आरबीआई ने बैंकिंग सिस्टम में नकदी बढ़ाने के लिए तीन किस्तों में 60,000 करोड़ रुपए की सरकारी प्रतिभूतियां खरीदने और कई अन्य कदमों की घोषणा की थी।

निवेश रणनीतिकार डॉ वीके विजयकुमार ने कहा कि बैंकिंग प्रणाली में करीब 1.5 ट्रिलियन रुपए की तरलता बढ़ाने के उपायों की आरबीआई की घोषणा बैंक और बाजार दोनों के लिए पॉजिटिव है। इसके साथ ही फरवरी की पॉलिसी बैठक में एमपीसी द्वारा ब्याज दरों में कटौती की संभावना है। ऐसी स्थिति में बैंकों को लाभ मिल सकता है।

भारत के डिजिटल पेमेंट्स यूपीआई की हिस्सेदारी 2024 में 83 फीसदी हुई

आरबीआई ने कहा- यूपीआई डिजिटल पेमेंट को आगे बढ़ाने में निभा रहा अहम भूमिका

नई दिल्ली।

भारत के डिजिटल पेमेंट्स सिस्टम में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) की हिस्सेदारी 2024 में बढ़कर 83 फीसदी हो गई है, जो कि 2019 में 34 फीसदी थी। यूपीआई 74 फीसदी के चक्रवृद्धि औसत वृद्धि दर से बढ़ा है। यह जानकारी आरबीआई द्वारा एक रिपोर्ट में दी गई। आरबीआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि समीक्षा अवधि में अन्य पेमेंट सिस्टम्स जैसे आरटीजीएस, एनईएफटी, आईएमपीएस, क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड की हिस्सेदारी 66 फीसदी से गिरकर 17 फीसदी रह गई है। रिपोर्ट में बताया गया कि यूपीआई देश के डिजिटल पेमेंट सिस्टम को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहा है। इसकी वजह यूपीआई का इस्तेमाल में आसान है। व्यापक स्तर पर यूपीआई लेनदेन की वॉल्यूम बढ़कर 2024 में 17,221 करोड़ हो गई, जो 2018 में 375 करोड़ थी। इस दौरान कुल लेनदेन की वैल्यू 5.86 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 246.83 लाख करोड़ रुपए हो गई है। रिपोर्ट में बताया गया कि यूपीआई की वॉल्यूम और वैल्यू बीते पांच सालों में 89.3 फीसदी और 86.5 फीसदी के सीएजीआर से बढ़ी है। पी2पी (पर्सन-टू-पर्सन) और पी2एम (पर्सन-टू-मर्चेंट) दोनों ही लेनदेन यूपीआई की सुरक्षित और रियल टाइम भुगतान क्षमताओं का लाभ उठते हैं, जिससे व्यक्तियों और व्यवसायों के लिए पारंपरिक और समय लेने वाले तरीकों पर निर्भर हुए बिना वित्तीय लेनदेन करना आसान होता है।

हीरो एक्स प्लस 210 की बुकिंग अगले महीने से शुरू होगी

नई दिल्ली ।

दो पहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकार्प की नई बाइक हीरो एक्स प्लस 210 बाइक की बुकिंग अगले महीने से शुरू होगी और डिलीवरी मार्च 2025 से शुरू होने की उम्मीद है। इस बाइक को भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में लॉन्च किया है। यह बाइक दो वेरिएंट्स - बेस और टॉप - में उपलब्ध है। बेस वेरिएंट की कीमत 1,75,800 रुपये और टॉप वेरिएंट की कीमत 1,85,800 रुपये है। हीरो एक्स प्लस210 में 210सीसी का सिंगल-सिलिंडर, लिक्विड-कूल्ड, 4-वॉल्व इंजन दिया गया है, जो 24.6 बीएचपी की पावर और 20.7 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इसे एक छह-स्पीड गियरबॉक्स से जोड़ा गया है, जो बाइक को शानदार प्रदर्शन और बेहतर कंट्रोल प्रदान करता है। इस बाइक में एक आकर्षक गोल आकार का एलईडी हेडलाइट, पारदर्शी विजर के साथ एलईडी टर्न इंडिकेटर्स, ट्यूबलर हैंडलबार और सिंगल-पीस सीट जैसे डिजाइन फीचर्स शामिल हैं। हीरो एक्स प्लस 210 ऑफ-रोडिंग और दैनिक उपयोग दोनों के लिए एक बेहतरीन विकल्प साबित हो सकती है। बाइक में पूरा एलईडी इल्लुमिनेशन सिस्टम, 4.2-इंच टीएफटी कंसोल और स्मार्टफोन कनेक्टिविटी जैसी आधुनिक सुविधाएं भी प्रदान की गई हैं। कंसोल

में स्पीडोमीटर, ओडोमीटर, टैकोमीटर, गियर पोजीशन इंडिकेटर और अन्य महत्वपूर्ण रीडआउट्स शामिल हैं, जो इसे एक स्मार्ट और प्रैक्टिकल बाइक बनाते हैं।

इस शनिवार को बंद नहीं होगा शेयर बाजार, पूरे दिन होगी ट्रेडिंग

1 फरवरी को वित्त मंत्री संसद में पेश करेंगी आम बजट

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार शनिवार 1 फरवरी को खुले रहेंगे इसकी वजह यह है कि इस दिन वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण संसद में आम बजट 2025 पेश करेंगी। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) ने घोषणा की है कि बजट के चलते इस दिन पूरे समय ट्रेडिंग की जाएगी। एक्सचेंजों के मुताबिक इसे स्पेशल ट्रेडिंग डे के रूप में मनाया जाएगा। यह पहला मौका नहीं है जब बजट के चलते शेयर बाजार को शनिवार को खोला जा रहा है। इससे पहले 1 फरवरी 2020 और 28 फरवरी 2015 को भी बजट के चलते शेयर बाजार शनिवार के दिन खोला गया था। शनिवार 1 फरवरी को बाकी दिनों की तरह ही शेयर बाजार सामान्य समय से खुलेगा। इक्विटी मार्केट सुबह 9:15 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक खुले रहेंगे, जबकि कमोडिटी डेरिवेटिव्स बाजार में ट्रेडिंग का समय शाम 5 बजे तक रहेगा। हालांकि सेटलमेंट हॉलिडे के कारण टी-0 सेशन बंद रहेगा। ट्रेडिंग सेशन से जुड़ी डिटेल्स इस तरह है। इक्विटी मार्केट सुबह 9:15 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक, कमोडिटी डेरिवेटिव्स मार्केटः शाम 5 बजे तक, टी-0 सेशन बंद रहेगा (सेटलमेंट हॉलिडे के कारण)। ब्लॉक डील (सेशन-1) सुबह 8:45 से 9:00 बजे तक, स्पेशल प्री-ओपन सेशन 9:00 से 9:45 बजे तक, कॉल ऑक्शन इलिक्विड सेशनः सुबह 9:30 से दोपहर 3:30 बजे तक, ब्लॉक डील (सेशन-2): दोपहर 2:05 से 2:20 बजे तक, पोस्ट क्लोजिंग सेशनः 3:40 से 4 बजे तक

ट्रेड मॉडिफिकेशन कट-ऑफ टाइमः 4:15 बजे तक रहेगा।

रुपया 86.56 पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 86.56 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपया 85.39 पर खुला। वहीं मंगलवार को भी रुपया 86.56 पर बंद हुआ था। गत दिवस रुपया शुरुआती कारोबार में 26 पैसे कमजोर होकर 86.57 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी तथा विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती से रुपये पर दबाव जारी है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.53 पर खुला और फिर फिसलकर 86.57 प्रति डॉलर पर आ गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 26 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को नौ पैसे कमजोर होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.31 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.49 फीसदी की बढ़त के साथ 107.86 पर रहा।

घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में तेजी

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने की कीमतें बढ़ी हैं जबकि चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। सोने का वायदा भाव बढ़त के साथ ही 80,413 रुपये के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। वहीं चांदी के वायदा भाव भी बढ़त के साथ खुले पर समय के साथ ही इसमें नरमी आने लगी। आज सोने के वायदा भाव बढ़कर 80,352 रुपये जबकि चांदी के वायदा भाव 91,032 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने में तेजी रही जबकि चांदी में शुरुआत उछाल के बाद नरमी आने लगी। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएस) पर सोने का बेंचमार्क फरवरी अनुबंध आज 36 रुपये बढ़कर साथ 80,325 रुपये के भाव पर खुला। एक समय यह अनुबंध 63 रुपये की तेजी के साथ 80,352 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 80,413 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 80,325 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। सोने के वायदा भाव आज 80,413 रुपये के भाव पर शीर्ष स्तर पर पहुंच गया। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च अनुबंध आज 1 रुपये की तेजी के साथ 91,052 रुपये पर खुला। हालांकि खबर लिखे जाने के समय यह अनुबंध 49 रुपये की गिरावट के साथ 91,002 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय ये 91,154 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 90,905 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। पिछले साल चांदी के वायदा भाव 1,00081 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर हासिल किया था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने चांदी के वायदा भाव की शुरूआत तेजी के साथ हुई। लेकिन चांदी के वायदा भाव बाद में कमजोर पड़ गए। कामेक्स पर सोना 2,771.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,767.50 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने के समय यह 3.80 डॉलर की तेजी के साथ 2,771.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कामेक्स पर चांदी के वायदा भाव 30.94 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला क्लोजिंग प्राइस 30.88 डॉलर था।

एमजीएल ने किया निराश, निवेशकों के लिए किया 12 रुपये डिविडेंड का एलान

इस डिविडेंड के लिए कंपनी ने रिकॉर्ड तारीख 3 फरवरी 2025 की तय

मुंबई। महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने तीसरी तिमाही के नतीजों में निराश किया, लेकिन निवेशकों को खुश करने के लिए तोहफा भी दिया है। कंपनी का शुद्ध मुनाफा 28.9 फीसदी गिरकर 225.4 करोड़ हो गया। पिछले साल की इसी तिमाही में यह 317.18 करोड़ रुपए था। महानगर गैस ने हर शेयर पर 12 का अंतरिम डिविडेंड घोषित किया है। इस डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट 3 फरवरी 2025 तय की गई है जिन निवेशकों के पास इस तारीख तक कंपनी के शेयर होंगे, उन्हें इसका लाभ मिलेगा। कंपनी ने कहा है कि डिविडेंड अगले 30 दिनों में बांट दिया जाएगा। नतीजे बाजार बंद होने के बाद आए, लेकिन इससे पहले ही महानगर गैस के शेयर चमकने लगे। मंगलवार को कंपनी का शेयर बीएसई पर 1,277.80 पर बंद हुआ, जो 19.05 या 1.51 फीसदी की बढ़त है। कंपनी बोर्ड की अहम मीटिंग 28 जनवरी को शुरू हुई और 4:30 बजे खत्म हुई थी। इसमें नतीजों और डिविडेंड से जुड़े फैसले लिए गए हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास दर को ले पूरी तरह से आशावादी है कारोबारी जगत

फिक्की द्वारा जारी किए गए सर्वे में सामने आई जानकारी

मुंबई ।

भारतीय कॉरपोरेट कंपनियां अर्थव्यवस्था की विकास दर को लेकर पूरी तरह से आशावादी हैं और मोदी सरकार से उम्मीद हैं कि आम बजट 2025-26 में पूंजीगत व्यय सरकारी नीतियों के केंद्र में रहेगा। यह जानकारी बिजनेस चैम्बर फिक्की द्वारा जारी किए गए सर्वे में दी गई। फिक्की के प्री-बजट सर्वे में कहा गया कि केंद्रीय बजट से पहले 64 प्रतिशत कंपनियां भारत की विकास दर को लेकर आशावादी हैं। सर्वे में शामिल करीब 60 प्रतिशत कंपनियों का मानना है कि वित्त वर्ष 2025-26 में जीडीपी की विकास दर 6.5 से 6.9 प्रतिशत के बीच रह सकती है।यह आंकड़ा वित्त वर्ष 2023-24 की उच्च विकास दर 8 प्रतिशत से काफी कम है। इसकी वजह बाहरी कारकों के कारण लगातार प्रतिकूल परिस्थितियों का बनाना है। सर्वे में 68 प्रतिशत कंपनियों ने विकास की गति को बनाए रखने के लिए पूंजीगत व्यय को जरूरी बताया। सर्वे में शामिल हुई आधे से अधिक कंपनियों का मानना है कि व्यापार में आसानी बढ़ाने के लिए सुधारों पर अधिक जोर दिया जाना चाहिए और उत्पाद बढ़ाने के लिए जरूरी जैसे भूमि अधिग्रहण, श्रम नियम और बिजली आपूर्ति जैसे क्षेत्रों में सुधारों को बेहतर करना चाहिए।

सर्वे में बताया गया कि जैसा कि पिछले साल के केंद्रीय बजट ने अगली पीढ़ी के सुधारों पर एक रोड मैप का संकेत दिया था। इंडस्ट्री के सदस्य इस पर आगे के मार्गदर्शन की प्रतीक्षा कर रहे हैं। सर्वे में करीब 47 प्रतिशत भागीदारों को उम्मीद है कि सरकार वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 4.9 प्रतिशत के राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को पूरा कर लेगी और अन्य 24 प्रतिशत ने बताया कि सरकार सुधार कर सकती है और चालू वर्ष के लिए कम राजकोषीय घाटा रिपोर्ट कर सकती है। इंडस्ट्री की ओर से मांग को लेकर चिंता जाहिर की गई।

साथ ही कहा कि डायरेक्ट टैक्स स्ट्रक्चर का सरकार को रिव्यू करना चाहिए। अगर इनकम टैक्स स्लैब में बदलाव किया जाता है, तब लोगों के हाथ में ज्यादा पैसा बचेगा और इससे खपत बढ़ाने में मदद मिलेगी।

सैछनिक भ्रमन आउर वनभोज हमिन कर इच्छा कर पूर्ति करेला : डॉ सविता केशरी

सोनू सपवार

टीआरएल संकाय : स्नातकोत्तर नागपुरी बिभाग कर वनभोज सह सैछनिक भ्रमन सम्पन्न

रांची। स्नातकोत्तर नागपुरी बिभाग, रांची विश्वविद्यालय, रांची कर द्वारा धुर्वा डैम, जगरनाथपुर में वनभोज सह छात्रमन ले सैछनिक भ्रमन कार्जकरम आयोजित करल गेलक। ई कार्जकरम में 70 गो छात्र आउर शोधार्थीमन भाइग लेलयं। बिभागाध्यछ डॉ सविता केशरी, डॉ उमेश नन्द तिवारी, डॉ बीरेन्द्र कुमार महतो, डॉ रीझू नायक आउर डॉ कुमारी शशि कर नेतृत्व में छात्रमन वनभोज कार्जकरम कर पूरा लुप्त उठालयं। डॉ सविता केशरी सैछनिक भ्रमन आउर वनभोज कर महता उपरे प्रकास डालते कहलयं कि जिनगी कर उत्तरदायित्व के पूरा करेक ले हमिन हर पल काम में ब्यस्त रहीला। जिनगी में एकरसता से उबरेक ले हमिन के दैनिक काम से हइट के कुछ पल गुजारेक च चाही। सैछनिक भ्रमन आउर वनभोज हमिन कर ई इच्छा कर पूर्ति करेला। ऊ छात्रमन के धुर्वा डैम, जगरनाथपुर आउर आसपास कर प्राकृतिक छटा कर दरसन करालयं आउर उकर महत्ता उपरे प्रकास डाललयं। कार्जकरम के सफल बनायेक में बिभाग कर रवि कुमार, प्रवीण कुमार, सोनू सपवार, अनुप गाड़ी, भूषण महत्वपूर्न भूमिका निभालयं। ई मौका में छात्र-छात्राएं, सोधार्थी आउर बिभाग कर करमचारीमन उपस्थित रहयं।

होमगार्ड कर जवानमन मसाल जुलूस निकलाय के करलयं बिरोध परदरसन

किशनगंज। बिहार गृह रक्षा वाहिनी कर द्वारा करल जायेक वाला बिरोध परदरसन कर तीसर दिन बुधवार कर देर सांझ के मसाल जुलूस निकलाल गेलक। बिहार गृह रक्षा वाहिनी कर जवानमन होमगार्ड कार्जालय कर जगन से मसाल जुलूस सुरु करलक जे उत्पाद कार्जालय, एसपी कार्जालय आउर समाहरणालय कर पास से होते गुजरलक आपन 21 सूत्री मांग के लेइ के बिरोध परदरसन करलयं। बिहार गृह रक्षा वाहिनी कर जवान होमगार्ड कार्जालय कर पास एकजुट होय के सउब एके संगे मसाल जुलूस में सामिल होलयं। थाली बजाय के बिरोध परदरसन करेक लागलयं। मसाल जुलूस में संरछक गोपाल कुमार सिंह, अध्यछ अमल किशोर यादव, सचिव अशोक कुमार मण्डल, रूद्रानंद यादव, विपिन कुमार सिंह, विजय कुमार, संदीप कुमार, नवीन कुमार, शांति लाल यादव, शाहिद आलम, राकेश, उदय आदि सामिल रहयं।

जागरुकता रैली के डीसी हरियर झंडी देखाय के करलयं रवाना

पलामू। प्री कंसेप्सनल एंड प्री नेटल डायग्नोस्टिक तकनीक अधिनियम (पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट) 1994 कर जागरुकता ले स्वास्थ्य बिभाग कर दन से 29 जनवरी के रैली निकलाल गेलक। उपायुक्त शशि रंजन समाहरणालय परिसर से रैली के झंडी देखाय के रवाना करलयं।

ई अवसर में उपायुक्त शशि रंजन कहलयं कि पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट कर तहत लिंग निर्धारन अपराध आहे। सेव द गर्ल चाइल्ड कैंपेन कर तहत इकर ले जनमानस में जन-जागरुकता जरुरी हेके। जागरुकता से लिंग चयन तकनीक कर उपजोग उपरे प्रतिबंध लगाल जायेक में मदइत मिली।

समाहरणालय से निकइल के रैली शहीद चौक, छः मुहान, हॉस्पिटल चौक होते मेडिकल कॉलेज आउर अस्पताल पहुंइच के सिरालक। कार्जकरम में जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. अनिल श्रीवास्तव, डीपीएम (स्वास्थ्य) प्रदीप कुमार सिन्हा आदि उपस्थित रहयं।

सीएमपीडीआई कर क्षेत्रीय संस्थान-3 में डिजिटल कांफ्रेंस हॉल कर उद्घाटन

रांची। सीएमपीडीआई कर अध्यछ-सह-प्रबंध निदेसक मनोज कुमार क्षेत्रीय संस्थान-3, रांची में एगो अत्याधुनिक पूर्णतः डिजिटल कांफ्रेंस हॉल कर उद्घाटन करलयं। ई अत्याधुनिक कांफ्रेंस हॉल में एगो ई-पोडियम, एगो इंटरएक्टिव डिजिटल स्क्रीन, एगो उन्नत हाई-टेक पीटीजेड कैमरा आउर निर्बाध वीडियो कांफ्रेंसिंग आउर प्रस्तुति कर सुबिधा ले अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित हय।

मौका में श्री कुमार अइसन परिष्कृत आउर तकनीकी रूप से उन्नत सुबिधाजुक्त हाल स्थापित करेक में क्षेत्रीय संस्थान-3 कर अटूट समर्पन आउर सावधानीपूर्बक प्रयास कर सराहना करलयं।

ई अवसर में सीएमपीडीआई कर निदेसक (तकनीकी/सीआरडी), आरडीएंडटी) अजय कुमार, छेतरीय निदेसक जयंत चक्रवर्ती, महाप्रबंधक (उत्खनन) कंचन सिन्हा संगे मुख्यालय आउर क्षेत्रीय संस्थान-3-रांची कर महाप्रबंधक आउर बिभागाध्यछ, अधिकारी आउर करमचारी उपस्थित रहयं।

नागपुरी कविता

जिनगी में का है

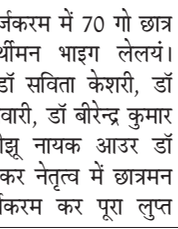

संतोष महली

जिनगी में का है
सोचु,तु तु मे मे हावा है
मोह माया में टिकल इ काया
भितरे खोखला है।

सांस में मन नाथल
गेंठरी ठठरी बाधंल
सउबकर जोड़ल नाता है
मुरूख,गेयानी दुईयो के पाता है।

हिरदय छुवी से नाम जपना है
कांदेक गागाएक एखना तखना है,
तन बड़ चाहे छोट,गोर करिया या मोट
बनल सुन्दर रचना कर,बही खाता है।

हरबइर डर एतइ
फिर काले छल कपट
पियु पानी झरना
जिना भी है हिंयें आउर मरना है
प्रेम बाटु बाटेक कर भी काला है।

जिनगी में का है
सोचु,तु तु मे मे हावा है
मोह माया में टिकल इ काया
भितरे खोखला है।

फरवरी कर पहिल सप्ताह में होवी चैंबर कर पत्रिका कर बिमोचन

रांची। झारखंड चैंबर कर पत्रिका उप समिति कर बैठकी 29 जनवरी के चैंबर भवन में होलक। इकर में पत्रिका कर प्रकासन कर तैयारी कर समीछा कर संगे आगामी संस्करन कर प्रकासन उपरे भी चर्चा होलक। उप समिति चेयरमैन मुकेश अग्रवाल कहलयं कि सदस्यमन कर सुझाव कर अनुरूप पत्रिका कर प्रकासन करल जात हे।

पत्रिका में चैंबर कर गतिबिधि, प्रमंडलीय समस्या, फेडरेसन कर भावी जोजनामन कर सारांस आउर स्टेकहोल्डर्स से जुड़ल सरकार कर नीति, पॉलिसी आउर नोटिस कर उल्लेख बुलेटिन में प्रमुखता से करल जाई। इकर से हमिन कर सदस्य बयापार जगत कर गतिबिधि से अपडेट रहबयं। बैठकी कर दौरान बुलेटिन में प्रकासन ले कंटेंट कर समीछा कर संगे बिज्ञापन कर बुकिंग भी लेल गेलक। चर्चा कर क्रम में फरवरी कर पहिल हप्ताह में चैंबर कर ई सत्र कर पहिल पत्रिका कर बिमोचन करेक कर निरनय लेवल गेलक। स्टेकहोल्डर्स से जुड़ल मुद्दा उपरे पत्रिका में आर्टिकल कर प्रकासन ले इच्छुक बिसेसग्यमन से उप समिति कर द्वारा आर्टिकल प्रेसित करेक कर भी अपील करल गेलक।

बैठकी में चैंबर उपाध्यछ ज्योति कुमारी, पत्रिका उप समिति कर चेयरमैन आउर संपादक मुकेश कुमार अग्रवाल, सह संपादक प्रमोद सारस्वत, सदस्य मनोज मिश्रा, अल्तमस आलम आउर अन्य सदस्य उपस्थित रहयं। उक्त जानकारी प्रवक्ता सुनील सरावगी देलयं।

अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच महोत्सव कर आयोजन रांची में दो फरवरी से

रांची। राष्ट्रीय नाट्य संस्थान कर तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच महोत्सव 'भारत रंग महोत्सव' कर 25 वां संस्करन कर आयोजन 28 जनवरी से 16 फरवरी, 2025 तक करल जात हे। ई भारत, नेपाल आउर श्रीलंका कर 13 गो सहर में होवी।

ई धांव कर भारंगम 'वसुधैव कुटुम्बकम, बंदे भारंगम' कर बिचारधारा के आगे बढ़ाते अंतर्राष्ट्रीय सहभागिता कर माध्यम से ई महोत्सव कर पहुंच के आउर बयापक बनात हे। ई धांव 'एक रंगः श्रेष्ठ रंग' भारत रंग महोत्सव 2025 कर ई नारा रचनात्मक अभिब्यक्ति में एकता आउर बिबिधता में एकता कर भाव के दरसायेक वाला हय।

20 दिन तक चलेक वाला रंग महोत्सव 2025 में 9 गो जुदा-जुदा देस कर 200 से बेसी अनूठी प्रस्तुति होवी, जेके भारत आउर बिदेस में 13 गो अस्थान में परदरसित करल जात हे। ई महोत्सव में भाइग लेवेक वाला अंतर्राष्ट्रीय थिएटर समूह रूस, इटली, जर्मनी, नॉर्वे, नेपाल, ताइवान, स्पेन आउर श्रीलंका से सामिल हयं। पहिल धांव, भारत रंग महोत्सव आपन सीमा से परे जात हे। भारत में रांची, अहमदाबाद, बेंगलुरु, भटिंडा, भोपाल, गोवा, गोरखपुर, जयपुर, आदि सहर में होवत हे। रांची में इकर आयोजन 2 से 7 फरवरी, 2025 तक शौर्य सभागार में होवेक तय होए हे।

जनजातीय कार्य मंत्रालय गणतंत्र दिवस परेड में सर्वश्रेष्ठ झांकी कर जीतलक पुरस्कार

नई दिल्ली। जनजातीय कार्य मंत्रालय के भगवान बिरसा मुंडा कर 150वां जयंती बछर कर उपलछ में 'जनजातीय गौरव वर्ष' उपरे आधारित आपन प्रेरनादायक आउर सांस्कृतिक रूप से समृद्ध झांकी ले 76वां गणतंत्र दिवस परेड 2025 में केंद्रीय मंत्रालय/बिभागमन कर दन से सर्वश्रेष्ठ झाँकी कर पुरस्कार देल गेलक। झांकी में एगो भव्य साल कर गछ कर संगे आदिवासी लोकाचार के खूबसूरती से दरसाल जाय रहे, जे ताकत, स्थिरता आउर आदिवासी समुदाय आउर प्रकृति कर बीच कर गहरा संबंध कर प्रतीक हय। केंद्रीय बिसय जल, जंगल, जमीन भारत कर आदिवासी बिरासत कर कालातीत ज्ञान आउर स्वतंत्रता संग्राम आउर रास्ट्र निरमान में उनकर अमूल्य जोगदान के परदरसित करलक।

झारखंड कर पाइका नृत्य आउर छत्तीसगढ़ कर नगाड़ा कर लयबद्ध थाप दरसकमन के मंत्रमुग्ध कइर देलक, जे आत्मनिर्भर भारत आउर श्रेष्ठ भारत कर भावना के दरसायला। ई ऐतिहासिक उपलब्धि पर, केंद्रीय जनजातीय मामला कर मंत्री जुएल ओराम आभार ब्यक्त करते कहलयं, ई सम्मान भगवान बिरसा मुंडा कर बिरासत आउर भारत कर आदिवासी समुदायमन कर समृद्ध सांस्कृतिक बिरासत के श्रद्धांजलि हय। मंत्रालय पीएम-जनमन, धरती आबा अभियान आउर एकलव्य इस्कूल जइसन पहल कर माध्यम से आदिवासी समुदायमन के ससक्त बनाएक ले प्रतिबद्ध हेके, ताकि उनकर समग्र बिकास सुनिश्चित होए सके। ई सम्मान एगो अइसन बिकसित भारत कर हमिन कर दृष्टिकोन कर पुष्टि करेला जहाँ हर आदिवासी कर आवाज़ सुनल जायेला आउर उकर जश्न मनाल जायेला। जनजातीय मामला कर राज्य मंत्री दुर्गा दास उइके पुरस्कार कर महत्व उपरे जोर देते कहलयं : ई पुरस्कार हमिन कर रास्ट्र ले जनजातीय समुदायमन कर अमूल्य जोगदान के मान्यता देवेला। उनकर बिरासत पीढ़ि के प्रेरित करते रही आउर हमिन उनकर सांस्कृतिक बिरासत के संरछित करेक आउर बढ़ावा देवेक ले समर्पित हयं।

जनजातीय कार्य मंत्रालय कर सचिव विभु नायर टीम कर प्रयास कर सराहना करते कहलयं, सर्वश्रेष्ठ झांकी कर पुरस्कार जीतेक जनजातीय कार्य मंत्रालय ले अत्यंत गौरव कर छन हय। झांकी में जनजातीय गौरव वर्ष कर सार समाहित हय, जे हमिन कर जनजातीय समुदायमन कर लचीलापन आउर जोगदान के दरसायला। ई मान्यता रास्ट्रीय आउर वैश्विक अस्तर में समृद्ध जनजातीय कला, संस्कृति आउर बिरासत के संरछित करेक आउर बढ़ावा देवेक कर हमिन कर संकल्प के आउर मजबूत करेला। जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत कर अदमीमन के उनकर अपार समर्थन आउर प्रोत्साहन ले हार्दिक धन्यवाद देवेला। ई सम्मान हर ऊ आदिवासी समुदाय कर आहे, जिनकर कहानी, संघर्स आउर बिजय पीढ़ि के प्रेरित करते रहेला।

मुद्रक व प्रकाशक **नीलम सिंह** द्वारा झारखंड वनिता उद्योग एसएचजी के लिए श्याम नगर, गांधी नगर सीसीएल कॉलोनी डीएवी गांधी नगर स्कूल के पीछे, थाना गोंदा, जिला-रांची, राज्य झारखंड-834008 से प्रकाशित एवं शिवा साईं पब्लिकेश प्राइवेट लिमिटेड रातू, काठीटांड़ टेंडर बगीचा के नजदीक, एचपी पेट्रोल पंप, पोस्ट व थाना रातू, रांची, झारखंड-835222 में स्थित प्रिंटिंग प्रेस में मुद्रित। आरएनआई पंजीयन संख्या. **JHABIL/2023/86791**, **संपादक** : नीलम सिंह, **प्रबंध संपादक** : कृशन गोपालका, **सलाहकार संपादक** : रतन लाल अग्रवाल। **फोन नंबर** : 8210640230, 9934166306, **ईमेल आइडी** : jharkhandwanitaudyog@gmail.com